सच्ची बात, पाठकों के साथ
नागपुर, शनिवार 27 दिसंबर 2025 | @ www.rashtrabaan.in | पृष्ठ :8 | वर्ष :2 | अंक : 374 | मूल्य:₹ 5
राष्ट्रबाण
मध्य भारत का लोकप्रिय दैनिक
|| धर्मो रक्षति रक्षितः ||

तिरुवनंतपुरम का चुनाव जीत वीवी राजेश ने रचा इतिहास

केरल में पहली बार बना बीजेपी का मेयर

राष्ट्रबाण

तिरुवनंतपुरम. भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने केरल में इतिहास रच दिया है. बीजेपी के वीवी राजेश ने तिरुवनंतपुरम मेयर का चुनाव जीत लिया है. वीवी राजेश को 51 वोट मिले, जो तिरुवनंतपुरम नगर निगम की कुल वर्तमान स्ट्रेंथ से एक अधिक है. लेफ्ट पार्टियों के गठबंधन एलडीएफ उम्मीदवार को 29 और विपक्षी कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ उम्मीदवार को 17 वोट ही मिले. वी.वी. राजेश का मेयर बनना केरल की राजधानी में बीजेपी के लिए एक प्रतीकात्मक उपलब्धि माना जा रहा है. इसे राज्य की शहरी राजनीति में एक बड़े बदलाव के रूप में भी देखा जा रहा है. इस पद पर पार्टी ने पहली बार जीत हासिल की है जिससे 45 वर्षों के वामपंथी शासन का अंत हुआ है.

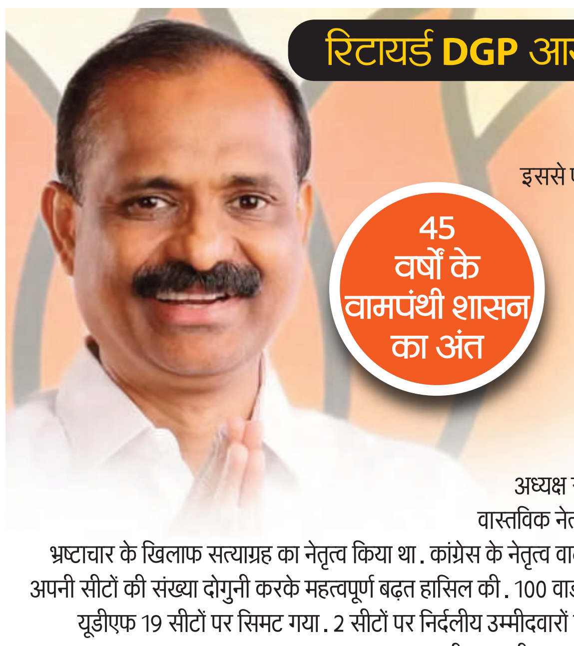

रिटायर्ड DGP आर श्रीलेखा पर पड़े भारी

45 वर्षों के वामपंथी शासन का अंत

कौन हैं वी.वी. राजेश?

इससे पहले रिटायर्ड पुलिस महानिदेशक (DGP) आर श्रीलेखा को मेयर पद के संभावित उम्मीदवार के रूप में लेकर चल रही थीं, लेकिन पार्टी के एक वर्ग ने उनकी पदोन्नति का विरोध किया. अंतत: बीजेपी के राष्ट्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप के बाद राजेश के नाम पर सहमति बनी. वी.वी. राजेश 2 बार पार्षद, राज्य सचिव, पूर्व युवा मोर्चा राज्य अध्यक्ष और पूर्व भाजपा तिरुवनंतपुरम जिला अध्यक्ष रह चुके हैं. पिछली विधानसभा में वे विपक्ष के वास्तविक नेता थे. उन्होंने CPIM शासित नगर निगम में भ्रष्टाचार के खिलाफ सत्याग्रह का नेतृत्व किया था. कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (UDF) ने भी अपनी सीटों की संख्या दोगुनी करके महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की. 100 वार्डों में से एलडीएफ को 29 सीटें मिलीं, जबकि यूडीएफ 19 सीटों पर सिमट गया. 2 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की. जबकि एक वार्ड में निर्दलीय उम्मीदवार की मृत्यु के कारण मतदान स्थगित कर दिया गया था.

चांदी फिर भागी

13 हजार से ज्यादा महंगी, सोने के दाम भी बढ़े

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025 को चांदी की कीमत में जबरदस्त उछाल आया है. बुधवार, 24 दिसंबर की तुलना में आज चांदी की कीमत 13 हजार रुपये से अधिक महंगी हुई है. आज सोने के भाव में भी बढ़ोतरी आई है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 24 दिसंबर 2025 को 22 कैरेट सोने का भाव 125150 प्रति 10 ग्राम था, जो 26 दिसंबर को बढ़कर 126329 प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन

(IBJA) की ओर से केंद्र सरकार द्वारा घोषित रेट शनिवार और रविवार के साथ-साथ केंद्र सरकार की छुट्टियों पर जारी नहीं किए जाते हैं. 19 दिसंबर 2025 को चांदी (999, प्रति 1 किलो) की कीमत 200,336 थी, जो आज 26 दिसंबर 2025 को 232,100 पहुंच गई है.

शिक्षा से ही देश का समग्र विकास संभव: भागवत

अपनी मातृभाषाओं का अधिक से अधिक प्रयोग करें

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत ने भारतीय भाषाओं में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा है कि मातृभाषा में दी गई शिक्षा का प्रभाव कहीं अधिक गहरा और स्थायी होता है. जो देश के समग्र विकास के लिए अनिवार्य है. उन्होंने कहा कि व्यक्ति वैज्ञानिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक ज्ञान को अपनी मातृभाषा में कहीं बेहतर ढंग से समझ और आत्मसात कर सकता है. अपनी मातृभाषाओं का अधिक से अधिक प्रयोग करें.

'गोपूजा' के महत्व पर दिया जोर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू पूजा-पद्धति में 'गोपूजा' के महत्व को रेखांकित किया. वे गुरुवार को तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा अलिपिरी में निर्मित 'सप्त गोप्रदक्षिणशाला' के दर्शन के लिए पहुंचे. यह केंद्र तिरुमला की 7 पहाड़ियों पर विराजमान भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए पदयात्रा प्रारंभ करने से पूर्व 7 गायों की पूजा की परंपरा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है. यहां पैदल यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ घाट मार्ग से जाने वाले भक्त भी बड़ी संख्या में दर्शन कर रहे हैं. टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड के पूर्व सदस्य ए. जे. शेखर, जिन्होंने लगभग 13 करोड़ रुपये की लागत से इस विशाल सुविधा का निर्माण कर इसे टीटीडी को समर्पित किया, इस अवसर पर मोहन भागवत के साथ मौजूद रहे. शेखर ने बताया कि स्थापना के पहले दिन से ही यहां श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय भीड़ उमड़ रही है. दौरे के दौरान मोहन भागवत ने यहां प्रतिदिन आयोजित होने वाले 'श्रीनिवास दिव्यानुग्रह होमम्' के बारे में भी जानकारी ली, जो वैश्विक कल्याण की कामना से संपन्न किया जाता है. इस होमम् में बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्वेच्छा से भाग लेते हैं. साथ ही मोहन भागवत ने तिरुमला में श्रद्धालुओं और तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अधिकारियों के साथ श्रीवारी अन्नप्रसादम में भाग लिया.

आज शेयर बाजार में बड़ी गिरावट

निवेशकों को तगड़ा नुकसान!

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को मुनाफा-वसूली के चलते सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट आई. साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) द्वारा लगातार बिकवाली से बाजार की भावना पर दबाव पड़ा. सेंसेक्स 367.25 अंक या 0.43 प्रतिशत गिरकर 85,041.45 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 99.80 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 26,042.30 पर बंद हुआ.

क्यों आई बाजार में गिरावट

विदेशी फंड की निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे गिरकर 89 .94 पर आ गया. घरेलू शेयर बाजार में नकारात्मक रुझान, आयातकों की ओर से डॉलर की मांग और व्यापार समझौतों को लेकर अनिश्चितता ने बाजार के सेंटिमेंट को और कमजोर कर दिया है.

बीएसई के टॉप 30 शेयरों में से 6 शेयरों को छोड़कर बाकी सभी शेयर लाल निशान पर बंद हुए. टेक महिंद्रा, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स के शेयरों में करीब 1.50 फीसदी तक की गिरावट आई है. शुक्रवार को कारोबार में सुस्ती के बावजूद, निफ्टी और सेंसेक्स इस सप्ताह लगभग 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ है. विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगातार इक्विटी सेल की है. विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,721.26 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जो लगातार तीसरे सत्र में नेट सेल का संकेत है.

फास्ट ट्रॅक

'लक्ष्मण रेखा पार की तो कड़ी प्रतिक्रिया'

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ताइवान को रिकॉर्ड 11.1 अरब डॉलर के हथियार बिक्री पैकेज को मंजूरी दी है जिससे चीन भड़क गया है. जवाब में चीन ने शुक्रवार को 20 अमेरिकी डिफेंस कंपनियों पर बैन लगा दिया है. चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में चेतावनी दी कि ताइवान मुद्दे पर चीन को उकसाने की किसी भी कोशिश का कड़ा जवाब दिया जाएगा. चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और उसे बड़े पैमाने पर हथियार बेचने के अमेरिका के फैसले से बुरी तरह चिढ़ गया है. चीन ने 20 डिफेंस कंपनियों समेत अमेरिका के 10 सीनियर अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई का फैसला किया है. चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'ताइवान मुद्दा चीन के मूल हितों के केंद्र में है और चीन-अमेरिका संबंधों में पहली ऐसी लक्ष्मण रेखा है जिसे पार नहीं किया जा सकता.

10 साल के श्रवण को मिला राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

ऑपरेशन सिंदूर के सबसे छोटे नायक ने किया था ऐसा काम, जिसे जानकर सीना हो जाएगा चौड़ा

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. पंजाब के युवा नायक श्रवण सिंह को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया है. यह साहसी बच्चा पंजाब के सरहदी जिला फिरोजपुर सीमावर्ती गांव चक तरां वाली का रहने वाला है. श्रवण सिंह को राष्ट्रपति द्वारा शुक्रवार को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में पुरस्कृत किया गया. सीएम भगवंत मान ने कहा कि यह पंजाबियों के लिए बड़े गर्व की बात है.

सैनिकों के लिए पानी, दूध, लस्सी और चाय पहुंचाई

दुश्मन के ड्रोनों की निरंतर घुसपैठ और भारी तनाव के माहौल में, देशभक्ति के जज्बे से ओत-प्रोत होकर श्रवण प्रतिदिन अग्रिम चौकियों

तक जाते थे. वे सैनिकों के लिए पानी, दूध, लस्सी, चाय और बर्फ जैसी आवश्यक सामग्री पहुंचाते थे.

सेना की तरफ से श्रवण की कराई जा रही पढ़ाई

दुश्मन की सीधी निगरानी और हमले के निरंतर खतरे के बावजूद, उनके अटूट संकल्प ने लंबे समय से तैनात सैनिकों के लिए जल-आपूर्ति और मनोबल बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा (लाइफलाइन) के रूप में काम किया.

देश के प्रति हौसले और जज़्बे को सलाम

सीएम मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे गुरुओं द्वारा दी गई शिक्षाओं पर चलते हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान श्रवण सिंह ने घर से चाय-पानी और भोजन लाकर सैनिकों की जो सेवा की, वह काबिल-ए-तारीफ है. बच्चे के देश के प्रति हौसले और जज़्बे को सलाम है.

सैनिकों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की

श्रवण सिंह को मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान उनके असाधारण साहस, सूझबूझ और निस्वार्थ सेवा के लिए पहचाना गया है. भारत-पाकिस्तान सीमा पर अत्यधिक तनावपूर्ण परिस्थितियों के बीच, श्रवण सिंह ने तैनात सैनिकों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की थी.

नीतीश कैबिनेट के विस्तार का प्लान तैयार !

मकर संक्रांति के बाद नए चेहरों को मिल सकती है जगह, 6 JDU + 4 बीजेपी

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. बिहार की नीतीश कुमार सरकार में मंत्रिपरिषद विस्तार को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है. यह विस्तार अगले महीने यानी जनवरी में मकर संक्रांति के बाद किया जा सकता है. हाल ही में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई थी, जिसके बाद मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों को

और बल मिला है.

दरअसल, वर्तमान में नीतीश मंत्रिपरिषद में कुल 10 मंत्री पद खाली हैं. इनमें 6 पद जेडीयू और 4 पद बीजेपी कोटे के हैं. बिहार में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 36 मंत्री बनाए जा सकते हैं. एनडीए मंत्रिपरिषद के तय फार्मूले के अनुसार बीजेपी के हिस्से 17, जेडीयू के पास 15 (मुख्यमंत्री समेत), एलजेपी के 2 और हम व आरएलपी को 1-1 मंत्री पद निर्धारित हैं. इस लिहाज से अभी जेडीयू के 6 और बीजेपी के 4 मंत्री बनाए जाने की गुंजाइश बनी हुई है.

अति पिछड़े वर्ग के नेताओं को मिल सकती है जगह

आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में जातिगत, सामाजिक और राजनीतिक संतुलन को खास तौर पर साधा जाएगा. जेडीयू की ओर से कुशवाह समाज और अति पिछड़े वर्ग से आने वाले नेताओं को मंत्री बनाए जाने की तैयारी है. माना जा रहा है कि इससे आगामी राजनीतिक चुनौतियों और सामाजिक समीकरणों को मजबूत करने में मदद मिलेगी.

जेडीयू के मंत्रियों का बोझ होगा कम

फिलहाल जेडीयू कोटे के कई मंत्रियों के पास एक से अधिक विभाग हैं. जेडीयू के बिजेंद्र प्रसाद यादव के पास 5 विभाग, विजय चौधरी के पास 4 विभाग जबकि श्रवण कुमार और सुनील कुमार के पास 2-2 विभाग हैं. इसी तरह बीजेपी कोटे से विजय सिंह, मंगल पांडेय और अरुण शंकर प्रसाद के पास भी 2-2 विभाग हैं. ऐसे में मंत्रिपरिषद विस्तार के बाद कुछ विभाग नए मंत्रियों को सौंपे जा सकते हैं, जिससे मौजूदा मंत्रियों का कार्यभार कम होगा.

22 राज्यों में तेज सर्दी-कोहरे का कहर

यूपी में जीरो विजिबिलिटी, 50+ ट्रेनें लेट; माउंट आबू में पारा 1 पचमढ़ी में 3.6; अगले 2 दिन में सर्दी और बढ़ेगी

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. देशभर में सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है. यूपी-एमपी, राजस्थान समेत 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में तेज ठंड और घना कोहरा हो रहा है. मौसम विभाग के अनुसार आने वाले 2 दिनों में ठंड और कोहरा और ज्यादा बढ़ सकता है. उत्तर प्रदेश में हालात सबसे ज्यादा खराब बने हुए हैं.

यूपी में कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या समेत 27 जिलों

में शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे कई जगहों पर विजिबिलिटी जीरो हो गई. सड़कों पर कुछ मीटर आगे भी दिखाई नहीं दे रहा. प्रयागराज, देवरिया समेत कई रेलवे स्टेशनों पर 50 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रही हैं. वहीं गोरखपुर समेत कई एयरपोर्ट्स पर 5 फ्लाइट्स कैंसिल हैं.

इधर, मध्य प्रदेश में भी ठंड ने रिकॉर्ड तोड़ने शुरू कर दिए हैं. प्रदेश के 25 से ज्यादा शहरों में न्यूनतम तापमान 10 सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है.

जाना था दरभंगा, कोलकाता में उतारा IndiGo की फ्लाइट डायवर्ट

एयरपोर्ट पर हंगामा-जम कर नारेबाजी

राष्ट्रबाण

दरभंगा. बिहार के दरभंगा में खराब मौसम के कारण हैदराबाद से दरभंगा आने वाली इंडिगो की फ्लाइट को डाइवर्ट कर कोलकाता में उतार दिया गया. अचानक बदले इस फैसले से दरभंगा जाने वाले यात्री काफी परेशान नजर आए. विमान के कोलकाता पहुंचते ही यात्रियों में नाराजगी फैल गई और उन्होंने विरोध शुरू कर दिया. जानकारी के

अनुसार हैदराबाद से उड़ान भरने वाला इंडिगो का विमान दरभंगा के लिए रवाना हुआ था. लेकिन दरभंगा में मौसम खराब होने के कारण पायलट को विमान को कोलकाता एयरपोर्ट की ओर मोड़ना पड़ा.

रेलवे किराया वृद्धि लागू

नागपुर-पुणे और मुंबई मार्गों पर चलने वाली ट्रेनों का किराया बढ़ाया

राष्ट्रबाण

नागपुर. नव वर्ष नजदीक आते ही, रेल यात्रियों पर महंगाई का असर पड़ा है और भारतीय रेलवे ने शुक्रवार से किराया बढ़ा दिया है. इस किराया वृद्धि से नागपुर-पुणे मार्ग पर चलने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनें प्रभावित हुई हैं और सामान्य और वातानुकूलित दोनों ही तरह की ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा. नागपुर से पुणे जाने वाली महाराष्ट्र

एक्सप्रेस के एसी थ्री-टियर क्लास का किराया गुरुवार को 1224 रुपये था, जो आज से बढ़कर 1245 रुपये हो गया है. यानी इस क्लास में 19 रुपये की बढ़ोतरी हुई है.

नागपुर-पुणे मार्ग पर चलने वाली आज़ाद हिंद एक्सप्रेस के स्लीपर क्लास का किराया 485 रुपये से बढ़ाकर 505 रुपये कर दिया गया है, वहीं एसी थ्री-टियर का किराया 1270 रुपये से बढ़ाकर 1290 रुपये कर दिया गया है. आधुनिक और तेज गति वाली मानी जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के किराए में भी वृद्धि की गई है. इस ट्रेन के चेयर कार का किराया 1596 रुपये से बढ़ाकर 1616 रुपये कर दिया गया है, जबकि एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया 3183 रुपये से बढ़ाकर 3203 रुपये कर दिया गया है.रेलवे प्रशासन के अनुसार, लंबी दूरी की ट्रेनों के संशोधित किराए कल से प्रभावी होंगे. 225 किलोमीटर तक की द्वितीय श्रेणी (सामान्य) यात्रा के किराए में कोई वृद्धि नहीं की गई है. हालांकि, 225 किलोमीटर के बाद 5 रुपये से 20 रुपये तक का अतिरिक्त किराया लिया जाएगा. मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की द्वितीय श्रेणी और वातानुकूलित श्रेणी के किराए में दो पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि की गई है.

चेतावनी बांग्लादेश पल्ला नहीं झाड़ सकता, दोषियों को कठघरे में लाएं

हिंदुओं की हत्या और अत्याचार पर भारत का सख्त संदेश

राष्ट्रबाण

ढाका. बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या और उन पर हो रहे अत्याचारों पर भारत ने बेहद सख्त रुख अपनाया है. भारतीय विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि बांग्लादेश की सरकार कार्रवाई से पल्ला नहीं झाड़ सकती. हिंदू युवकों की हत्या और कई हिंदू परिवारों के घरों को जलाए जाने के मामले में उसे कदम उठाना होगा. एमईए के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोषियों को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार न्याय के कठघरे में लाए.

इसी सिलसिले में BNP के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व पीएम खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान 17 साल ढाका पहुंचे. बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बनने के प्रमुख दावेदार रहमान ने एयरपोर्ट पर पहुंचने के तुरंत बाद नंगे पैर बांग्लादेशी धरती पर खड़े होकर देश की राजनीति में अपनी वापसी को प्रतीकात्मक रूप से चिन्हित किया. तारिक रहमान की वापसी और बांग्लादेश में होने वाले चुनाव पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, भारत बांग्लादेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव हो. भारत बांग्लादेश के नागरिकों से अच्छे संबंध स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है. हम वहां शांति और स्थिरता की उम्मीद करते हैं. हर पक्ष के लोग वहां भाग लें और वहां लोगों की आवाज और बुलंद हो.बांग्लादेश में उस्मान हादी की हत्या के बाद कट्टरपंथी अल्पसंख्यक हिंदुओं पर जुल्म ढाने लगे. भीड़ ने पहले हिंदु युवक दीपू दास की हत्या कर शव को पेड़ से टांगकर जला दिया. इसके बाद राजबाड़ी में अमृत मंडल उर्फ सम्राट नाम के युवक को भी भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला. इसे लेकर भारत के साथ-साथ दूसरे देशों में भी यूनुस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं.

यूनुस सरकार में अल्पसंख्यकों के साथ हुईं 2900 घटनाएं

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस सरकार में अब तक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा, आगजनी और अन्य प्रताड़नों से जुड़ी 2900 घटनाएं हुई हैं. भारत के खिलाफ बांग्लादेश में जिन गलत धारणाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है, हमने उनको बार-बार खारिज किया है.

H1B वीजा इंटरव्यू रद्द होने पर चिंता जताई

इस दौरान भारत ने शुक्रवार को कहा कि उसने बड़ी संख्या में भारतीय आवेदकों के पहले से निर्धारित H1B वीजा इंटरव्यू रद्द होने को लेकर अमेरिका के सामने अपनी चिंताएं उठाई हैं और दोनों पक्ष इस मुद्दे पर जुड़े हुए हैं. इस महीने के मध्य से भारत में निर्धारित हजारों H-1B वीजा आवेदकों के इंटरव्यू को उनके सोशल मीडिया पोस्ट और ऑनलाइन प्रोफाइल की जांच के लिए अचानक कई महीनों तक स्थगित कर दिया गया है. कुछ आवेदकों, जिनके वीजा अपॉइंटमेंट पिछले सप्ताह निर्धारित थे, को अमेरिकी इमिग्रेशन अधिकारियों से ई-मेल मिले जिसमें सूचित किया गया कि उनके इंटरव्यू को अगले साल मई तक के लिए टाल दिया गया है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत सरकार को कई भारतीय नागरिकों से शिकायतें मिली हैं जो अपने वीजा अपॉइंटमेंट के पुनर्निर्धारण में समस्याओं का सामना कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि वीजा संबंधी मुद्दे किसी भी देश के संप्रभु क्षेत्र से जुड़े होते हैं, लेकिन ग्हमने इन मुद्दों और अपनी चिंताओं को अमेरिकी पक्ष के सामने नई दिल्ली और वाशिंगटन डीसी दोनों जगह उठाया है.

महाराष्ट्र के अग्रणी
दैनिक राष्ट्रबाण

भंडारा, गोंदिया, चंद्रपुर, गडचिरोली, अमरावती, यवतमाल, वर्धा और नागपुर के ग्रामीण व शहरी इलाकों के साथ-साथ तहसील में भी एजेंट, कॉरेस्पोंडेंट नियुक्त किए जा रहे हैं. इसके लिए, प्रत्यक्ष संपर्क करें

नागपुर और ग्रामीण	(तहसील)
भिवापुर	(शहर और तहसील)
हिंगना	(शहर और तहसील)
कलमेश्वर	(शहर और तहसील)
पारशिवनी	(शहर और तहसील)
कामठी	(शहर और तहसील)
रामटेक	(शहर और तहसील)
काटोल	(शहर और तहसील)
सावनेर	(शहर और तहसील)
कुही	(शहर और तहसील)
नरखेड	(शहर और तहसील)
उमरेड	(शहर और तहसील)

दूसरी मंजिल, पाध्ये हाउस, एमजी हाउस के सामने, सिविल लाइंस, नागपुर
मो. 9561442605 , 9881555116

संपादकीय

रेल प्रशासन की 'शेख-चिल्ली' शुरुआत

मुंबई की लोकल ट्रेनें अब 'सुधार' के नाम पर शेखचिल्ली की कल्पनाओं जैसी नीतियों का शिकार बनती जा रही हैं, जो अब यात्रियों की जान पर भारी पड़ सकते हैं. भीड़ कम करने के लिए ट्रेन फ्रीक्वेंसी बढ़ाने जैसे बुनियादी कदम उठाने के बजाय रेल प्रशासन डिब्बों में फुटबोर्ड हटाने वाला खतरनाक प्रयोग कर रहा है. प्रशासन का यह फैसला उन यात्रियों से भी आखिरी सहारा छीन रहा है, जो मजबूरी में दरवाजों पर लटककर सफर करते हैं. नतीजतन, सुरक्षा इंतजाम मजबूत होने के बजाय और कमजोर हो गए हैं. इससे यात्री सुरक्षा पूरी तरह भगवान भरोसे हो गई है. आलम यह है कि रोजगार और समय की मजबूरी में सफर करने वाला मुंबईकर अब सुरक्षित यात्रा नहीं, बल्कि मजबूरी को सजा में बदले जाने का खामियाजा भुगत रहा है. मुंबई की लोकल ट्रेनें सुधार के नाम पर जोखिम की प्रयोगशाला बनती जा रही हैं. यात्रियों की भीड़ कम करने के लिए लोकल की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने जैसे बुनियादी समाधान को नजरअंदाज कर फ्रीक्वेंसी 'नदारद' रखी गई, जबकि डिब्बों में फुटबोर्ड हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

जानकारी के मुताबिक, मध्य रेल की पटरियों पर 1,800 और पश्चिम रेलवे में 1,400 समेत 3,200 से ज्यादा उपनगरीय ट्रेनों की फेरियां होती हैं. इसी के साथ ही इन ट्रेनों में 1.11 लाख से ज्यादा यात्री सफर करते हैं. ऐसे में लोकल की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने की मांग यात्रियों की ओर से किया जा रहा है, ताकि लोकल में भीड़ कम हो सके.

9 जून को मुंब्रा स्टेशन के पास हुए हादसे में पांच यात्रियों की मौत हुई और कई घायल हुए. जांच रिपोर्ट में साफ कहा गया कि दरवाजे हमेशा खुले और यात्री फुटबोर्ड के सहारे लटककर सफर करते हैं. यही हादसों की मुख्य वजह है. सवाल यह है कि यह सच्चाई नई नहीं थी, फिर हादसे से पहले कार्रवाई क्यों नहीं? मुंब्रा-दिवा के बीच हुई भीषण रेल दुर्घटना के बाद अब यात्री सुरक्षा के नाम पर कागजी सिफारिशों को जमीन पर उतारने की कवायद शुरू हो गई है. मध्य रेलवे ने जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर लोकल ट्रेनों के डिब्बों की संरचना में बदलाव शुरू कर दिया है. सबसे पहले निशाने पर दरवाजों के ऊपर बने फुटबोर्ड हैं, जिन्हें पकड़कर यात्री दरवाजे पर लटकते हैं. फिलहाल, 2-3 डिब्बों में प्रायोगिक बदलाव किए गए हैं. समिति की सिफारिशों के तहत अब डिब्बों के प्रवेश द्वारों पर संरचनात्मक बदलाव किए जा रहे हैं. कुर्ला कारशेड में दरवाजों के पास बने फुटबोर्ड को धनुषाकार ऊंचा किया गया है, ताकि यात्री उसे पकड़कर लटक न सकें. साथ ही स्वचालित दरवाजे बंद करने के प्रयोग भी चल रहे हैं, लेकिन भीड़ कम करने के लिए लोकल की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने पर ठोस एलान अब भी अधूरा है. यात्री सवाल पूछ रहे हैं कि जब ट्रेनें कम और भीड़ बेकाबू है तो लटकना रुकेगा कैसे? संरचना बदलने से पहले फेरियां क्यों नहीं बढ़ीं? मुंबईकर के लिए यह सुरक्षा सुधार कम और हादसों के बाद की लीपापोती ज्यादा दिख रही है. जब तक फ्रीक्वेंसी नहीं बढ़ेगी, तब तक हर बदलाव अधूरा और हर सफर जोखिम भरा रहेगा. दस सालों में हुईं 26,000 मौतें प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 10 वर्षों में मुंबई, सेंट्रल, हार्बर और ट्रांस हार्बर लाइनों पर पटरी पार करते हुए और ट्रेनों से गिरकर करीब 26,000 मौतें हुई हैं. इसमें 11 हजार से ज्यादा ट्रेनों से गिरकर मृत्यु हुई है. वर्ष 2024 में 2,282 मौतें हुई हैं, जिसमें सर्वाधिक 1,408 मौतें मुंबई में, जबकि ठाणे में 615, नई मुंबई में 131 और रायगढ़ में 128 मौतें हुई हैं.

हिंदुत्व बनाम मानवता: किस दिशा में जा रहा है भारत?

भारतीय जनता पार्टी का हिंदुत्व और देशभक्ति एक ढोंग है. मुख्यमंत्री फडणवीस कहते हैं, 'हम हिंदुत्ववादी थे. आज भी हैं, कल भी रहेंगे. हम सिर्फ वोट के लिए भगवा शॉल ओढ़नेवाले नहीं हैं.' फडणवीस का यह बयान दो जबान की पराकाष्ठा है. हिंदुओं के जीवन का ऐतिहासिक स्वर्णिम क्षण अयोध्या के बाबरी का पतन है. जब शिवसैनिकों समेत कई हिंदुत्ववादियों ने ये पतन किया, तब भाजपा घबराकर पसीना-पसीना हो गई.

'अरे बाप रे, ये क्या हो गया? अब क्या होगा है?' तब भाजपा उपाध्यक्ष सुंदर सिंह भंडारी ने जल्दबाजी में बयान दिया कि, 'बाबरी मस्जिद ढहाने से हमारा कोई लेना-देना नहीं है. यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है. भाजपा का इस कृत्य से कोई संबंध नहीं है. यह काम शायद शिवसेना ने किया है.' यानी उस समय भाजपा की बोलती बंद हो गई थी यदि शिवसेना साथ ना होती तो उनकी जबान हमेशा के लिए चिपक गई होती. जिसका कोई इलाज भी नहीं होता. बाबरी के बाद हुए दंगों के दौरान मुंबई-महाराष्ट्र में हिंदुओं की रक्षा सिर्फ शिवसेना ने ही की थी. इस संघर्ष में अनगिनत शिवसैनिकों ने अपना बलिदान दिया, लेकिन हिंदुत्व की इस महान लड़ाई में भाजपा को एक खरोंच तक नहीं आई. ये वही लोग हैं जो अपनी चमड़ी बचाकर हिंदुत्व और राष्ट्रभक्ति के नाम पर हंगामा करते हैं. फडणवीस कहते हैं, 'हम संकीर्ण सोच वाले नहीं हैं.

हमारा हिंदुत्व केवल पूजा-पाठ पर आधारित नहीं है, बल्कि भारतीय जीवन शैली पर आधारित है.' फडणवीस जो कह रहे हैं, वही बात हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे और श्री उद्धव ठाकरे पहले भी कहते आ चुके हैं. प्रबोधनकार ठाकरे से लेकर उद्धव ठाकरे तक सभी ने बार-बार कहा है कि हमने चोटी, जनेऊ और घंटियां बजाने वाले हिंदुत्व को स्वीकार नहीं किया है.

हिंदुत्व जीवन जीने की एक शैली और संस्कृति है, यह संस्कृति सबको समाहित करती है. हिंदुत्व की कड़वाहट इस बात पर निर्भर नहीं करती कि कौन क्या खाए, कौन क्या पहने, लेकिन क्या यह सच नहीं है कि नव-हिंदुत्ववादियों ने खाने-पीने को लेकर दूसरे धर्मों के लोगों की हत्याएं की हैं और देश में तनाव पैदा किया है? उनका हिंदुत्व भारत में मुसलमानों और ईसाइयों के खिलाफ नफरत फैलाना और इसके जरिए हिंदुओं के मन में डर और असुरक्षा पैदा करना है. हिंदुओं के पास नौकरियां नहीं हैं, उनके पास पर्याप्त भोजन नहीं है. आज भी 80 करोड़ हिंदुओं को मोदी सरकार द्वारा फेंके गए 10 किलो मुफ्त राशन पर गुजारा करना पड़ता है. हिंदुत्ववादियों के राज्य में लड़कियों का बलात्कार होता है और आसाराम, राम रहीम व कुलदीप सेंगर जैसे बलात्कारियों को रिहा कर दिया जाता है, जबकि कट्टर देशभक्त सोनम वांगचुक जेल भेज दिए जाते हैं. ऐसे हिंदुत्व का क्या फायदा? पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 हिंदुओं की गोली मारकर हत्या कर दी. भाजपा के धुरंधर ट्रंप की धमकी सुनते ही युद्ध के मैदान से भाग गए. ऐसे भगोड़ों का हिंदुत्व देश को स्वीकार्य नहीं है. फडणवीस अपने इस हिंदुत्व की पोथी पुराण को अपने घर पर ही रखें. कल तक वीर सावरकर का मजाक उड़ानेवाले और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भौंकनेवाले, आज जब भाजपा में शामिल होकर हिंदुत्व के प्रचारक बन रहे हैं तो बेशक हिंदुत्व की छवि भी धूमिल हो गई होगी. आज जब मोदी-फडणवीस के राज में मोदी और उनके अंधभक्त 'हिंदू खतरे में है' का स्यापा कर रहे हैं तो आप जैसे हिंदुत्व-वादियों को सत्ता की गद्दी क्यों चाहिए? खुद को हिंदू के रूप में पेश करते हैं, हिंदुत्व का शोर मचाते हैं,

हिंदू धर्मांधों के लिए सत्ता को चलाते और चुनाव आने पर इस बात पर स्यापा करते हैं कि वही हिंदुत्व किस तरह खतरे में है. जब से मोदी और उनके नकली हिंदुत्ववादियों की भारत में सत्ता आई है तब से हिंदू न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में संकट में हैं. पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा भड़क उठी है. हिंदू घरों, मंदिरों और संपत्ति को जलाया जा रहा है. हिंदुओं को जलाया जा रहा है.

इंसाफ केवल होना नहीं, दिखना भी चाहिए सेंगर की सजा निलंबन पर उठे सवाल

एक ओर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम नहीं लग पाना आज भी एक बड़ी चुनौती है, वहीं कानूनी नुक्तों का फायदा उठा कर बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के दोषी को भी कई बार रियायत दे दी जाती है. संभव है कि कानून की किसी व्याख्या के मुताबिक, अदालत में बलात्कार के दोषी सिद्ध हुए व्यक्ति को जमानत का पात्र समझा जाए, लेकिन इससे पीड़ित महिला के लिए न्याय सुनिश्चित किए जाने की प्रक्रिया गंभीर रूप से बाधित होती है.गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार के मामले में वर्ष 2019 में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को उम्रकैद की सजा हुई थी. अदालत ने भारतीय दंड संहिता के तहत बलात्कार के मामले और बच्चे-बच्चियों के यौन शोषण से सुरक्षा के कानून 'पाक्सो' में गंभीर यौन हिंसा के प्रावधानों के मुताबिक सजा दी थी. तब यह घटना देश भर में व्यापक चिंता और आक्रोश का कारण बनी थी.

मगर अब दिल्ली हाई कोर्ट ने सेंगर की सजा को निलंबित करने का आदेश दे दिया. इस संदर्भ में एक अहम तथ्य यह है कि दोषी सिद्ध होने के बाद निचली अदालत ने साफ कहा था कि सेंगर को जीवन भर जेल में रहना होगा.जाहिर है, अपराध की गंभीरता और प्रकृति के मद्देनजर निचली अदालत में सेंगर को मिली सजा को कानून के मुताबिक माना जा रहा था, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय ने जिस आधार पर उस सजा को निलंबित करने का आदेश दिया, वह स्वाभाविक ही विवादों के घेरे में आ गया. अब सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है. दरअसल, इस घटना के बाद पीड़िता को जिन हालात का सामना करना पड़ा और उसके जीवन तक पर जिस तरह के जोखिम खड़े हुए थे, वे बेहद अप्रत्याशित थे, मगर उससे साफ था कि जघन्य अपराधों के बाद एक ऊंचे राजनीतिक रसूख वाला आरोपी पीड़िता को खामोश करने के लिए किस हद तक जा सकता है.इस दौरान पीड़िता के पिता की जान चली गई; एक ट्रक ने उस कार को टक्कर मार दी, जिसमें वह परिवार के अन्य लोगों के साथ जा रही थी. उस घटना में पीड़िता और उसका वकील बुरी तरह घायल हो गए, जबकि उसकी दो मौसियों की मौत हो गई.

50 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर

देशभर में लाखों बच्चे अगर परीक्षाओं में विफल हो रहे हैं, तो इसकी वजह क्या है? क्या इसे गंभीर चुनौती मान लेने भर से इस समस्या का निवारण हो जाएगा? क्या यह जानने का प्रयास नहीं होना चाहिए कि शिक्षा में गुणवत्ता आखिर कहां कम रह गई और इसकी वजह क्या थी? विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा नहीं मिल पा रही है, तो जाहिर है कि पूरी व्यवस्था को अब दुरुस्त करने की जरूरत है. केवल चिंता जता देने और सतही कदम उठा लेने भर से काम नहीं चलेगा. फिलहाल तथ्य यही है कि देश में दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में हर वर्ष करीब पचास लाख विद्यार्थी विफल हो रहे हैं. इनमें अधिकतर विद्यार्थी पढ़ाई छोड़ देते हैं. खासतौर से लड़कियां विद्यालय नहीं लौटतीं. आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लड़के परिवार का बोझ उठाने के लिए काम करने लग जाते हैं. यह शिक्षा व्यवस्था की नाकामी तो है ही, वहीं शिक्षित भारत बनाने के लक्ष्य पर भी आघात है. इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की विफलता बताती है कि विद्यालयी शिक्षा को हम गंभीरता से नहीं ले रहे. अब केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इसे गंभीर चुनौती मानते हुए ऐसे विद्यार्थियों को दोबारा मुख्यधारा से जोड़ने की पहल की है. इसके तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह विद्यार्थियों तक पहुंचे और उन्हें पढ़ाई बीच में न छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करे.

मगर सच यह है कि पिछले कई वर्षों से शिक्षा के दूरगामी लक्ष्यों पर ध्यान नहीं दिया गया है. सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों का अभाव किसी से छिपा नहीं है. कई राज्यों में तो कहीं-कहीं एक या दो शिक्षकों के भरोसे विद्यालय चलने की खबरें आई हैं. आए दिन शिक्षकों को शिक्षण कार्य से अलग दूसरे कार्यों में लगा दिया जाता है.मध्याह्न भोजन योजना से लेकर जनगणना, आधार सत्यापन और चुनावी कार्य में उन्हें उलझाए रखना कोई नई बात नहीं. ऐसे में बच्चों को शिक्षा देने का मूल कार्य प्रायः हाशिये पर चला जाता है. उनका पाठ्यक्रम तक पूरा नहीं होता और वे पढ़ाई में निरंतर पिछड़ते चले जाते हैं. देश में ऐसा परिदृश्य बन रहा है, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है? सरकार इस स्थिति से अनजान नहीं है. उसे इस दिशा में सतही उपाय करने के बजाय ठोस कदम उठाने होंगे.

राशिफल

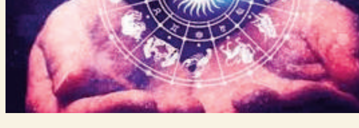

■ **मेष**: 27 दिसंबर के दिन आपका मूड थोड़ा अच्छा रहने वाला है. अंदर से आप काफी एनर्जेटिक महसूस करने वाले हैं. जो काम काफी समय से मन में था, उस पर आज कदम बढ़ा सकते हैं. लोगों से बातचीत आसान रहेगी और रिश्तों में भी खुलापन आएगा.

■ **वृषभ**: 27 दिसंबर का दिन अपनों के साथ बैठने, बात करने और रिश्तों को मजबूत करने का है. घर-परिवार या दोस्तों के साथ समय बिताने से मन हल्का रहेगा. अगर किसी से मनमुटाव चल रहा था तो आज उनसे बात बन सकती है.

■ **मिथुन**: 27 दिसंबर को मिथुन राशि के जातकों का मन थोड़ा डगमगाया हुआ रह सकता है. कभी आप ज्यादा सोचेंगे, कभी खुद पर शक करने लगेंगे. हालांकि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है. अगर आप अपनों के साथ खुलकर बात करेंगे तो आधी परेशानी वहीं खत्म हो जाएगी.

■ **कर्क**: 27 दिसंबर का दिन कर्क राशि वालों के लिए थोड़ा भारी रह सकता है. आज मन और शरीर दोनों थोड़ा साथ नहीं दे सकते. छोटी-छोटी बातों पर मन भारी हो सकता है. किसी अपने से बात करना फायदेमंद रहेगा. सब कुछ खुद ही संभालने की कोशिश ना करें.

■ **सिंह**: सिंह राशि के जातक 27 दिसंबर के दिन अच्छा, कॉन्फिडेंट और हल्का महसूस करेंगे. लोग आज आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे और आपकी मौजूदगी नोटिस होगी. रिश्तों में गर्मजोशी बनी रहेगी. दिल की बात कहने के लिए आज का दिन सही है.

■ **कन्या**: 27 दिसंबर का दिन कन्या राशि के जातकों के लिए पॉजिटिव रहेगा. आपकी मेहनत का असर अब धीरे-धीरे दिखेगा. परिवार या पुराने दोस्तों से बात करके मन खुश होगा. कोई पुरानी बात फिर से जुड़ सकती है. अब आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और आप नए मौकों के लिए तैयार रहेंगे.

■ **तुला**: आज आप काफी संतुलित महसूस करेंगे. बातचीत में समझदारी रहेगी और लोग आपकी बातों को महत्व देंगे. किसी खास इंसान के साथ दिल की बात शेयर हो सकती है. आज दूसरों की मदद भी करेंगे और खुद को लेकर भी अच्छा महसूस करेंगे.

■ **वृश्चिक**: 27 दिसंबर को वृश्चिक राशि वालों का मन थोड़ा भारी रह सकता है और आसपास का माहौल भी ठीक नहीं लगेगा. आपको अब समझना होगा कि ये वक्त खुद के साथ बिताने का है. यही वो समय है जब आप खुद को करीब से समझ पाएंगे. भावनाओं से भागने के बजाय उन्हें स्वीकार करें.

■ **धनु**: 27 दिसंबर के दिन धनु राशि वालों का मन थोड़ा उलझा रह सकता है. कुछ बातें अंदर ही अंदर परेशान कर सकती हैं. हर किसी से तुरंत उम्मीद न रखें. बातों में नरमी रखें और खुद को समय दें. आज का दिन आपको धैर्य सिखाने वाला है. जल्द प्रतिक्रिया देने से बचें.

■ **मकर**: 27 दिसंबर के दिन मकर राशि वालों का दिल थोड़ा खुला रहेगा. अपनों से बात करने का मन करेगा और रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी. पुरानी गलतफहमियां दूर हो सकती हैं. आप चीजों को ज्यादा साफ तरीके से देख पाएंगे. अंदर से ताकत और भरोसा महसूस होगा, जिससे सारे काम आसानी से होते दिखेंगे.

■ **कुंभ**: 27 दिसंबर के दिन आपको लग सकता है कि चीजें आपके कंट्रोल से बाहर जा रही हैं. मन थोड़ा बेचैन रह सकता है. किसी से उलझने के बजाय खुद को समझने की कोशिश करें. आज का दिन खुद को समझने का है. धीरे-धीरे हालात आपके पक्ष में आएंगे.

■ **मीन**: 27 दिसंबर के दिन आपको थकान और भावनात्मक उलझन महसूस हो सकती है. छोटी बात भी बड़ी लग सकती है. ऐसे में खुद को थोड़ा स्पेस दें. हर बात पर रिएक्ट न करें. यह समय खुद के बारे में सोचने और मन को शांत करने का है.

सीटीईटी में फटा बेरोजगारी बम

सीटीईटी परीक्षा ने एक बार फिर बेरोजगार भारत की सच्ची तस्वीर सामने रख दी है. शिक्षक बनने की सीमित नौकरियों के लिए देशभर में ऐसी अफरा-तफरी मची कि आवेदन की तय अवधि में 25,30,581 युवाओं ने फॉर्म भर डाला. हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आखिरी दिन अकेले 4.14 लाख अभ्यर्थी सिस्टम पर टूट पड़े, जिससे तकनीकी दबाव बढ़ा और 1.61 लाख आवेदन अधूरे रह गए. यह सिर्फ एक परीक्षा की कहानी नहीं, बल्कि देश में गहराते रोजगार संकट और युवाओं की मजबूरी का कड़वा आईना है.

बता दें कि देश में बेरोजगारी किस कदर भयावह रूप ले चुकी है, इसका सबसे बड़ा सबूत सीटीईटी परीक्षा का 31वां संस्करण बनकर सामने आया है. शिक्षक बनने की उम्मीद में देशभर से 25,30,581 युवाओं ने आवेदन किया. हालात ऐसे रहे कि आखिरी दिन सिस्टम पर 4,14,981 अभ्यर्थी एक साथ टूट पड़े, जिससे पोर्टल पर दबाव बढ़ा और 1,61,127 पंजीकरण अधूरे रह गए. सीटीईटी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 27 नवंबर 2025 से शुरू होकर 18 दिसंबर 2025 रात 11.59 बजे तक चली. इस दौरान दूसरी अंतिम तिथि पर ही 3,53,218 आवेदन जमा हो गए थे. आखिरी दिन की भगदड़ ने साफ कर दिया कि नौकरी के नाम पर युवाओं के पास सीमित विकल्प हैं इसलिए हर परीक्षा पर उम्मीदों का सैलाब उमड़ पड़ता है.

पोर्टल फेल, युवा परेशान

आवेदन की अंतिम तिथि के बाद बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आईं कि तकनीकी कारणों से कई अभ्यर्थी फॉर्म सबमिट नहीं कर सके. समीक्षा में खुलासा हुआ कि 1.61 लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन अधूरे रह गए, जो सिस्टम पर बढ़े दबाव का सीधा नतीजा हैं.

बोर्ड का 'सहानुभूतिपूर्ण' फैसला: करीब एक साल के अंतराल के बाद सीटीईटी आयोजित हो रही है. हालात को देखते हुए बोर्ड ने अधूरे पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को एक बार फिर मौका देने का फैसला किया है. 27 दिसंबर 2025 सुबह 11 बजे से 30 दिसंबर 2025 रात 11.59 बजे तक पोर्टल दोबारा खुलेगा. हालांकि, केवल वही अभ्यर्थी आवेदन पूरा कर सकेंगे, जिन्होंने पहले रजिस्ट्रेशन किया था. इस दौरान कोई नया पंजीकरण नहीं होगा और यह अंतिम अवसर होगा. सीटीईटी के ये आंकड़े सिर्फ परीक्षा की भीड़ नहीं, बल्कि उस हताशा और मजबूरी की तस्वीर हैं, जिसमें रोजगार के लिए करोड़ों युवा एक-एक मौके पर टूट पड़ते हैं.

हेराफेरी के खिलाफ सोसायटी ने उठाई ओरियन बिल्डर्स के खिलाफ आवाज

मीरा रोड (पूर्व) ग्रीन पार्क महल को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के पुनर्विकास प्रोजेक्ट से जुड़ा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है. सोसायटी ने डेवलपर ओरियन बिल्डर्स पर ड्राफ्ट एग्रीमेंट में कथित जालसाजी और बिना मंजूरी भ्रामक शर्तें जोड़ने का गंभीर आरोप लगाया है. इस संबंध में सोसायटी के पदाधिकारियों ने ओरियन कंस्ट्रक्शन के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है. पदाधिकारियों के अनुसार, रिडेवलपमेंट के ड्राफ्ट एग्रीमेंट और रजिस्ट्रेशन के समय प्रस्तुत डेवलपमेंट एग्रीमेंट में सोसायटी की जानकारी और सहमति के बिना कुछ अतिरिक्त व विवादित क्लॉज शामिल किए गए थे. यह मामला 11 दिसंबर, 2025 को उस समय सामने आया, जब सोसायटी के मैनेजिंग कमिटी सदस्य, आम सदस्य और डेवलपर के प्रतिनिधि भायंदर स्थित सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में एग्रीमेंट के निष्पादन और पंजीकरण के लिए पहुंचे थे. अंतिम ड्राफ्ट की जांच के दौरान एग्रीमेंट के 'अदर्स' सेक्शन में नए क्लॉज पाए गए, जिन्हें न तो किसी जनरल बॉडी मीटिंग और न ही स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग में मंजूरी दी गई थी.

मुंबई-अमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर मनपा का ब्रेक!

मुंबई-अमदाबाद बुलेट ट्रेन के बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट पर एक बार फिर मनपा का ब्रेक लग गया है. बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के स्टेशन के निर्माण में वायु प्रदूषण के नियम तोड़ने पर महानगरपालिका ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत काम रोकने का नोटिस जारी किया है, जिससे एक बार फिर मुंबई-अमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के कार्य पर ब्रेक लग गया है. शहर में लगातार बढ़ रहे वायु प्रदूषण से जहां लोग परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर मुंबई-अमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना ने मुंबई के वातारवण को और भी दूषित कर दिया है. इस वजह से मुंबईकरों में अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंता और प्रशासन के प्रति नाराजगी देखी गई. हालांकि, मनपा द्वारा निर्माण कार्य के दौरान नियमों का उल्लंघन करनेवालों पर जुर्माना लगाए जाने के बावजूद शहर में धड़ल्ले से कंस्ट्रक्शन का कार्य चल रहा है. खैर, मुंबई-अमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के कार्य को तेजी से पूरा करने की कोशिश की जा रही है. वहीं दूसरी ओर बांद्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स में चल रहे निर्माण कार्य में नियमों का उल्लंघन करने के कारण मनपा ने बुलेट ट्रेन के निर्माण कार्य पर नोटिस जारी कर रोक लगा दी है.

ठाणे में शिवसैनिकों और मनसे कार्यकर्ताओं की भव्य रैली!

शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के बीच युति की घोषणा के बाद ठाणे के शिवसैनिकों और मनसे कार्यकर्ताओं ने जो तरीके से जश्न मनाया. हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे और धर्मवीर आनंद दिघे के जय-जयकार के साथ कल शिवसेना-मनसे के कार्यकर्ताओं की जबरदस्त रैली ठाणे में निकली. इस रैली में दोनों पक्षों के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए. यह रैली टेंभी नाका पर पहुंचने के बाद वहां धर्मवीर आनंद दिघे की प्रतिमा को पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया गया. शिवसेना-मनसे उम्मीदवारों के प्रचार का शुभारंभ शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने दोनों पक्षों की युति की घोषणा की थी. इसके बाद शिवसैनिकों ने नौपाड़ा स्थित महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यालय में जाकर पटाखों की आतिशबाजी की. दोनों पक्षों के पदाधिकारियों ने पेड़े बांटकर एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाया. शिवसेना-मनसे उम्मीदवारों के प्रचार का शुभारंभ करने से पहले कल मनसे नेता व जिलाध्यक्ष अविनाश जाधव, शहराध्यक्ष रवींद्र मोरे, महिला शहराध्यक्ष समिक्षा मार्वâडे, विभाग अध्यक्ष निलेश चव्हाण के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता शिवसेना की चरई शाखा में आए. उनका शिवसेना नेता राजन विचारे, ठाणे लोकसभा संपर्कप्रमुख मधुकर देशमुख, जिलाप्रमुख केदार दिघे, शहरप्रमुख अनिश गाढवे, महिला जिलासंगठक रेखा खोपकर के साथ शिवसैनिकों ने स्वागत किया. दोनों पक्ष के नेताओं ने चरई शाखा में शिवराय की प्रतिमा को पुष्पहार अर्पित करने के बाद भव्य रैली निकाली. 'हिंदूहृदय-सम्राट शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे की जय हो', 'धर्मवीर आनंद दिघे की जय हो', 'शिवसेना-मनसे युति की जय हो' जैसे गगनभेदी नारों से टेंभी नाका गूंज उठा. धर्मवीर आनंद दिघे की प्रतिमा को पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन करने के बाद ये सभी कार्यकर्ता कोर्ट नाका स्थित भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के पास पहुंचे. वहां उन्होंने संविधान निर्माता को पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया. आगामी मनपा चुनाव में शिवसेना और मनसे के कार्यकर्ता एक दिल से और एकजुटता से काम करेंगे.

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रणव सातोकर द्वारा यह मुद्रित कर दूसरी मंजिल, पाध्ये हाउस, एमजी हाउस के सामने, सिविल लाइंस, 440001 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *श्रुती शिंदे , कार्यकारी संपादक - प्रणव सातोकर *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 9834876411, rashtrabaanngp@gmail.com

ऑपरेशन सिंदूर 2.0 की आशंका से खौफ में पाकिस्तान

LoC के पास तैनात किए काउंटर-ड्रोन सिस्टम

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. भारत की ऑपरेशन सिंदूर में हुई सटीक ड्रोन हमलों से घबराया पाकिस्तान अब नियंत्रण रेखा (LoC) के साथ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) के आगे के इलाकों में बड़े पैमाने पर काउंटर-ड्रोन सिस्टम तैनात कर रहा है. पाकिस्तान को 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' का डर सता रहा है, इसलिए उसने रावलाकोट, कोटली और भिंबर सेक्टरों के सामने नए एंटी-ड्रोन उपकरण लगाए हैं.

सेक्टर के हिसाब से तैनाती : रावलाकोट सेक्टरः यहां 2nd आजाद कश्मीर ब्रिगेड जिम्मेदार है, जो पूंछ सेक्टर के सामने भारतीय चौकियों को देखती है. कोटली सेक्टरः 3rd आजाद कश्मीर ब्रिगेड संभाल रही है, जिसका इलाका राजौरी, पूंछ, नौशेरा और सुंदरबनी के सामने है. भिंबर सेक्टरः 7th आजाद कश्मीर ब्रिगेड यहां तैनात है. पाकिस्तान ने लगाए ये हथियार पाकिस्तान ने इलेक्ट्रॉनिक और हथियारों वाले दोनों तरह के काउंटर-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं. स्पाइडर काउंटर-UAS सिस्टमः यह रेडियो फ्रीक्वेंसी से ड्रोन का पता लगाता है. 10 किलोमीटर तक छोटे-बड़े ड्रोन को डिटेक्ट कर सकता है. सफरा एंटी-UAV जैमिंग गनः यह कंधे पर रखकर चलाई जाने वाली बंदूक है, जो 1.5 किलोमीटर दूर तक ड्रोन का कंट्रोल, वीडियो और GPS सिग्नल जाम कर देती है. इसके अलावा पुराने हवाई रक्षा हथियार भी इस्तेमाल हो रहे हैं...

30 से ज्यादा एंटी-ड्रोन यूनिट तैनात

LoC के साथ पाकिस्तान ने 30 से अधिक विशेष एंटी-ड्रोन यूनिट तैनात की हैं. यह काम मुख्य रूप से 12वीं इन्फैंट्री डिवीजन (मुर्री मुख्यालय) और 23वीं इन्फैंट्री डिवीजन के सैनिक कर रहे हैं. कोटली-भिंबर इलाके में 23वीं डिवीजन की ब्रिगेड काम संभाल रही हैं. इसका मकसद LoC के पास हवाई निगरानी और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर को मजबूत करना है.

तुर्की और चीन से नई खरीदारी की कोशिश

पाकिस्तान तुर्की और चीन से नए ड्रोन और रक्षा सिस्टम खरीदने की बातचीत कर रहा है. लेकिन अभी भारत की आक्रामक सैन्य तैयारी से डरा हुआ है. भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना पश्चिमी सीमा पर लगातार युद्धाभ्यास कर रही हैं, जिससे पाकिस्तान में घबराहट बढ़ गई है. यह तैनाती साफ बताती है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान अब भारतीय ड्रोन हमलों से बेहद डरा हुआ है. LoC पर अपनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने में जुट गया है.

जेल जाने से पहले FB LIVE हुआ बांग्लादेशी मौलाना

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. बांग्लादेश के एक बड़े मौलाना ने अपनी गिरफ्तारी से पहले फेसबुक लाइव आकर ढाका की कथित क्रांति का क्रेडिट लेने वाले नेशनल सिटीजन पार्टी के नेताओं को बेनकाब कर दिया है और उनके टेरर लिंक का पर्दाफाश कर दिया है. इस मौलाना का नाम अताउर रहमान बिक्रमपुरी है. इस मौलाना ने आरोप लगाया है कि नेशनल सिटीजन पार्टी (NCP) के नेता आतंकी गतिविधियों में शामिल हैं. अताउर रहमान बिक्रमपुरी बांग्लादेश के जमात नेताओं के आतंकी कनेक्शन का भी खुलासा किया है. बिक्रमपुरी ने कहा है कि एनसीपी और जमात के नेता आतंकी गतिविधियों में शामिल रहे हैं और इनका हाथ बांग्लादेश में अस्थिरता फैलाने में भी है. बिक्रमपुरी ने NCP से जुड़े छात्र नेताओं पर देश में हाल की गड़बड़ियों की साज़िश रचने का आरोप लगाया, ये दावे पुलिस कार्रवाई से कुछ घंटे पहले सामने आए था.

18 देशों से फ्री ट्रेड डील

अब एक्सपोर्ट पर करना होगा फोकस, भारत को नई चेतावनी!

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. भारत ने एक के बाद एक दूसरे देशों से 18 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर हस्ताक्षर किया है, लेकिन एक्सपोर्ट में उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है. ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) का कहना है कि नए समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बजाय मौजूदा समझौतों से निर्यात में ठोस लाभ सुनिश्चित करने पर फोकस करना चाहिए. खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और टेक्सटाइल्स सेक्टर में, जहां से ज्यादा लाभ मिल सकता है.

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में भारत का कुल निर्यात 825 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था, लेकिन वित्त वर्ष 2026 के दौरान इसमें मामूली इजाफा हुआ है और यह करीब 850 अरब अमेरिकी डॉलर तक होने का अनुमान है. ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिकी टैरिफ के असर कारण इसमें ज्यादा इजाफा नहीं हुआ है. कमजोर इंटरनेशनल डिमांड और बढ़ते सेफ उपायों के कारण माल निर्यात में कोई खास बदलाव नहीं होने की उम्मीद है, जबकि सर्विस सेक्टर एक्सपोर्ट 400 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो सकता है.

टैरिफ सबसे बड़ा दबाव

संयुक्त राज्य अमेरिका एक महत्वपूर्ण दबाव के तौर पर उभरा है. डोनाल्ड ट्रम्प ने विश्व व्यापार संगठन के मानदंडों को दरकिनार करते हुए एकतरफा भारी टैरिफ लागू किया है. मई और नवंबर 2025 के बीच मौजूदा 50 प्रतिशत टैरिफ के कारण भारत का अमेरिका को निर्यात लगभग 21 प्रतिशत गिर गया.

भारत के लिए यूरोप से भी चुनौती

यूरोप एक अलग चुनौती पेश कर रहा है. यूरोपीय संघ 1 जनवरी, 2026 से अपना कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म लागू करेगा, जिसके तहत आयात पर कार्बन टैक्स लाया जाएगा. अभी ये टैक्स लागू होने से पहले ही यूरोपीय संघ को भारत के इस्पात निर्यात में लगभग 24 प्रतिशत की गिरावट आई है. हालांकि इन चुनौतियों के बावजूद, रिपोर्ट में लचीलेपन के संकेत मिले हैं. अमेरिका को निर्यात में गिरावट के बावजूद अन्य ग्लोबल मार्केट को शिपमेंट में करीब 5.5 फीसदी की तेजी है.

फास्ट ट्रैक

'बंद करो इसे'कहा तो मंत्री हड़बड़ाए

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. पाकिस्तान के एक नेता के साथ लाइव ब्रॉडकास्टिंग के दौरान ऐसी घटना हो गई जिस पर अब खूब राजनीति हो रही है. योजना मंत्री अहसान इकबाल गुरुवार रात स्थानीय टीवी के एक प्रोग्राम में शामिल हुए थे और इस दौरान उन्हें किसी ने बीच में ही रोक दिया जिससे उन्हें लाइव बीच में ही छोड़नी पड़ी. हालांकि, वो दोबारा प्रोग्राम में शामिल हुए. पाकिस्तानी मंत्री एआरवाई न्यूज के प्रोग्राम '11th Hour' में वीडियो लिंक के जरिए लाइव शामिल हुए थे. प्रोग्राम के दौरान जब वो सरकार और विपक्ष के बीच बातचीत के मुद्दे पर चर्चा कर रहे थे, तभी एक व्यक्ति, जो वीडियो में दिखाई नहीं दे रहा था, आक्रामक लहजे में 'शट दिस (बंद करो इसे)' चिल्लाया, जिससे बातचीत में रुकावट आई और मंत्री हड़बड़ा गए. इसके तुरंत बाद इकबाल का कनेक्शन कट गया. इस पर एंकर ने ऑन एयर चिंता जताते हुए कहा, 'उम्मीद है सब ठीक है. मुझे नहीं पता अभी क्या हुआ.' कुछ देर बाद मंत्री दोबारा प्रोग्राम में शामिल हुए और बताया कि 'सब कुछ ठीक है.' इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं. पाकिस्तानी यूजर्स कह रहे हैं कि पूरी दुनिया के सामने बेइज्जती हो गई. जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के एक समर्थन ने सोशल मीडिया एक्स लिखा, 'पूरी दुनिया के सामने इनकी लाइव बेइज्जती हो गई... अब यही इनकी किस्मत है.' पाकिस्तानी मंत्री ने दी सफाई लाइव बेइज्जती के बाद पाकिस्तानी मंत्री ने शुक्रवार को एक्स पर सफाई देते हुए लिखा, 'लाइव प्रसारण के दौरान पास में किसी व्यक्ति की बहस चल रही थी, जिसे यह जानकारी नहीं थी

कनाडा में भारत-विरोधी नफरत फैला रही यह महिला कौन है?

हर जगह तलाश रही टोरंटो पुलिस, जारी की फोटो

राष्ट्रबाण

टोरंटो. कनाडा के टोरंटो में भारत के खिलाफ नफरत फैलाने से जुड़े एक मामले में पुलिस एक महिला की तलाश कर रही है. टोरंटो पुलिस सर्विस ने संदिग्ध महिला की पहचान के लिए आम जनता से मदद की अपील की है.

पुलिस के अनुसार,यह मामला नफरत से प्रेरित तोड़फोड़ से जुड़ा हुआ है. गुरुवार, 3 जुलाई 2025 से लेकर रविवार, 21 दिसंबर 2025 के बीच अधिकारियों को टोरंटो ट्रांजिट कमीशन (TTC) के कई स्टेशनों से लगातार शिकायतें मिलीं. इन शिकायतों में स्टेशनों और सबवे ट्रेनों पर आपत्तिजनक ग्रैफिटी पाए जाने की जानकारी दी गई. जांच में सामने आया है कि संदिग्ध महिला ने अलग-अलग TTC स्टेशनों पर जाकर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और स्टेशनों के भीतर और सबवे कोचों पर भारत-विरोधी संदेश लिखे. 21 दिसंबर को महिला को आखिरी बार देखा गया था. उस समय उसने ईयरमफ्स, लंबा काला कोट, भूरे रंग के बूट और सफेद-भूरे रंग का स्कार्फ पहन रखा था. टोरंटो पुलिस ने संदिग्ध महिला की तस्वीर भी जारी की है.

कनाडा में हेट क्राइम और भारत-विरोधी घटनाएं

कनाडा में बीते कुछ वर्षों से हेट क्राइम के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, खासकर सार्वजनिक स्थानों और ट्रांजिट सिस्टम में. टोरंटो ट्रांजिट कमीशन (TTC) जैसे व्यस्त नेटवर्क अक्सर नस्लीय, धार्मिक और राष्ट्रीय पहचान को निशाना बनाने वाली ग्रैफिटी और तोड़फोड़ की घटनाओं से प्रभावित रहे हैं. हाल के महीनों में कनाडा में भारतीय समुदाय के खिलाफ नफरत भरे संदेश, धमकियों और प्रतीकों की कई घटनाएं सामने आई हैं.

चीन ने 2 देशों संग पड़ोसी मुल्क के 'जामताड़ा' पर बोला हमला

ढहा दी गईं 454 इमारतें, सैकड़ों को किया डिपोर्ट

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. चीन, म्यांमार और थाईलैंड की एजेंसियों ने साइबर फ्रॉड के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की है. म्यांमार के म्यावद्दी क्षेत्र में जुआ और ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ उठाए गए इस एक्शन में म्यामांर के केके पार्क में 494 इमारतें ध्वस्त कर दी गईं, जबकि याताई न्यू सिटी में फ्रॉड फैलाने वाले इलाके को पूरी तरह से साफ कर दिया गया.

म्यांमार के इस एरिया की तुलना आप भारत के झारखंड में मौजूद साइबर ठगी के लिए बदनाम 'जामताड़ा' से कर सकते हैं. जो कुछ समय पहले तक भारत में डिजिटल फ्रॉड का अड्डा था. हालांकि सख्त पुलिसिया कार्रवाई के बाद यहां अब हालात ठीक होने लगे हैं. म्यांमार में हुए इस ऑपरेशन के दौरान 952 चीनी संदिग्ध नागरिकों प्रत्यर्पित कर चीन वापस भेज दिया गया. यह जानकारी चीन के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय के आपराधिक जांच ब्यूरो के वीचैट अकाउंट पर गुरुवार को दी गई. इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए चीन के पब्लिक सिक्योरिटी विभाग ने एक टास्क फोर्स भेजा था. यह टास्क फोर्स म्यांमार और थाईलैंड की कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ म्यावद्दी में ऑपरेशन में शामिल हुआ. तीनों देशों ने समन्वय करके जुआ और धोखाधड़ी क्षेत्रों पर छापेमारी की और कार्रवाई की. चीन का कहना है कि यहां जुए का अड्डा था. टेलीकॉम धोखाधड़ी क्षेत्रों में अपराधी गिरोह लंबे समय से चीनी नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार बना रहे थे, इससे गंभीर नुकसान हो रहा था. इस साल के शुरुआत में चीन, म्यांमार और थाईलैंड ने टेलीकॉम और ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटने के लिए मंत्रिस्तरीय समन्वय तंत्र स्थापित किया था, जिसके तहत कई दौर की संयुक्त कार्रवाइयां की गईं.

इस दौरान ऑनलाइन फ्रॉड और जुएं के इस अड्डे को मटियामेट कर 454 इमारतों को गिरा दिया गया. कार्रवाई के बाद चीन के जिलिन और हेनान प्रांतों की पुलिस इकाइयों को गिरफ्तार संदिग्धों को चीन वापस लाने का निर्देश दिया गया. तीनों देशों के संयुक्त प्रयासों से इस साल म्यावद्दी में ऑनलाइन जुआ और टेलीकॉम धोखाधड़ी में शामिल 7,600 से अधिक चीनी नागरिकों को वापस लाया गया है. इस अभियान में केके पार्क की 494 इमारतें ध्वस्त की गईं और याताई न्यू सिटी में फ्रॉड क्षेत्र को पूरी तरह साफ कर दिया गया. चीन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि टेलीकॉम और ऑनलाइन धोखाधड़ी अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा चुनौती है.

ठाणे में 7 दिन के मासूम को 6 लाख में बेचने की कोशिश

5 आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रबाण

ठाणे. ठाणे में पुलिस ने मानव तस्करी के एक रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 7 दिन के नवजात शिशु को छह लाख रुपये में बेचने की कोशिश कर रहे पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. सूचना के आधार पर ठाणे पुलिस के मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ ने आरोपियों को पकड़ने के लिए योजना बनाई. एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने एक फर्जी खरीदार का इस्तेमाल किया ताकि यह पुष्टि की जा सके कि क्या कोई गिरोह वास्तव में नवजात को बेचने की कोशिश कर रहा है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंकर संभाजी मनोहर (36) के रूप में हुई है, जिसने नकद राशि ली थी. इसके अलावा अन्य आरोपियों की पहचान रेशमा शहाबुद्दीन शेख (35), जो बच्चे को लेकर आई थी, इगतपुरी निवासी एजेंट नितिन संभाजी मनोहर (33) और शेखर गणेश जाधव (35) तथा मुंबई के मानखुर्द निवासी एजेंट आसिफ चांद खान (27) के रूप में हुई है.

बच्चे के लिए दिया 20 हजार एडवांस

उन्होंने कहा कि गिरोह को बयाने के रूप में यूपीआई के जरिए 20,000 रुपये दिए गए थे जबकि शेष 5.8 लाख रुपये नकद देने थे. फर्जी ग्राहक द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और सौदे के लिए आए सभी पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया.

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में बड़ा खुलासा

अमोल गायकवाड़ का बिश्नोई गैंग के साथ कनेक्शन

राष्ट्रबाण

मुंबई. बाबा सिद्दीकी के हत्या के मामले में जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच ने आरोपी अमोल गायकवाड़ के खिलाफ करीब 200 पन्नों की सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है. इस चार्जशीट में लगभग 30 गवाहों के बयान शामिल हैं, जिनमें कई अहम और चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं.

अमोल गायकवाड़ ने गिरफ्तारी से पहले कई महीनों तक बदले ठिकाने क्राइम ब्रांच की जांच में पता चला है कि पुणे के वारजे इलाके का रहने वाला अमोल गायकवाड़ सीधे तौर पर फरार आरोपी और कथित मास्ट-रमाइंड शुभम लोणकर के संपर्क में था. गायकवाड़ इस मामले में गिरफ्तार होने वाला 27वां आरोपी है, जिसे अगस्त महीने में कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया था. क्राइम ब्रांच सूत्रों के मुताबिक, वह गिरफ्तारी से पहले कई महीनों तक नासिक, सोलापुर और कोल्हापुर में लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता रहा.

पुलिस सूत्रों के अनुसार, 1 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2024 के बीच अमोल गायकवाड़ की शुभम लोणकर के भाई प्रवीण लोणकर से लगातार बातचीत होती रही. जांच एजेंसियों का मानना है कि इसी अवधि में ही बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश को अंतिम रूप दिया गया था. हत्या के बाद कुछ समय के लिए दोनों में बातचीत बंद रही, लेकिन जैसे ही शुभम लोणकर फरार हुआ, दोनों के बीच फिर से संपर्क शुरू हो गया था. मुंबई क्राइम ब्रांच सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तारी से कुछ हफ्ते पहले तक भी अमोल गायकवाड़ एन्क्रिप्टेड ऐप्स के माध्यमों से शुभम लोणकर के संपर्क में बना हुआ था.

गायकवाड़ का कपड़ा कारोबारी **संजय वर्मा की हत्या से भी संबंधः** मामले में एक और बड़ा मोड़ तब सामने आया, जब जांच में यह खुलासा हुआ कि अमोल गायकवाड़ जुलाई 2025 में पंजाब के कपड़ा कारोबारी संजय वर्मा की हत्या में भी अहम भूमिका निभा चुका है.

गायकवाड़ के बिश्नोई गैंग के लोगों के साथ संबंध

चार्जशीट में यह भी दावा किया गया है कि अमोल गायकवाड़ के संबंध बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों के साथ भी थे. पूछताछ के दौरान गायकवाड़ ने स्वीकार किया कि वह शुभम लोणकर से "डब्बा कॉलिंग" और सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए संपर्क में था, ताकि पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस न कर सके.

अवैध शराब बेचने वाले के घर मिले 1 करोड़ 85 लाख

लाखों की शराब भी जब्त

राष्ट्रबाण

पुणे. पुणे में पुलिस अवैध शराब के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने पुणे के कोंढवा इलाके से अलग-अलग कंपनियों के रैपर वाली लाखों रुपये की शराब की बोतलें बरामद की हैं. इस मामले में तीन को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से एक करोड़ रुपये से अधिक की नकदी भी बरामद की गई है.

जानकारी के मुताबिक पुलिस को कोंढवा इलाके से अवैध शराब की तस्करी की सूचना मिली थी. मिली जानकारी के आधार पर पुणे पुलिस ने छापेमारी की. एपीआई अफरोज पठान की अगुवाई में कोंढवा पुलिस और डिटेक्शन ब्रांच की टीम ने छापेमारी कर दी. इस छापेमारी के दौरान टीम को भारी मात्रा में शराब की बोतलें मिलीं, जिनपर अलग-अलग कंपनियों के ब्रांड की रैपर लगी हुई थी. तलाशी के दौरान बेडरूम में रखी अलमारी और अन्य स्थानों से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई.

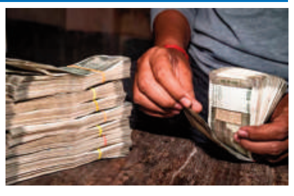

बरामद शराब का अनुमानित बाजार मूल्य करीब दो लाख 5 हजार 900 रुपये बताई जा रही है. पुणे पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को पकड़ा भी. पकड़े गए आरोपियों की पहचान अमर कौर उर्फ मुद्री कौर दादा सिंह जूना, दिलदार सिंह दादा सिंह जूना और देवश्री जूना सिंह बताई जा रही है. अवैध शराब बेचने के आरोप में हिरासत में लिए गए आरोपियों की तलाशी के दौरान उनके पास से नकदी भी बरामद हुई. पुलिस और डीबी की संयुक्त टीम ने नकदी मिलने के बाद अमर कौर के घर की तलाशी ली.

कबूतरों को दाना डालना पड़ा भारी

कोर्ट ने बिजनेसमैन पर लगाया 5 हजार का जुर्माना

राष्ट्रबाण

मुंबई. मुंबई में सार्वजनिक स्थानों पर कबूतरों को दाना डालने को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए एक अदालत ने बड़ा संदेश दिया है. शहर की अदालत ने कबूतरों को दाना डालने के मामले में एक व्यवसायी पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया है. अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कबूतरों को खाना खिलाना ऐसा कृत्य है, जिससे मानव जीवन के लिए खतरनाक बीमारियों के फैलने की आशंका रहती है. एजेंसी के अनुसार, यह आदेश ऐसे समय में आया है, जब कुछ महीने पहले ही बृहन्मुंबई महानग-रपालिका (बीएमसी) ने स्वास्थ्य और सार्वजनिक परेशानी का हवाला देते हुए शहर के अधिकांश इलाकों में कबूतरों को दाना डालने पर रोक लगा दी थी. बीएमसी का कहना है कि कबूतरों की बीट और उनसे फैलने वाले बैक्टीरिया व फंगस लोगों के लिए गंभीर बीमारियां पैदा कर सकते हैं, खासकर बुजुर्गों, बच्चों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए खतरा है. अदालत ने फैसले में कहा कि आरोपी का कृत्य मानव जीवन, स्वास्थ्य या सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाला है और सरकारी आदेश का उल्लंघन भी है. इसके अलावा, उन्हें धारा 271 के तहत भी दोषी ठहराया गया, जो ऐसे लापरवाह कृत्यों से संबंधित है, जिनसे जानलेवा बीमारियों के फैलने की संभावना रहती है.

दादर के रहने वाले 52 साल के नितिन शेठ को 1 अगस्त को माहिम इलाके में कबूतरों को दाना डालते हुए पकड़ा गया था. इसके बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया. इस मामले की सुनवाई बांद्रा स्थित अदालत में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वी. यू. मिसाल के समक्ष हुई .22 दिसंबर को हुई सुनवाई के दौरान नितिन शेठ ने अदालत के सामने नरमी बरतने की अपील की. अदालत ने उनकी याचिका स्वीकार करते हुए उन्हें जेल की सजा की बजाय 5,000 रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दिया.

राजनीति पुणे में ठाकरे ब्रदर्स के साथ कांग्रेस की दोस्ती के बड़े मायने

महाराष्ट्र में अब 2 नहीं 3 गठबंधन लेंगे आकार ?

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र में हो रहे बीएमसी सहित 29 नगर निगम चुनाव में गठबंधन के सारे समीकरण को उलट-पुलट कर रख दिया है. बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति और विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी दोनों में टूट पड़ गई है. इस तरह राज्य में एक नया तीसरा गठबंधन भी आकार लेता दिख रहा है.

बीजेपी ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ अपनी दोस्ती बनाए रखी तो अजित पवार की एनसीपी से किनारा कर लिया. ऐसे में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की पार्टी से हाथ मिला लिया है. मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के गठबंधन पर महायुति से अलग होने वाले कांग्रेस ने पुणे उसी ठाकरे ब्रदर्स के साथ हाथ मिला लिया है.मुंबई का नगर निगम, जिसे बीएमसी के नाम से जाना जाता है. इसी तरह के पुणे नगर निगम को पीएमसी के नाम से जाना जाता है. इन दोनों बड़े शहरों में तीन-तीन गठबंधन चुनावी मैदान में किस्मत आजमा रहे हैं. माना जा रहा है कि शरद पवार की पार्टी ने 40 से 45 सीटें मांगी हैं जबकि अजित पवार की एनसीपी 30 सीटें देने को तैयार है. पुणे में अगर पवार परिवार की दोस्ती होती है तो फिर दूसरे नगर निगम में साथ किस्मत आजमा सकते हैं. इस तरह पवार परिवार का दूसरा गठबंधन बन गया है.

ठाकरे ब्रदर्स के साथ आई कांग्रेसः पुणे में बीजेपी और शिंदे का तो अजित पवार का शरद पवार के साथ बनती सियासी केमिस्ट्री को देखते हुए कांग्रेस ने ठाकरे ब्रदर्स के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है.

बीजेपी-शिंदे का पहला गठबंधन

महाराष्ट्र में सीएम देवेंद्र फड़णवीस के नेतृत्व वाले महायुति में बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी शामिल है. तीनों ही दल मिलकर 2024 का लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़े थे, लेकिन नगर निगम चुनाव में यह दोस्ती बिखर गई है. फडणवीस सरकार में अजित पवार डिप्टीसीएम हैं और उनकी पार्टी के आधा दर्जन नेता फडणवीस कैबिनेट में मंत्री हैं. इसके बाद भी बीएमसी सहित राज्य के बाकी के नगर निगम चुनाव में बीजेपी ने अजित पवार से किनारा कर लिया है .बीजेपी ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ मिलकर बीएमसी सहित 29 नगर निगम का चुनाव लड़ रही है.

पवार परिवार में बन ही गई बात

महायुति से किनारे किए गए अजित पवार ने अलग ही गठबंधन का तानाबाना बुन लिया है. अजित पवार की एनसीपी ने मुंबई का बीएमसी चुनाव में अकेले किस्मत आजमाने का फैसला किया है तो पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ महानगर निगम का चुनाव अपने चाचा शरद पवार की एनसीपी (एसपी) के साथ लड़ने की रूपरेखा तय हो गई है. शरद पवार की पार्टी विपक्षी महा विकास अघाड़ी का हिस्सा थी, लेकिन नगर निगम चुनाव में अपनी अलग राह पकड़ ली है. मुंबई के बीएमसी में भले ही अपने पत्ते ना खोले हों, लेकिन पुणे के नगर निगम चुनाव में अजित पवार की पार्टी के हाथ मिला लिया है .अजित पवार पुणे के प्रभारी मंत्री हैं, जिसके चलते उनकी साख दांव पर लगी हुई है. ऐसे में उन्होंने शरद पवार की पार्टी से पुणे और पिंपरी-चिंचवड नगर निगम चुनावों में एक साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया.

तान्या मित्तल की मिमिक्री कर फंसी जॉनी की बेटी जेमी

कॉमेडियन जेमी लीवर हमेशा ही हर किसी को हंसाने का काम करती हैं. वो अपने सोशल मीडिया पर कई रील्स अपलोड करती रहती हैं, जिसे देखकर सभी फैंस हमेशा खुश हो जाते हैं. जेमी स्टार्स की मिमिक्री करने में भी काफी माहिर है. लेकिन इसकी वजह से उन्हें इस बार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. दरअसल कुछ दिनों पहले उन्होंने 'बिग बॉस 19' फेम तानिया मित्तल की मिमिक्री की थी, जिस पर लोगों ने नाराजगी जताई. कुछ यूजर्स को लगा कि इस वीडियो में जेमी 'बिग बॉस 19' कंटेस्टेंट की बॉडी शेमिंग कर रही हैं. इसके बाद जेमी लीवर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा की वो कुछ समय के लिए ब्रेक ले रही हैं. उनका ये पोस्ट फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है. उन्होंने पोस्ट में लिखा ही वो रेस्ट और रीसेट करना चाहती हैं.जेमी लीवर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि, "जो लोग मुझे जानते हैं उन्हें पता है कि मैं अपना काम कितने प्यार और सच्चाई के साथ करती हूं. मैं शुक्रगुजार हूं भगवान कि उन्होंने मुझे ऐसा गिफ्ट दिया, जिससे में दूसरों को खुश कर पाती हूं. सालों से मिले प्यार के लिए भी मैं हमेशा आभारी हूं. लेकिन मैंने इस सफर में सीखा है कि हर कोई आपके लिए खुश नहीं होगा या आपके साथ नहीं हंसेगा. हाल ही में जो हुआ उसके बाद लग रहा है कि मैंने खुद का एक छोटा सा पार्ट खो दिया है. यह रिफ्लेक्शन से आ रहा है न कि गुस्से से."उन्होंने आगे लिखा, "मैं जो करती हूं उससे प्यार करती हूं और हमेशा एंटरटेन करती रहूंगी. फिलहाल, मैं आराम करने और रीसेट होने के लिए कुछ समय ले रही हूं. अगले साल आपसे मुलाकात होगी. हमेशा प्यार, प्रार्थना और समर्थन के लिए धन्यवाद." इस पोस्ट के कमेंट सेक्शन पर फैंस उनके काम की सराहना कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा "हम आपसे प्यार करते हैं चाहे कुछ भी हो." वहीं दूसरे ने लिखा "नफरत करने वालों को छोड़ें... अच्छी चीजें रखें और आगे बढ़ें. यही तो जीवन है."जेमी ने हाल ही में 'बिग बॉस 19' की कंटेस्टेंट तान्या मित्तल की नकल करते हुए एक रील बनाई थी, जिसमें जेमी तान्या के एक्सप्रेशन की नकल कर रही थीं, जहां वह रोती हुई भी नजर आईं . जेमी ने कहा कि वह शो में नंबर 1 एंटरटेनर को मिस करेंगी. इस वीडियो पर कई यूजर ने कहा कि वह मिमिक्री में बहुत आगे बढ़ गई हैं, जहां वह तान्या और उनके लुक का मजाक उड़ा रही हैं.

'गणेश कार्तिकेय' में भगवान गणेश के विवाह पर श्रेनु पारिख की बात

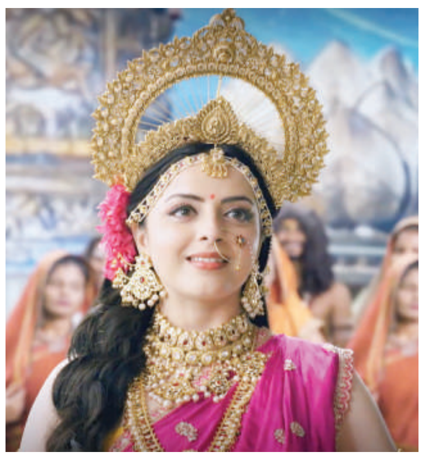

सोनी सब का पौराणिक शो 'गाथा शिव परिवार की – गणेश कार्तिकेय' अब एक नए महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसमें भगवान गणेश का विवाह कहानी का केंद्र है। इस नए अध्याय में उत्सव, कर्तव्य और परिवर्तन का संगम दिखाया जाएगा, जो भगवान गणेश के 'प्रथम पूज्य' होने के स्थान को फिर से स्थापित करता है। यह केवल अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, विनम्रता और नेतृत्व जैसे मूल्यों को भी दर्शाता है।

भगवान गणेश (निर्णय समाधिया) का विवाह रिद्धि (नारायणी वर्णे) और सिद्धि (श्रेया पटेल) के साथ इस कहानी की नींव है। देवी पार्वती की भूमिका निभाने वाली श्रेनु पारिख ने कहा कि यह विश्वास, प्रेम और दिव्य कृपा से धन्य विवाह है। उन्होंने शूटिंग के दौरान एक विशेष क्षण का जिक्र किया, जब गणेश सभी लोगों और वेशभूषा के बीच थे और वह बस दूर से उन्हें देख रही थीं। इस पल ने उन्हें वास्तविकता और गहराई का अहसास कराया। श्रेनु ने यह भी बताया कि देवी पार्वती इस चरण में मार्गदर्शन देने के बजाय अपने पुत्र को शांति और पूर्णता के साथ आशीर्वाद देती हैं, जो इस विवाह को और भी खास बनाता है। 'गणेश कार्तिकेय' के नए एपिसोड हर सोमवार से शनिवार रात 8 बजे केवल सोनी सब पर प्रसारित होंगे।

सोनी सब के सितारे साझा कर रहे 2025 की यादें और 2026 के संकल्प

जैसे-जैसे 2025 का साल समाप्त हो रहा है, सोनी सब ने दर्शकों को भावनाओं और साहस से भरी कहानियों से रूबरू कराया। इस साल की अविस्मरणीय यात्रा को याद करते हुए शो की प्रसिद्ध अभिनेत्रिया—श्रेनु पारिख, करुणा पांडे और सुम्बुल तौकीर खान अपने प्रभावशाली क्षणों और 2026 के संकल्प साझा कर रही हैं।

गाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय में देवी पार्वती का किरदार निभा रहीं श्रेनु पारिख कहती हैं कि 2025 उनके लिए खुद को फिर से खोजने का साल रहा। इस भूमिका ने उन्हें संतुलन, गहराई और ईमानदारी खोजने के लिए प्रेरित किया। उनका संकल्प है कि 2026 में हर काम में इरादे, फोकस और प्रामाणिकता बनी रहे।

पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा का किरदार निभा रहीं करुणा पांडे ने कहा कि 2025 में छोटे-छोटे जीतने वाले पल उनके लिए सबसे यादगार रहे। उनका संकल्प है कि 2026 में पर्दे पर गहराई और लचीलापन दिखाते हुए अपने किरदार में पूरी आत्मा झोंक दें। इत्ती सी खुशी की सुम्बुल तौकीर खान ने बताया कि 2025 ने उन्हें नए रिश्ते और जुड़ाव सिखाया। दर्शकों के संदेश पढ़कर उन्हें अपने किरदार का वास्तविक प्रभाव समझ आया। उनका संकल्प है कि 2026 में खुशियों को संवारते हुए दर्शकों के साथ रिश्ते और मजबूत करें। गाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय, इत्ती सी खुशी, और पुष्पा इम्पॉसिबल देखिए हर सोमवार से शनिवार केवल सोनी सब पर।

ऐश्वर्या राय की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस रही फ्लॉप

साल 2006 में ऐश्वर्या राय ने एक अलग तरह की फिल्म 'प्रोवोक्ड' में काम किया था, जो बाद में उनके करियर में एक मिसाल बन गई. यह फिल्म किसी रोमांटिक या मसाला फ़िल्म की तरह नहीं थी, बल्कि एक सच्ची घटना पर आधारित बायोग्राफिकल ड्रामा थी. फिल्म की कहानी किरनजीत अहलूवालिया नाम की महिला पर बनी है, जिसने घरेलू हिंसा सहन करने के बाद अपने पति को कथित तौर पर मार डाला था. ऐश्वर्या ने इस फिल्म में इस गंभीर भूमिका को निभाया, जिसमें उन्होंने अपने ग्लैमरस इमेज से बिल्कुल हटकर दमदार अभिनय किया.'प्रोवोक्ड' का डायरेक्शन जग मुंद्रा ने किया था और इसमें ऐश्वर्या राय के अलावा नवीन आंद्रूज, मिरांडा रिचर्डसन, रॉबी कोल्ट्रेन जैसे अनुभवी कलाकार भी शामिल थे.

फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान ने तैयार किया था, जिसने इसका इमोशनल टोन और भी ज़्यादा प्रभावशाली बनाया. हालांकि यह फिल्म बड़े बजट या बड़े कलाकारों वाली पारंपरिक हिंदी फिल्मों की तरह नहीं थी, लेकिन ऐश्वर्या ने इस रोल में अपनी एक्टिंग से ऐसा असर छोड़ा कि कई क्रिटिक्स और दर्शकों ने उन्हें सराहा.यह उनके करियर की उन चुनिंदा फिल्मों में से एक थी, जिसमें उन्होंने अपने ग्लैमर से हटकर एक गहन और इमोशनल किरदार निभाया. लेकिन, 'प्रोवोक्ड' बॉक्स ऑफिस पर वैसी सफलता नहीं पा सकी, जैसी आमतौर पर बॉलीवुड फिल्मों से उम्मीद की जाती है. भारत में रिलीज होने पर फिल्म का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा. जानकारी के मुताबिक, फिल्म का बजट लगभग 12 करोड़ रुपये था, लेकिन भारत में ही इसका कमाई लगभग 2.41 करोड़ रुपये तक रही यानी फिल्म अपना बजट भी रिकवर नहीं किया.इससे 'प्रोवोक्ड' बॉक्स ऑफिस पर एक फ्लॉप फिल्म साबित हुई. फिल्म की शुरुआती कमाई भी काफी कम रही और भारत में इसे सिर्फ सीमित संख्या में स्क्रीन मिले थे. दर्शकों का इतना ध्यान नहीं गया और ज्यादातर बॉलीवुड प्रेमी उस वक्त की मसाला फिल्मों की ओर आकर्षित रहे थे. इसके अलावा फिल्म पूरी तरह से अंग्रेजी भाषा में थी, जिसने इंडियन सिनेमा के दर्शकों के लिए इससे जुड़ने में थोड़ा मुश्किल हो गया था.

फिर भी 'प्रोवोक्ड' ने ऐश्वर्या राय को एक्टिंग के मामले में सम्मान दिलाया. कई लोगों ने उनके अभिनय को एक गहरी, संवेदनशील और साहसिक भूमिका के रूप में देखा, जिसने उनकी बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया. सोशल मीडिया और फिल्म चर्चा मंचों पर आज भी इस फिल्म की चर्चा होती है, खासकर ऐश्वर्या के उस रोल की वजह जिसमें उन्होंने घरेलू उत्पीड़न और इंसानियत के मुद्दों को पर्दे पर मजबूती से पेश किया.

तीनो खानो में कौन आगे?

भारतीय सिनेमा की जब शुरुआत हुई थी उस दौरान देश का माहौल अलग था. हम अंग्रेजों के गुलाम थे. और इस गुलामी और अत्याचार के बीच में कला पनप रही थी. कुछ नया हो रहा था जिसका साक्षी बनने के लिए देश की जनता पूरी तरह से तैयार तो नहीं थी लेकिन हकदार जरूर थी. कला को जब सही माध्यम मिला तो धीरे-धीरे इसने पनपना शुरू किया. महफिलों और नौटंकियों का दौर कला के कैमरे में कैद होने तक आ गया. दादा साहब फाल्के के अथक प्रयासों और जुनून की मदद से चीजें बदलीं.साल 1913 में देश की पहली फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी. इस फिल्म ने देशवासियों के मन में कला को लेकर इंटरेस्ट जगाने की शुरुआत कर दी थी. ये एक मूक फिल्म थी. वक्त आगे बढ़ा और साल 1931 को देश की पहली बोलती फिल्म आलम आरा रिलीज की गई. इस फिल्म में राज कपूर के पिता पृथ्वीराज कपूर नजर आए थे. समय और आगे बढ़ा और सिनेमा जगत को राज कपूर, दिलीप कुमार और देव आनंद जैसे कलाकार मिले. इसके बाद आने वाले दौर में राजेश खन्ना, धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन जैसे कलाकारों का भौकाल देखने को मिला. ये दौर गया तो 90s में देश को शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान के रूप में 3 बड़े कलाकार मिले.आज के दौर में भी जितना प्रभाव इन तीन कलाकारों का है वैसा किसी का नहीं. 90s से इन तीनों कलाकारों का स्टारडम कभी एक-दूसरे के आंड़े तो आया लेकिन इसके बाद भी इन तीनों पर कोई दूसरा कलाकार पूरी तरह से हावी नहीं हो सका. 60 की उम्र में भी ये खान तिगड़ी शानदार काम कर रही है. अब मौका अहम है.

सिनेमा के बीते 25 सालों का जश्न मनाया जा रहा है. लेकिन सवाल तो ये है कि इन 25 सालों में तीनों खानों में से वो कौन सा खान है जो बॉक्स ऑफिस की रेस में सबसे आगे रहा है. हालांकि तीनों की तुलना करना तो किसी टेड़ी खीर से कम नहीं है लेकिन इस खास मौके पर आपके सामने पेश है ये टेढ़ी खीर.90 के दशक में शुरुआत करने के साथ ही आमिर, सलमान और शाहरुख ने फैंस के दिल में जगह बना ली थी और लोग इन तीनों ही कलाकारों को पसंद करने लगे थे.

तीनों कलाकारों का अपना-अपना फैनबेस तैयार होना शुरू हो गया था. इस दौरान शाहरुख खान दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे, बाजीगर, करण अर्जुन और चाहत जैसी फिल्मों से अपनी एक्टिंग का कमाल दिखा चुके थे. वहीं मैंने प्यार किया और हम आपके हैं कौन जैसी फिल्मों के साथ सलमान खान भी दर्शकों के पसंदीदा हो रहे थे. आमिर खान के क्रेज का असर भी दिखना शुरू हो गया था और वे जो जीता वही सिंकदर और कयामत से कयामत तक जैसी फिल्में कर के अपनी सक्सेस का बिगुल बजा चुके थे.

समांथा ने दिखाई साल 2025 की झलक

समांथा रुथ प्रभु ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ अनसीन तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें शादी के दौरान फंक्शन की फोटोज भी शामिल हैं. इसमें एक्ट्रेस हाथों पर मेहंदी लगाएं हंसते हुए पोज दे रही हैं. उन्होंने येलो कलर का सूट पहना है और मिनिमल मेकअप से लुक को कंप्लीट किया है. एक्ट्रेस इसमें बहुत ही खूबसूरत लग रही हैंइसमें समांथा रुथ प्रभु अपने पति राज निदिमोरु के साथ बैठी हुई है. उनके पति ने फनी पोज बनाया है और एक्ट्रेस उनकी तरफ देख कर हंस रही हैं. यह शादी के दिन की तस्वीर हैं, जिसमें उन्होंने रेड कलर की बनारसी साड़ी पहनी है. एक्ट्रेस अपनी शादी के दिन बहुत ही सुंदर लग रही थीं.समांथा ने फिल्म 'सुभम' के सेट से पर्दे के पीछे की तस्वीर शेयर की है, जिसमें फिल्म की एक झलक पेश की गई है. एक्ट्रेस का लुक बहुत ही डिफरेंट लग रहा है. ये एक तेलुगु हॉरर-कॉमेडी फिल्म है, जो 9 मई 2025 को रिलीज हुई थी. जिसमें समांथा ने 'माया माता' का एक छोटा, लेकिन यादगार रोल निभाया है.इस फोटो में एक्ट्रेस ने वन साइड ऑफ-शोल्डर ड्रेस पहनी है. उनका ये लुक बहुत ही बेहतरीन लग रहा है और हाथ में परफ्यूम लिया हुआ है. पोस्ट को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा "ग्रैटिट्यूड का एक साल." फैंस उनकी तस्वीरों की तारीफ कर रहे हैं.समांथा ने तरह-तरह की लाइट्स और ऑर्नामेंट से खूबसूरती से सजाए गए क्रिसमस ट्री की एक झलक शेयर की हैं. जो बहुत ही बेहतरीन लग रहा है. इसके आसपास गिफ्ट रखे गए हैं. कमेंट सेक्शन में लोग उन्हें क्रिसमस भी विश कर रहे हैं.समांथा ने अपने पेट एनिमल्स की तस्वीरें भी शेयर की हैं.

दृश्यम 3' में अक्षय खन्ना की बड़ी डिमांड

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' आज से ठीक 22 दिन पहले रिलीज हुई थी. पर इन 3 हफ्तों में फिल्म ने जैसा तूफान मचाया है, बड़े-बड़े सूरमाओं के रिकॉर्ड को कुचलकर रख दिया है. हर बढ़ते दिन के साथ फिल्म की कमाई कम नहीं हो रही, बल्कि बढ़ती ही जा रही है. जिसका श्रेय रणवीर सिंह से ज्यादा अक्षय खन्ना को दिया गया. क्योंकि रहमान डकैत बनकर जैसे ही उनका स्वैग, एक्टिंग, डांस और स्टाइल वायरल हुआ. तो लोग भाग-भागकर थिएटर्स में उन्हें देखने पहुंच गए. अबतक फिल्म भारत से 600 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर चुकी है. जबकि, जल्द ही फिल्म दुनियाभर से 1000 करोड़ से ज्यादा छाप पैसे लेगी. लेकिन अगले साल उन्हें अजय देवगन की 'दृश्यम 3' में दिखना था, पर पता लगा कि फिल्म छोड़ चुके हैं. फीस बढ़ाने की वजह से ऐसा फैसला किया है.अक्षय खन्ना इससे पहले 'दृश्यम 2' का भी हिस्सा रहे थे, जो साल 2022 में रिलीज हुई थी. फिल्म को काफी शानदार रिस्पॉन्स मिला था. उस फिल्म के लिए एक्टर को 2.5 करोड़ फीस मिली थी. जबकि, अजय देवगन को 30 करोड़ मिले थे. अब अक्षय खन्ना ने जितनी फीस मांगी है, वो 20 करोड़ से भी ज्यादा बताई जा रही है. जिसने मेकर्स का पूरा बजट ही हिला दिया है. लेकिन उन्हें अपनी डिमांड जायज लगती है. जानिए और क्या-क्या बदलाव अक्षय खन्ना अपने लुक को लेकर चाहते हैं.अजय देवगन की 'दृश्यम 3' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी. 2 अक्टूबर, 2026 में आ रही फिल्म के लिए तैयारी चल रही है. इस बार फिल्म में- अजय देवगन, तब्बू, श्रिया सरन और रजत कपूर नजर आएंगे. जिसमें अक्षय खन्ना का नाम गायब देखकर लोगों ने सवाल पूछने शुरू कर दिए. धुरंधर में जबरदस्त परफॉर्म करने के बाद भी अक्षय खन्ना को क्यों नहीं लिया गया. जिसके बाद जानकारी मिली कि फीस को लेकर हुए मतभेद के चलते एक्टर तीसरे पार्ट से अलग हो गए हैं. लेकिन इसी बीच एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी है. जिससे पता लगा कि एक्टर ने अपनी फीस बढ़ाने का फैसला किया है. वो अब मेकर्स से 'दृश्यम 3' के लिए 21 करोड़ रुपये की डिमांड कर रहे हैं. दरअसल साल 2025 में पहले छावा में औरंगजेब बनकर मजमा लूट लिया. अब धुरंधर में रहमान डकैत बनकर भी शानदार परफॉर्म किया है. ऐसे में अक्षय खन्ना का मानना है कि उनकी मांग सही है. अब क्योंकि एक्टर को लेकर तगड़ा माहौल बना है. वहीं फिल्म भी इसी वजह से डिमांड में है. लेकिन एक्टर की इस मांग ने 'दृश्यम 3' के मेकर्स को हैरान कर दिया है. उन्होंने अक्षय को समझाने की कोशिश की है.

अनुपमा' में जल्द आएगा ये महाट्विस्ट

रुपाली गांगुली के शो 'अनुपमा' में एक के बाद एक नया तूफान आ रहा है. अनुपमा को जैसे ही लगता है कि उसकी लाइफ में सब ठीक होने वाला है. एक नया तमाशा हो जाता है.रजनी पर अनुपमा आंख बंद करके भरोसा करती है. हालांकि, ये भरोसा ही उस पर भारी पड़ने वाला है. शो में अब तक देखने को मिला कि भारती और वरुण की शादी की रस्में बेहद ही धूमधाम से की जा रही हैं. रजनी भी अनुपमा के आगे-पीछे चक्कर लगाती हुई दिख रही है. वहीं, अनुपमा को पता चल चुका है कि ईशानी ही भारती के गहने चुराए हैं. इसी बीच शो में खूब तमाशा होने वाला है. भारती और वरुण की शादी पर खतरा मंडरा रहा है. जैसे ही रजनी के हाथ चॉल के पेपर्स लगेंगे वो इस शादी को तोड़ने का ऐलान कर देगी. अनुपमा इस बात को जानकर हैरान रह जाएगी. सबके सामने ईशानी को अनुपमा चोर बताएगी. साथ ही उसको खूब जलील भी करेगी. वो ईशानी से पूछेगी कि आखिर रजनी के दिए हुए गहने चुराने की उसकी हिम्मत कैसे हुई. अनुपमा के सामने ईशानी कुछ नहीं बोल पाती है. अनुपमा से गाली खाने के बाद ईशानी की किस्मत चमकेगी. मुंबई में वो एक बड़ी सेलिब्रिटी बन जाएगी. उसके बाद ईशानी के पर निकल आएंगे और वो अनुपमा को नीचा दिखाने वाली है.वरुण को जल्द ही शक होने वाला है कि पराग और उसकी मां रजनी के बीच कुछ तो कनेक्शन है. जल्द ही उसे पता चल जाएगा कि दोनों का अफेयर था. इस बात को जानने के बाद वरुण खुद अपनी मां और पराग का दुश्मन बन बैठेगा. शो में जल्द ही नई एंट्री होने वाली है, जिसकी वजह से प्रेम और राही का झगड़ा होने वाला है.

'काबिल' के लिए देना पड़ा यामी गौतम को ऑडिशन

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम इन दिनों बहुत खुश हैं. उनके पति आदित्य धर की फिल्म धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. फिल्म 600 करोड़ से ज्यादा कमाई कर चुकी है और इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म भी बन गई है. ये साल यामी के लिए भी बहुत खास रहा है. उनकी फिल्मों को बहुत पसंद किया गया. उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है. यामी ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी. उसके बाद बॉलीवुड में कदम रखा था. यामी ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपने करियर के उन पलों को याद किया जिसमें उन्हें कई चीजों का सामना करना पड़ा. ह्यूमन ऑफ बॉम्बे को दिए इंटरव्यू में यामी ने उन दिनों को याद किया जब उन्होंने चैलेंज फेस किए. उन्होंने कहा- कई बार मैं सोचती थी कि ये काम होने वाला है. मुझे वापस चले जाना चाहिए थोड़े टाइम और रुकना चाहिए. कई बार ऐसा लगता था.यामी ने कहा- 'कई फिल्में करने के बाद, विक्की डोनर के बाद भी कई ऐसे पल आए जब मुझसे कई चीजों को लेकर सवाल पूछे गए. आप लोगों पर आसानी से भरोसा कर लेते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि वो क्या कह रहे हैं. हर कोई सलाह और सजेशन देता है लेकिन आपको सिर्फ अच्छा काम चाहिए होता है. मुझे एहसास हुआ कि हर फिल्म कुछ नया लेकर आती है और कभी भी उस फिल्म को पाने के लिए पूरे नहीं होते हैं. तो ओबसेशन का क्या मतलब है. फिल्म में आपकी कास्ट किसी और के फैसले पर निर्भर करती है और वो फैसला हमेशा आपकी काबिलियत पर नहीं होता है बल्कि कई चीजों से इंफ्लुएंस होता है. 'यामी ने कहा- 'मैंने काबिल के लिए स्क्रीन टेस्ट दिया था और मैं वो करके बहुत खुश थी.

विजय हजारे ट्रॉफी में दिग्गजों की एंट्री पर सवाल

क्या कोहली-रोहित पर दबाव सही?

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट में जब से बतौर चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और फिर हेड कोच गौतम गंभीर की एंट्री हुई है, तब से ही इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि हर क्रिकेटर को घरेलू टूर्नामेंट्स में भी हिस्सा लेना होगा. खास तौर पर रणजी ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी खेलने पर ज्यादा से ज्यादा जोर दिया गया है. पिछले कुछ वक्त से ये दबाव विशेष रूप से विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों पर ज्यादा से ज्यादा डाला जा रहा था, जिनके भविष्य पर सवाल उठ रहा है. मगर क्या विजय हजारे ट्रॉफी जैसा टूर्नामेंट इन दिग्गजों की फॉर्म परखने का सही मंच है? क्या उन्हें इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए? पहले राउंड के मुकाबलों के बाद ही ये सवाल उठ रहे हैं और इसकी वजह भी हैं.

विराट-रोहित की धमाकेदार बैटिंग

पिछले करीब एक साल से ही विराट कोहली और रोहित शर्मा का क्रिकेट करियर सवालों के घेरे में है. ऐसे में उन्हें लगातार घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा जा रहा है. टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान करने से पहले दोनों ने एक-एक रणजी ट्रॉफी मैच भी खेला था लेकिन फिर तुरंत ही संन्यास भी ले लिया. ऐसे में दोनों सिर्फ वनडे फॉर्मेट में एक्टिव हैं और इसके चलते ही सेलेक्टर्स और बोर्ड इन दिग्गजों से विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लेने को बोल रहा है. इसको जहां कुछ समर्थन भी मिला है तो वहीं कुछ सवाल भी उठे कि इन दोनों को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं. हालांकि ये टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही दोनों ने ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ दमदार बल्लेबाजी करते हुए जमकर रन बरसाए थे. मगर इसके बाद भी अगली वनडे सीरीज से पहले उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लेने को कहा गया. आखिरकार विराट और रोहित ने अपनी-अपनी घरेलू टीमों के लिए कुछ मैच खेलने के लिए सहमति भरी भी और फिर टीम से जुड़ गए. टूर्नामेंट के पहले दौर के मुकाबलों में ही दोनों दिग्गजों ने जोरदार प्रदर्शन किया और शतक जमाए. विराट ने जहां दिल्ली के लिए 101 गेंदों में 131 रन बनाए तो वहीं रोहित ने मुंबई के लिए सिर्फ 94 गेंदों में 155 रन ठोक दिये.

क्या दिग्गजों को परखने लायक है टूर्नामेंट का स्तर?

जाहिर तौर पर इन दोनों से ही ऐसे प्रदर्शन की उम्मीद थी लेकिन बात यहां पर खत्म नहीं होती. असल में बुधवार 24 दिसंबर से शुरू हुए इस टूर्नामेंट के पहले ही दिन शतकों की बारिश हुई. सिर्फ विराट और रोहित ने ही सेंचुरी नहीं जमाई, बल्कि पहले दिन कुल 22 शतक लगे, जिसमें से एक दोहरा शतक और एक 190 रन की पारी भी शामिल थी. इस दौरान लिस्ट ए क्रिकेट में भारत की तरफ से सिर्फ 32 गेंदों में सबसे तेज शतक लगा, जबकि कुछ ही देर बाद 34 गेंदों में भी सेंचुरी लगी. बिहार की टीम ने अरुणाचल के खिलाफ 574 रन का हैरतअंगेज स्कोर भी बना दिया, जबकि कर्नाटक ने झारखंड के खिलाफ 413 रन का लक्ष्य भी हासिल कर लिया. बंगाल ने भी विदर्भ के खिलाफ 383 रन चेज किये. ये आंकड़े इसलिए बताए जा रहे हैं क्योंकि इनसे टूर्नामेंट के स्तर पर सवाल उठते हैं. क्या ये टूर्नामेंट ऐसे बल्लेबाजों की मैच फिटनेस, फॉर्म या काबिलियत सही से जांच सकता है, जो वनडे इंटरनेशनल में 80 से ज्यादा शतक और 25 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं? क्या उन्हें इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए मजबूर करना सही मायनों में उनके सेलेक्शन का सही पैमाना हो सकता है? ऐसा टूर्नामेंट, जहां रन बनाना एक तरह का मजाक बनकर रह गया है और ये पिछले 3-4 सालों से ऐसा ही है, क्या उन मुकाबलों में विराट और रोहित जैसे धुरंधरों की बैटिंग उनकी फॉर्म या फिटनेस का सही संकेत दे सकती है? इन सबका एक ही जवाब है- नहीं. असल में इन मुकाबलों में इन दोनों को खेलने के लिए मजबूर कर बीसीसीआई ये साबित करना चाहती है कि सभी को घरेलू क्रिकेट में वक्त देना होगा, ताकि इसकी अहमियत भी बढ़े और खिलाड़ी खुद को हमेशा तैयार रख सकें. मगर इस स्तर के क्रिकेट में 15-20 साल के अनुभव वाले सितारों को खिलाकर असल में उन खिलाड़ियों के साथ अन्याय किया जा रहा है, जो उनकी जगह खेलकर खुद को परख सकते थे या खुद को साबित कर सकते थे.

घरेलू क्रिकेट को प्रमोट करने का मौका भी गंवाया

इसके पक्ष में ये दावा किया जा सकता है कि उनके खेलने से घरेलू क्रिकेटर्स को भी कुछ फायदा पहुंचेगा. साथ ही घरेलू क्रिकेट की लोकप्रियता भी बढ़ेगी. पहले दावे से एक बार के लिए सहमति जताई जा सकती लेकिन दूसरा पहलू गले नहीं उतरता. इसकी वजह भी बीसीसीआई ही है. किसी भी खेल की लोकप्रियता तभी बढ़ती है जब वो लोगों तक पहुंचता है. मगर जिन मुकाबलों में विराट और रोहित मैदान पर उतरे, उनका टीवी पर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सीधा प्रसारण हुआ ही नहीं और लोग उन्हें खेलते देखने से महरूम रह गए. मुंबई के मैच में तो दर्शकों को स्टेडियम में आने की इजाजत मिली भी लेकिन दिल्ली के मैच में वो सुविधा भी दर्शकों को नहीं मिली. ऐसे में ये सारे सवाल उठना लाजिमी है और इस कसरत से बीसीसीआई या कोच-सेलेक्टर मन ही मन ये सोचकर खुश जरूर हो सकते हैं कि उन्होंने सुपरस्टार खिलाड़ियों को अपने इशारों पर नचाया है लेकिन सच्चाई ये है कि इसका न तो उन दिग्गजों पर कुछ असर होने वाला है और न ही घरेलू क्रिकेट का कुछ फायदा होता दिख रहा है.

श्रेयस की फिटनेस बनी टीम इंडिया ऐलान में देरी की वजह

नई दिल्ली. टीम इंडिया कुछ ही दिनों में फिर से मैदान पर वापसी करने वाली है. नए साल की पहली सीरीज में भारतीय टीम का सामना न्यूजीलैंड से होगा. न्यूजीलैंड की टीम जनवरी में भारत दौरे पर आ रही है, जिसमें वनडे और टी20 सीरीज खेली जानी है. 11 जनवरी से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी लेकिन इसके लिए फिलहाल टीम का ऐलान नहीं हुआ है, जबकि 21 जनवरी से होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान हो चुका है, जिसने हर किसी को हैरान किया है. मगर अब लग रहा है कि इसकी वजह श्रेयस अय्यर की फिटनेस हो सकती है, जिन्होंने चोट से जूझने के बाद बैटिंग प्रैक्टिस शुरू कर दी है और इस वनडे सीरीज से वापसी कर सकते हैं.

अय्यर को हुआ क्या था?

भारतीय वनडे टीम के उप-कप्तान श्रेयस अय्यर पिछले 2 महीने से चोट के कारण क्रिकेट मैदान से बाहर हैं. अय्यर को अक्टूबर महीने में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मैच के दौरान चोट लगी थी. सिडनी में 25 अक्टूबर को सीरीज के आखिरी मैच में कैच लपकने के लिए डाइव करने के कारण अय्यर की पसलियों में चोट लगी थी, जो काफी गंभीर साबित हुई थी. इसके चलते सिडनी में ही उनकी सर्जरी हुई थी और कुछ दिन वहीं अस्पताल में वो एडमिट भी थे. इसके चलते ही वो साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज का हिस्सा भी नहीं बन सके थे.

अब 2 महीने में श्रेयस ने दी क्या अच्छी खबर?

31 साल के श्रेयस अय्यर इसके बाद से ही अपने घर में रहकर आराम कर रहे थे और रिकवरी प्रक्रिया से गुजर रहे थे. धीरे-धीरे अपनी फिटनेस हासिल कर रहे अय्यर ने आखिरकार 60 दिन बाद पहली बार बैटिंग प्रैक्टिस की. टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि भारतीय बल्लेबाज ने मुंबई में 24 दिसंबर को करीब एक घंटे तक बल्लेबाजी की. इस दौरान उन्हें किसी भी तरह की परेशानी महसूस नहीं हुई. इसके बाद वो 25 दिसंबर को बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंच गए, जहां वो आगे की रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया पूरी करेंगे.

क्या न्यूजीलैंड सीरीज खेल पाएंगे?

माना जा रहा है कि अय्यर सीओई में करीब 6 दिन तक रह सकते हैं, जहां मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर नजर रखेगी. वैसे तो अय्यर की नजरें 11 जनवरी से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड वनडे सीरीज पर हैं लेकिन बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इसमें खेलना बेहद करीबी मामला हो सकता है. हालांकि, विजय हजारे ट्रॉफी के आगे के राउंड में खेल पाने की ज्यादा संभावना है, जो वनडे सीरीज के दौरान चलता रहेगा. हालांकि, जनवरी के पहले हफ्ते में वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो सकता है और इसमें अय्यर को जगह मिल भी सकती है लेकिन इसमें फिटनेस साबित करने की शर्त भी शामिल हो सकती है.

विजय हजारे से अचानक बाहर हुए वैभव सूर्यवंशी

राष्ट्रपति से मिलने पहुंचे दिल्ली

नई दिल्ली. क्रिकेट फैंस को वैभव सूर्यवंशी को फिर से मैदान पर देखने के लिए अब थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। अंडर-19 एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले इस युवा बल्लेबाज़ ने विजय हजारे ट्रॉफी में भी धमाकेदार आगाज़ किया था, लेकिन अब वह सिर्फ एक ही मैच खेलने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बिहार की ओर से खेलने वाले महज़ 14 साल के वैभव सूर्यवंशी को एक खास वजह के चलते विजय हजारे ट्रॉफी छोड़नी पड़ी। दरअसल, उन्हें एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाना है, जो देश की राष्ट्रपति के हाथों प्रदान किया जाएगा। इसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वैभव अपने पहले मैच के बाद ही दिल्ली रवाना हो गए। हालांकि उनका टूर्नामेंट से बाहर होना बिहार टीम के लिए झटका है, लेकिन यह सम्मान पूरे राज्य और देश के लिए गर्व की बात है। कम उम्र में वैभव ने जिस तरह से अपनी बल्लेबाज़ी से सबका ध्यान खींचा है, वह उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर इशारा करता है। अब फैंस को उनके अगले मुकाबले का बेसब्री से इंतजार रहेगा, जहां वैभव एक बार फिर अपने बल्ले से धमाल मचाते नजर आएंगे. बुधवार 24 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 की शुरुआत हुई थी. बिहार का पहला मैच अरुणाचल प्रदेश के साथ था और इस मुकाबले में वैभव ने हाहाकारी शतक ठोक दिया. बाएं हाथ के स्टार ओपनर ने सिर्फ 84 गेंदों में 190 रन की हैरतअंगेज और रिकॉर्डतोड़ पारी खेलकर तहलका मचा दिया. अपनी पारी के दौरान वैभव ने सिर्फ 59 गेंदों में 150 रन पूरे करते हुए एबी डिविलियर्स का सबसे तेज 150 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ दिया.

कौन सा अवॉर्ड मिलेगा वैभव को?

वैभव सूर्यवंशी की इस पारी के दम पर बिहार ने 574 रन का विशालकाय स्कोर खड़ा किया था, जिसके दम पर टीम को आसानी से जीत मिली. मगर अब बिहार को इस टूर्नामेंट में आगे के मुकाबलों में अपने स्टार बल्लेबाज के बिना ही उतरना पड़ेगा. असल में वैभव सूर्यवंशी को इस बार केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. शुक्रवार 26 दिसंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें ये खास अवॉर्ड देंगी. इसके अलावा वैभव इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे. इस बड़े दिन का हिस्सा बनने के लिए ही वैभव पहला मैच खेलने के बाद सीधे दिल्ली पहुंच गए.

वैभव कब खेलेंगे अगला मैच?

बिहार का अगला मुकाबला 26 दिसंबर को ही है और इसलिए वैभव इसका हिस्सा नहीं बन पाएंगे. मगर वो इसके बाद भी टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि इसके बाद वो अंडर-19 टीम के साथ जुड़ जाएंगे, जो 30 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के लिए रवाना होगी. ये टीम 4 जनवरी से 9 जनवरी के बीच 3 वनडे मैच की सीरीज खेलेगी. ये सीरीज अंडर-19 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए खेली जानी है. यानि अब वैभव सूर्यवंशी को दोबारा अपने बल्ले का कमाल दिखाते हुए देखने के लिए फैंस को 4 जनवरी तक का इंतजार करना पड़ेगा.

हार्दिक पांड्या को लेकर विवाद

सेल्फी न मिलने पर फैन ने की बदसलूकी

नई दिल्ली. भारतीय टी20 टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या टीम की सबसे अहम कड़ियों में से एक माने जाते हैं। अपनी दमदार गेंदबाज़ी और विस्फोटक बल्लेबाज़ी के दम पर हार्दिक ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खास पहचान बनाई है। मैदान के साथ-साथ वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हाल के दिनों में हार्दिक पांड्या का नाम माहिका शर्मा के साथ रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में है। इसी बीच एक घटना सामने आई है, जिसने सोशल मीडिया पर भी काफी ध्यान खींचा है।

हार्दिक पांड्या अपनी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा के साथ एक रेस्टोरेंट के बाहर नजर आए, जहां पहले तो उन्होंने माहिका को कार में बिठाया। इसके बाद उन्होंने कुछ क्रिकेट फैंस को सेल्फी लेने की इजाजत दे दी। फिर फैंस उन्हें घेरकर खड़े हो गए और सेल्फी लेने लगे। जब थोड़ी देर हो गई, तो हार्दिक जाने लगे। जिस पर फैन ने उन्हें रुकने को कहा, लेकिन इस पर हार्दिक ने कहा कि इतनी तो सेल्फी ले ली हैं। बस फिर फैन गुस्सा हो गया और उसने कहा कि भाड़ में जा। इस पर स्टार ऑलराउंडर ने कोई रिएक्शन नहीं दिया और बात आगे नहीं बढ़ी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।हार्दिक पांड्या एशिया कप 2025 में श्रीलंका के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने फिट होकर साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में वापसी की और अच्छे खेल से टीम को सीरीज जिताने में अहम भूमिका अदा की। अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में उन्होंने 59 रन बनाए थे और एक विकेट झटका था। इसके बाद पांचवें टी20 मैच में भी उनकी दमदार बल्लेबाजी देखने को मिली थी, जब उन्होंने 25 गेंदों में 63 रन बनाए। अच्छे खेल के लिए उन्हें पांचवें टी20 मैच में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी मिला था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या ने चार मैचों में कुल 156 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल रहे। इसके अलावा तीन विकेट भी चटकाए। अहम मौकों पर उन्होंने टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। वह गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग से टीम की अहम कड़ी बने हुए हैं। उन्होंने T20I क्रिकेट में 2002 रन बनाए हैं और 101 विकेट भी चटकाए हैं।

बीसीसीआई में अंपायरों की सैलरी पर सवाल

7 साल से नहीं हुई बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले कुछ वर्षों में खिलाड़ियों की सैलरी और मैच फीस में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी की है। चाहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर्स हों या घरेलू स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी, पुरुष हों या महिला—भारतीय बोर्ड ने सभी वर्गों की कमाई बढ़ाने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं, जिसकी व्यापक सराहना भी हुई है। हालांकि, इसी बीच बीसीसीआई के अंतर्गत काम करने वाले अंपायरों को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 7 सालों से अंपायरों की तनख्वाह में किसी भी तरह की बढ़ोतरी नहीं की गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि फिलहाल बीसीसीआई के दायरे में कुल 186 अंपायर कार्यरत हैं। इन अंपायरों को 4 अलग-अलग कैटेगरी में बांटा गया है, जिनके आधार पर उनकी मैच फीस और भुगतान तय किया जाता है। बावजूद इसके, लंबे समय से उनकी सैलरी संरचना में कोई बदलाव नहीं हुआ है। खिलाड़ियों की बढ़ती कमाई के बीच अंपायरों की सैलरी में स्थिरता को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। माना जा रहा है कि आने वाले समय में बीसीसीआई पर अंपायरों के वेतन ढांचे की समीक्षा करने का दबाव बढ़ सकता है।

मगर जहां इन सभी लेवल पर खिलाड़ियों की सैलरी में बढ़ोतरी हुई है, वहीं अंपायरों की कमाई जस की तस बनी हुई है. रिपोर्ट में बताया गया है कि बीसीसीआई ने अंपायर्स को 4 अलग-अलग कैटेगरी में बांटा है. इसके मुताबिक, बीसीसीआई ने अंपायरों को ए +, ए , बी और सी कैटेगरी में बांटा है. ये बिल्कुल उसी तरह है, जैसे सीनियर मेंस टीम के सालाना कॉन्ट्रेक्ट ग्रेड होते हैं. इन कैटेगरी में अंपायरों की संख्या भी अलग-अलग है. रिपोर्ट के मुताबिक, ए+ में फिलहाल 9, ए में 20, बी में 58 और सी में फिलहाल 99 अंपायर हैं. जहां तक सैलरी की बात है तो ए+ और ए में आने वाले अंपायरों को एक बराबर 40,000 रुपये एक दिन के मिलते हैं. वहीं बी और सी कैटेगरी के अंपायरों को एक दिन के 30,000 रुपये मिलते हैं. लेकिन ये वेतन पिछले 7 सालों से नहीं बदला है.

अंपायर्स कमेटी ने की सिफारिश

इस रिपोर्ट में बीसीसीआई की अंपायर्स कमेटी की सिफारिशों का जिक्र किया गया है, जिसे बीसीसीआई की एपेक्स काउंसिल की मीटिंग में पेश किया गया था. इसमें सिफारिश की गई थी कि 4 अलग-अलग कैटेगरी के बजाए सिर्फ 2 कैटेगरी रखी जानी चाहिएं और सभी का वेतन एक समान यानि 40,000 रुपये प्रतिदिन किया जाना चाहिए. हालांकि, फिलहाल बोर्ड ने इसे टाल दिया है और एक अलग से कमेटी बनाने का बात कही है, जो अगली एपेक्स काउंसिल मीटिंग में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी.

शुभमन गिल पर कप्तानी का दबाव पड़ा भारी? जल्दबाज़ी में लिया गया फैसला बना चुनौती

नई दिल्ली. कभी-कभी क्रिकेट में लिए गए कुछ फैसले इतने बड़े साबित होते हैं कि उनके असर का सही आकलन करने में महीनों लग जाते हैं। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल के साथ भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट्स और क्रिकेट विश्लेषकों के मुताबिक, टी20 से संन्यास ले चुके और टेस्ट क्रिकेट से भी दूरी बनाने वाले सुपरस्टार खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली की विरासत से आगे निकलने की सोच में शुभमन गिल को सभी प्रारूपों की कप्तानी सौंपने की जल्दबाज़ी की गई। यही फैसला अब इस युवा ओपनर के लिए चुनौती बनता नजर आ रहा है। कप्तानी की जिम्मेदारी के साथ-साथ बल्लेबाज़ी में निरंतर प्रदर्शन का दबाव शुभमन गिल पर साफ दिखाई दे रहा है। मैदान पर फैसलों से लेकर व्यक्तिगत प्रदर्शन तक, हर पहलू पर कड़ी नजर रखी जा रही है। हालांकि गिल को भारतीय क्रिकेट का भविष्य माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इतने कम समय में सभी प्रारूपों की कप्तानी देना उनके खेल पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है। आने वाले महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि शुभमन गिल इस दबाव से कैसे निपटते हैं और अपनी कप्तानी व बल्लेबाज़ी में संतुलन कैसे बनाते हैं। इस साल इंग्लैंड में हुई पांच टेस्ट मैचों की तेंदुलकर-एंडरसन सीरीज से पहले किसी को गिल की टेस्ट बल्लेबाजी पर भरोसा नहीं था।

एशेज टेस्ट में इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी फेल, 110 रन पर सिमटी टीम; स्टीव स्मिथ का शानदार प्रदर्शन

कैनबेरा. ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही एशेज सीरीज़ के चौथे टेस्ट मुकाबले में इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी पूरी तरह से लड़खड़ा गई। मैच में इंग्लिश बल्लेबाज़ खास कमाल नहीं दिखा सके और पूरी टीम पहली पारी में महज़ 110 रनों पर ढेर हो गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 152 रन बनाए थे, जिसके जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत ही खराब रही और विकेट लगातार गिरते चले गए। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ों के सामने इंग्लैंड के बल्लेबाज़ टिककर खेलने में नाकाम रहे। मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज़ स्टीव स्मिथ ने फील्डिंग में भी शानदार प्रदर्शन किया। स्मिथ ने दो अहम कैच लपककर इंग्लैंड पर दबाव और बढ़ा दिया और टीम की बढ़त में अहम भूमिका निभाई। कुल मिलाकर, चौथे टेस्ट के इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने हर विभाग में इंग्लैंड पर बढ़त बना ली है, जबकि इंग्लैंड को वापसी के लिए अब कड़ी मेहनत करनी होगी।स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच की पहली पारी में जैक क्रॉली और बेन स्टोक्स के विकेट हासिल किए।

इसी के साथ वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए और उन्होंने राहुल द्रविड़ को पछाड़ दिया। स्मिथ ने टेस्ट में कुल 212 कैच लिए हैं, जबकि द्रविड़ ने 210 कैच हासिल किए थे। दूसरी तरफ टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड जो रूट के नाम है। उन्होंने 214 टेस्ट कैच लिए हैं।स्टीव स्मिथ की गिनती बेहतरीन फील्डर्स में होती है। इसके अलावा वह धाकड़ बल्लेबाजी में भी माहिर प्लेयर हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के लिए साल 2010 में डेब्यू किया था और इसके बाद से ही वह टीम की अहम कड़ी बने हुए हैं। उन्होंने अभी तक 122 टेस्ट मैचों में कुल 10589 रन बनाए हैं, जिसमें उनके बल्ले से 36 शतक और 44 अर्धशतक निकले हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट की पहली पारी में 152 पन बनाए थे। तब उस्मान ख्वाजा ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 29 रनों की पारी खेली। उनके अलावा कोई भी अच्छा नहीं कर पाया। इंग्लैंड के लिए जोस टंग ने पांच विकेट हासिल किए। बाद में इंग्लैंड की टीम सिर्फ 110 रनों पर सिमट गई। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 42 रनों की बढ़त मिल गई।

राष्ट्रबाण विदर्भ VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।
नागपुर, शनिवार 27 दिसंबर 2025

तुमसर में चोर मचाए शोर

राष्ट्रबाण

तुमसर. चेतन शर्मा. शहर इन दिनों अपराधियों के लिए सेफ ज़ोन बनता जा रहा है. चोरों का इतना खौफ फैल चुका है कि अब लोग रात में चैन से सो भी नहीं पा रहे. शहर के अलग-अलग इलाकों में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने आम नागरिकों को दहशत में डाल दिया है. बीते कुछ दिनों में कई घरों के ताले तोड़े गए, कहीं नकदी पर हाथ साफ किया गया तो कहीं सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए गए. हैरानी की बात यह है कि चोर इतनी आसानी से वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, जैसे उन्हें पुलिस का कोई डर ही न हो. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि रात में पुलिस गश्त बेहद कम दिखाई देती है. इसी का फायदा उठाकर चोर बेखौफ होकर पूरे मोहल्लों को निशाना बना रहे हैं. हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि कई परिवार रात-रात भर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं. जनता में उबाल, पुलिस पर सवाल शहरवासियों में पुलिस प्रशासन को कर भारी नाराजगी है. लोगों का सीधा सवाल है कि आखिर कब तक चोरों का यह आतंक चलता रहेगा? अगर जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो जनता सड़क पर उतरने को मजबूर हो सकती है. अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन एक्शन में आता है या फिर तुमसर में यूं ही "चोर मचाए शोर" चलता रहेगा.

विदर्भ की चारों मनपा मिलकर लड़ेगी भाजपा-शिवसेना

राष्ट्रबाण

नागपुर. विदर्भ की 4 महानगर पालिका चुनावों को लेकर महायुति की अहम बैठक नागपुर स्थित विदर्भ विभागीय कार्यालय में आयोजित की गई. इस बैठक में राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, मंत्री उदय सामंत सहित भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के मंत्री व विधायक मौजूद रहे. बैठक में चारों महानगर पालिकाओं में गठबंधन के तहत मिलकर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया.

विदर्भ की नागपुर, चंद्रपुर, अमरावती और अकोला महानगर पालिकाओं में आगामी चुनाव होने जा रहे हैं. इन चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में शिवसेना के साथ महायुति के तहत मिलकर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है. गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर नागपुर में एक अहम बैठक आयोजित की गई. नागपुर के धंतोली स्थित विदर्भ विभागीय कार्यालय में हुई इस बैठक में भाजपा-

गठबंधन हुआ तयः बावनकुले

शिवसेना के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे. भाजपा की ओर से राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, सुधीर मुनगंटीवार, उपेंद्र कोठेकर सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए. वहीं शिवसेना की तरफ से मंत्री उदय सामंत, संजय राठौड़, आशीष जयसवाल, कृपाल तुमाने, नरेंद्र भोंडेकर सहित नागपुर और विदर्भ के प्रमुख नेता बैठक में उपस्थित रहे. करीब 3 घंटे तक चली इस बैठक में दोनों दलों ने चारों महानगर पालिकाओं में मिलकर चुनाव लड़ने पर सहमति जताई. बैठक के बाद जानकारी देते हुए राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सभी

> नागपुर महानगर पालिका को लेकर उठ रहे सवालों पर मंत्री उदय सामंत ने स्पष्ट किया कि यहां भी शिवसेना को सम्मानजनक सीटें मिलेंगी. वहीं महायुति में एनसीपी के शामिल होने को लेकर भी दोनों नेताओं ने अहम बयान दिए हैं. राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि नागपुर और अमरावती को छोड़कर चंद्रपुर व अकोला में एनसीपी के साथ बातचीत जारी है. वहीं मंत्री उदय सामंत ने कहा कि एनसीपी दो मनपा में महायुति के साथ रहेगी.

महानगर पालिकाओं में गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया है. वहीं सीटों के बंटवारे को लेकर उन्होंने कहा कि जल्द यह स्पष्ट कर दिया जाएगा कि कौन सा दल किस सीट पर चुनाव लड़ेगा.

सभी महानगर पालिकाओं में महायुति के तहत मिलकर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया है. हमारे द्वारा दिए गए प्रस्ताव पर सभी सहयोगी दलों की सहमति बन चुकी है.

पशु चोरी के मामले में फरार आरोपी गोवंश सहित गिरफ्तार

राष्ट्रबाण

अकोट. पुलिस स्टेशन अकोट ग्रामीण में 2 गोवंश (मवेशियों) की चोरी के संबंध में मामला दर्ज किया गया था. इस अपराध में लगभग 45,000/- रुपये मूल्य की 2 गायों की चोरी हुई थी. मामला दर्ज होने के बाद से ही चोरी की गई गायों और चोरी करने वाले व्यक्ति की तलाश इलाके में शुरू कर दी गई थी. हालांकि, आज तक अपराध में चोरी गई गायें और आरोपी नहीं मिल पा रहे थे. घटना की तारीख से लेकर आज तक फरार आरोपी और चोरी गई गायों के संबंध में कोई उपयोगी जानकारी सामने नहीं आ रही थी. इसके बाद, संदिग्ध व्यक्ति बबलू ईनामदार की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए मुखबिर तैनात किए गए. समय पर सूचना मिल सके, इसलिए पुलिस स्टेशन परिसर में सीसीटीवी फुटेज बार-बार चेक किए गए. साथ ही, उसके रिश्तेदारों और उसके आवागमन के संभावित स्थानों पर लगातार तलाशी ली गई. विश्वसनीय सूचना मिलने पर, आरोपी की तलाश के लिए एक टीम रवाना की गई. टीम ने चतुराई से आरोपी गुलाम शाहीद गुलाम राजीक उर्फ बबलू ईनामदार (निवासी थारोळी वेस, अकोट, जिला अकोला) को वाई फाटा पर जाल बिछाकर पकड़ा और आगे की पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन लाया गया. पूछताछ में बबलू ईनामदार ने अपराध कबूल कर लिया और बताया कि उसने चोरी की गई दोनों गायों को अपने घर के बगल में स्थित गौशाला में छिपा कर रखा है. इसके आधार पर, उक्त मवेशी बरामद कर लिए गए हैं. कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद, फरार आरोपी को उक्त मामले में गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के सामने पेश करने की व्यवस्था की जा रही है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अर्चित चांडक के आदेशानुसार, अपर पुलिस अधीक्षक बी. चंद्रकांत रेड्डी के मार्गदर्शन में, सहायक पुलिस अधीक्षक निखिल पाटील के मार्गदर्शन में, अकोट ग्रामीण पुलिस स्टेशन के थानेदार किशोर जुनघरे, पुलिस उपनिरीक्षक मीनाक्षी काटोले, उमेशचंद्र सोळंके, हरीश सोनवणे, प्रदीप राउत, विठ्ठल चव्हाण, गोपाल जाधव, राजेश माळेकर, नितीन तेलगोटे और शैलेश जाधव द्वारा की गई.

तुमसर में अतिक्रमण का तांडव

पुराना बस स्टैंड से बावनकर चौक तक सड़कें कब्जे में प्रशासन की चुप्पी बनी हादसों की वजह

राष्ट्रबाण

तुमसर. चेतन शर्मा तुमसर शहर की सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण सड़क—पुराना बस स्टैंड से लेकर Bavankar Chowk तक—आज अतिक्रमण के तांडव की शिकार हो चुकी है. सड़क के दोनों ओर फैले अवैध ठेले, तिरपाल से ढकी अस्थायी दुकानें, पक्के-कच्चे निर्माण और दुकानों के आगे बढ़ाए गए कब्ज़ों ने इस मुख्य मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया है.

प्रशासनिक लापरवाही या मिलीभगत?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतने बड़े पैमाने पर अतिक्रमण आखिर किसके संरक्षण में फल-फूल रहा है? स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों और ज्ञापनों के बावजूद नगर परिषद द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही. कभी नोटिस, तो कभी औपचारिक दौरे—लेकिन ज़मीन पर हालात जस के तस बने हुए हैं.

सड़कें सिमटीं, खतरा बढ़ा

> जहाँ कभी वाहन आसानी से निकलते थे, वहाँ अब पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है. दिन के किसी भी समय इस मार्ग पर ट्रैफिक जाम लगा रहता है. स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और मरीजों को रोज जान जोखिम में डालकर इस रास्ते से गुजरना पड़ रहा है. कई बार एम्बुलेंस और आपातकालीन वाहन भी जाम में फँस चुके हैं, लेकिन प्रशासन अब तक नींद में ही नजर आ रहा है.

रोज़गार के नाम पर अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं

> नागरिकों का कहना है कि वे छोटे व्यापारियों के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सड़क पर कब्ज़ा कर शहर को जाम करना किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा. नियमानुसार वेंडिंग ज़ोन बनाकर व्यवस्था की जा सकती है, लेकिन खुलेआम अतिक्रमण पर तुरंत रोक लगनी चाहिए.

जनता का आक्रोश चरम पर: शहरवासियों का सब्र अब जवाब दे रहा है. सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने साफ चेतावनी दी है कि "अगर पुराना बस स्टैंड से बावनकर चौक तक तुरंत आक्रामक अतिक्रमण हटाओ अभियान नहीं चलाया गया, तो जनता को सड़क पर उतरकर आंदोलन करना पड़ेगा."

अब फैसला प्रशासन के हाथ में :तुमसर आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है.या तो प्रशासन सख्त कदम उठाकर अतिक्रमण हटाओ

फास्ट ट्रैक

चंद्रपुर भाजपा में गहराता जा रहा विवाद

राष्ट्रबाण

नागपुर. चंद्रपुर मनपा चुनाव की सरगर्मियों के बीच भारतीय जनता पार्टी में आंतरिक कलह की चर्चाएं तेज़ हो गई हैं. चुनावी रणनीति को लेकर नागपुर में हुई पार्टी बैठक उस वक्त सुर्खियों में आ गई, जब बैठक के दौरान विधायक सुधीर मुनगंटीवार और किशोर जोर्गेवार के बीच तीखी नोकझोंक की बात सामने आई. हालांकि, इन अटकलों को खारिज करते हुए मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने किसी भी तरह के विवाद से इनकार किया और कहा कि चंद्रपुर मनपा चुनाव पार्टी एकजुट होकर, सुधीर मुनगंटीवार के मार्गदर्शन में लड़ेगी और जीत दर्ज करेगी.

चंद्रपुर मनपा चुनाव को लेकर भाजपा की एक अहम बैठक नागपुर के धंतोली स्थित विभागीय कार्यालय में आयोजित की गई. राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, चुनाव प्रभारी अशोक नेते, चुनाव निरीक्षक चैनसुख संचेती, चुनाव प्रमुख विधायक किशोर जोर्गेवार, पूर्व सांसद हंसराज अहिर सहित शहर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे. बैठक के दौरान सभी नेताओं ने सामूहिक नेतृत्व में मिलकर चुनाव लड़ने पर सहमति जताई. हालांकि, इसी दौरान किसी मुद्दे को लेकर सुधीर मुनगंटीवार और किशोर जोर्गेवार के बीच हल्की नोकझोंक की स्थिति बन गई.

नगर परिषद चुनाव में वोटों का रहस्य 733 मतदान पर ईवीएम में 773 वोट

कांग्रेस ने उठाए सवाल

राष्ट्रबाण

गोंदिया. गोंदिया नगर परिषद चुनाव में मतगणना को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है. प्रभाग क्रमांक 11 के बूथ नंबर 6 पर जहां मतदान के दिन कुल 733 वोट डाले गए थे, वहीं मतगणना के दौरान ईवीएम मशीन में 773 वोट दर्ज पाए गए. यानी 40 अतिरिक्त वोट आखिर कहां से आए? इस गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस के पराजित उम्मीदवार शकील मंसूरी ने चुनाव विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं और न्यायालय की शरण ली है.

20 दिसंबर को हुए गोंदिया नगर परिषद चुनाव के दूसरे चरण में प्रभाग क्रमांक 11 के बूथ नंबर 6 पर कुल 733 मतदान होने की आधिकारिक नोंद की गई थी. इन दस्तावेजों पर स्वयं

निर्वाचन निर्णय अधिकारी चंद्रभान खंडाईत के हस्ताक्षर मौजूद हैं. लेकिन मतगणना के दिन ईवीएम मशीन में 773 वोट दर्ज होने से चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं. "जब मतदान 733 हुआ है, तो ईवीएम में 773 वोट कैसे आए? ये 40 वोट किसके हैं? हमने इसकी शिकायत की, लेकिन चुनाव अधिकारी ने कोई संज्ञान नहीं लिया." ऐसी जानकारी शकील मंसूरी ने दी है. कांग्रेस का आरोप है कि पहली मतगणना में भाजपा उम्मीदवार अभय अग्रवाल पराजित हो चुके थे, लेकिन पुनर्मत-गणना के बाद उन्हें 32 मतों से विजयी घोषित किया गया. कांग्रेस का कहना है कि पूरी मतगणना प्रक्रिया संदेह के घेरे में है और निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है. "दस्तावेज साफ तौर पर गड़बड़ी की ओर इशारा करते हैं. यह लोकतंत्र के लिए बेहद गंभीर मामला है."

सड़क हादसों में 169 लोगों की मौत

नवंबर के आखिर तक जिले में 315 एक्सीडेंट

राष्ट्रबाण

गोंदिया. केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा सड़क हादसों को रोकने के लिए किए जा रहे कई उपायों के बावजूद, हादसों की संख्या में कमी आने का कोई संकेत नहीं है. ट्रैफिक कंट्रोल ब्रांच के पास मौजूद आंकड़ों से चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि पिछले साल गोंदिया जिले में सड़क हादसों में 69 लोगों की मौत हो चुकी है.

सड़क हादसे एक बड़ी समस्या बन गए हैं. हर दिन कहीं न कहीं एक्सीडेंट होते रहते हैं. इसमें कई लोगों की जान चली जाती है. जबकि कई लोग हमेशा के लिए विकलांग हो जाते हैं. चूंकि एक्सीडेंट ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के कारण होते हैं, इसलिए केंद्र सरकार ने एक्सीडेंट रोकने के लिए कई ट्रैफिक नियमों में बदलाव करके ट्रैफिक नियमों और कानूनों को सख्त कर दिया है. जुर्माने की रकम में भी काफी बढ़ोतरी की गई है. इसके

...तो टलेंगी दुर्घटनाएं

> बढ़ती दुर्घटनाओं के कारणों में वाहन की तेज गति, वाहन की क्षमता से अधिक सवारी, सड़क पर पत्थर, यातायात नियमों की अनदेखी और शराब पीकर वाहन चलाना आदि शामिल हैं. वाहन चालक वाहन की गति और यातायात नियमों का पालन करके वाहन चलाएं तो दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है. अक्सर सड़क पर गड्ढे भी दुर्घटनाओं का कारण बनते रहे हैं. इसलिए संबंधित विभाग को सड़क पर गड्ढों को भरने पर भी ध्यान देना चाहिए. "ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट सड़क हादसों को कम करने की पूरी कोशिश कर रहा है.

बाद भी एक्सीडेंट और उनमें मरने वालों की संख्या यात्रियों में चिंता बढ़ा रही है. यह आंकड़ा दिखाता है कि सड़क यात्रा कितनी खतरनाक होती जा रही है. जिले में ट्रैफिक कंट्रोल ब्रांच के पास मौजूद आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से नवंबर 2025 तक जिले में 315 एक्सीडेंट रिकॉर्ड किए गए हैं.

इनमें से 315 एक्सीडेंट जानलेवा रहे हैं. 1588 एक्सीडेंट में यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं. जबकि 66 एक्सीडेंट में यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं. इन एक्सीडेंट में 169 लोगों की मौत हो गई है, 169 गंभीर रूप से घायल हुए हैं. 158 लोगों को मामूली चोटें आई हैं. घटनाओं में बढ़ोतरी के कारण, एक्सीडेंट को रोकने के लिए असरदार कदम उठाने और उन्हें लागू करने की ज़रूरत है. जिले में दुर्घटना संभावित स्थानः परिवहन शाखा के रिकॉर्ड में दर्ज डव्वा, नैनपुर, चिखली, मुंडीकोटा, अदानी पावर प्लॉट, बिरसी फाटा, फुलचुर आईटीआई, कारंजा बस स्टैंड, धोबीसराड, मुरडोली जंगल, लोहारा, भगवत टोला शिवार, कटंगी कला शिवार, रावणवाड़ी बस स्टैंड, कुड़वा नाका, साखरीटोला, डोंगरगांव, झलिया, पानगांव, मुरडोली, ईटखेड़ा टी-पाइट समेत जिले में 20 दुर्घटना संभावित स्थान हैं.

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जा रही है, और स्पीड कंट्रोल पर रोक लगाई जा रही है. स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता फैलाई जा रही है, और सड़कों को बेहतर बनाने के लिए संबंधित डिपार्टमेंट को लिखा गया है."

लोही जिला परिषद सर्कल में चुनावी महासंग्राम

सामाजिक आंदोलन के योद्धा गणेश ढाकुलकर बनाम सत्ताधारी खेमा के यशवंत पवार

राष्ट्रबाण|प्रतिनिधि

यवतमाल. यवतमाल जिले का लोही जिला परिषद सर्कल हमेशा से ही सत्ता की राजनीति का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है. इस सर्कल ने अब तक कई बड़े नेताओं को जन्म दिया है, जिन्होंने जिला ही नहीं बल्कि राज्य की राजनीति में भी अपनी छाप छोड़ी है. पिछले चुनाव में रामगांव रामेश्वर की कालिंदा पवार का जिला परिषद अध्यक्ष पद पर पहुंचना इस सर्कल के राजनीतिक महत्व को और भी बढ़ाता है. इस बार लोही सर्कल के ओबीसी पुरुष वर्ग के लिए आरक्षित होने की प्रबल संभावना जताई जा रही है, जिससे मुकाबला और भी तीखा होने के संकेत मिल रहे हैं. इसी पृष्ठभूमि में सामाजिक आंदोलन से उभरे, फुले-

शाहू-आंबेडकर विचारधारा के प्रखर समर्थक और माली समाज के प्रभावी नेतृत्व गणेश ढाकुलकर के चुनावी मैदान में उतरने की चर्चा जोरों पर है. गणेश ढाकुलकर वर्षों से जमीनी स्तर पर सामाजिक कार्य करते आ रहे हैं. गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग, किसानों की समस्याओं को लेकर शासन दरबार तक संघर्ष, जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता, विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक मदद, मजदूरों और बुजुर्गों के हक की लड़ाई—इन सब कारणों से वे जनता के बीच भरोसे का नाम बन चुके हैं. इसके अलावा पंद्रह बार रक्तदान कर उन्होंने कई जिंदगियां बचाई हैं. रामगांव में सत्यशोधक पद्धति से गृहप्रवेश कर उन्होंने सामाजिक समानता का संदेश दिया, वह सर्कल में 'चांडक' नाम से भी पहचाने जाते हैं. दूसरी ओर, उनकी सीधी टक्कर शिवसेना के जिला अध्यक्ष और पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष के पति यशवंत पवार से होने की पूरी संभावना है. पालकमंत्री तथा मंत्री संजय राठोड के करीबी माने जाने वाले यशवंत पवार सत्ताधारी खेमे के मजबूत और संसाधन संपन्न उम्मीदवार माने जा रहे हैं.

प्रशासनिक पकड़ और राजनीतिक अनुभव के दम पर वे मैदान में उतरने को तैयार हैं. इस संभावित मुकाबले से लोही सर्कल का राजनीतिक तापमान चरम पर पहुंच गया है.

नगरपालिका में 29 नये पार्षद, दिग्गज पार्षदों की हुई हार

राष्ट्रबाण

गोंदिया. नप.चुनाव में मतदाताओं ने उन 29 नये लोगो को नप मे भेजा है. जब की 15 पूर्व पार्षदों को भी एक बार फिर से नप में वापसी हुई है. इस वजह से इस साल नप में बडी संख्या में नए चेहरे देखने को मिलेंगे. हालाकि पूर्व पार्षदों को एन्ट्री तो मिली है, लेकिन कुछ दिग्गज लोगों को झटका लगने से 'एंट्री' नही मिली. लगभग साढ़े तीन साल के प्रशासक राज के बाद नप चुनाव के लिए सभी उत्सुक थे.ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से इस चुनाव का समय घोषित किया गया और जल्द ही चुनाव खत्म हो गया और २१ दीसबर को उमेदवारो की किस्मत का फैसला हुआ. इस वर्ष एक प्रभाग जुड़

जाने के कारण 22 प्रभागों मे४४ सदस्यो के लिये चुनाव हुआ. इस चुना मे जहा पुराने पार्षद फिर से मैदान में कूदे वहीं बहुत सारे नये चेहरे भी थे. इनमें कुछ तो बहुत नए है. और कुछ पार्षद को आरक्षण से झटका लगने के बाद अपनी पत्नी को मैदान में उतारा था. रविवार को खत्म हुई मतगणना में मतदाता ने जाहां २९ नये लोगों को नप में भेजा, वही 15 पूर्व पार्षदों को भी एक बार फिर से 'एंट्री' हुई है. इससे अब नप में जहा नए चेहरे दिखेंगे, वहीं पूर्व पार्षद भी दिखेंगे .इन नये लोगों ने पूर्व पार्षदों को भी मुश्किल में डाल दिया था इसी वजह से नतीजा चौकाने वाला था. रविवार को क्रमांकः१ व २ में मतगणना की सुरुआत हुई और प्रभाग क्रमांकः१ से पहला नतीजा चोकाने वाला था. भाजपा के दिग्गज उमेदवार घनश्याम पानतवने को कॉंग्रेस के नये नवले अमर रंगारी ने 841 वोटो से सनीखेज तरीके से हराया. इससे पूरे गोंदिया शहर में तहलका मंच गया. जबकि उनके साथ रही अनिता मानकर को ज्योति फुंडे ने १६४ फोटो से हराया. पहिले. राजकुमार कुथे, ललिता यादव, भावना कदम, शकील मंजुरी जैसे दिग्गज उम्मीदवारों को हार का स्वाद चकना पडा जो आने वाले ५ साले तो याद रखा जायेगा.

सनातन संस्था के 'बालक-पालक सम्मेलन' से संस्कारों की सीख

बाल-संस्कारों के माध्यम से एकाग्रता,अनुशासन और भारतीय संस्कृति का संरक्षण

राष्ट्रबाण

अकोला. अकोला शहर में सनातन संस्था द्वारा निःशुल्क चलाए जा रहे बाल संस्कार वर्ग के बच्चों और उनके अभिभावकों (पालकों) का 'बालक-पालक सम्मेलन' आज उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ. यह कार्यक्रम श्री वीर हनुमान मंदिर, गोडबोले प्लॉट में आयोजित किया गया था. सम्मेलन में 100 से अधिक अभिभावक और बच्चों की उपस्थिति रही. संस्कार वर्ग के बालक श्रीलक्ष हिवरकर ने शंख बजाकर कार्यक्रम की शुरुआत की. इसके बाद स्तोत्र पाठ के लिए तबले के साथ प्रस्तुति दी गई. इन क्षणों ने उपस्थित लोगों में भक्तिमय वातावरण

का निर्माण किय ा. अभिभावकों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि धर्म, स ंस्क ृति, त्योहारों और उत्सवों से जुड़ी कई जानकारी अब उन्हें अपने बच्चों से मिलने लगी है. बच्चों को संस्कृत श्लोक आत्मविश्वास से बोलते देख उन्हें संतोष होता है. अभिभावकों ने यह भी बताया कि बच्चों के व्यवहार में अनुशासन, आज्ञाकारिता और सद्गुणों का विकास हुआ है. बच्चों ने बताया कि नामजप (नामस्मरण) के कारण उनकी पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ी है और उन्हें परीक्षा में अच्छा यश मिला है. महज 4 साल की एक बच्ची ने धर्म और संस्कृति से संबंधित ज्ञान को स्पष्ट शब्दों में प्रस्तुत किया, जिससे उपस्थित अभिभावक भावुक हो गए.

> संस्कार वर्ग केवल 1 घंटे का होता है. यदि शेष समय में अभिभावक बच्चों के साथ श्लोक, मंत्र और अच्छी आदतों का अभ्यास कराएँ, तो संस्कार और भी मजबूत होते हैं. उन्होंने अभिभावकों से टीवी और मोबाइल से दूर रहकर बच्चों को समय देने का आह्वान प्रतिभा जडी ने किया. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि अभिभावक संस्था द्वारा चलाए जा रहे सत्संग और धर्मशिक्षा वर्गों से जुड़ते हैं, तो पूरे परिवार में संस्कृति का पोषण और भी प्रभावी ढंग से होगा.

समस्या यवतमाल में किसान आंदोलन की पहल, कृषि उपज मंडी में त्वरित व्यवस्था

कपास पंजीकरण की समस्याओं से किसान परेशान

राष्ट्रबाण

यवतमाल. कपास बिक्री के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य किए जाने से जिले के हजारों किसान गंभीर परेशानी में फँस गए हैं. पंजीकरण प्रक्रिया में आ रही तकनीकी दिक्कतों और अप्रूवल न मिलने के कारण लगभग 40 हजार किसानों की कपास बिक्री रुकी हुई है. अंतिम तिथि नजदीक आने से किसानों में भारी असंतोष और चिंता का माहौल है.

इस वर्ष जिले में लगभग 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कपास की खेती की गई है, लेकिन इनमें से केवल एक लाख किसानों ने ही ऑनलाइन पंजीकरण कराया है.

> इन टेबलों पर किसानों को पंजीकरण और अप्रूवल के लिए सीधी सहायता मिलेगी. यह पूरी प्रक्रिया किसान आंदोलन के कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में संपन्न हुई. किसान आंदोलन यवतमाल की ओर से जिले के सभी किसानों से अपील की गई है कि कपास पंजीकरण या अप्रूवल से संबंधित किसी भी समस्या के लिए सीधे कृषि उपज मंडी समिति, यवतमाल में सभापति रवि ढोक के कार्यालय से संपर्क करें. इस अवसर पर किसान आंदोलन के कार्यकर्ता कॉमरेड सचिन मनवर, किसान आंदोलक प्रा. पंढरी पाठे, प्रवीण आडे, शुभम तेलगोटे सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे.

इनमें भी सिर्फ 60 हजार किसानों को ही अप्रूवल मिला है, जबकि शेष 40 हजार किसान अब भी प्रतीक्षा में हैं. कई किसानों को तकनीकी समस्याओं, जानकारी के अभाव और प्रणाली की खामियों का सामना करना पड़ रहा है. परिणामस्वरूप सैकड़ों क्विंटल कपास घरों में ही पड़ी है. बाजार में भाव गिरने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है. जिले में लगभग 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की कपास का पंजीकरण अब तक नहीं हो पाया है. यदि समय रहते पंजीकरण पूरा नहीं हुआ तो किसानों को खुले बाजार में कम दाम पर कपास बेचनी पड़ेगी, जिससे शोषण की आशंका जताई जा रही है. फिलहाल जिले में केवल दो लाख क्विंटल कपास ही न्यूनतम समर्थन मूल्य केंद्रों तक पहुँची है, जबकि शेष कपास किसानों के घरों में ही अटकी हुई है.

इसी पृष्ठभूमि में किसान आंदोलन यवतमाल की ओर से किसानों के लगातार फोन आने के बाद आज शुक्रवार को कृषि उपज मंडी समिति, यवतमाल का दौरा किया गया. किसान आंदोलन के नेता सचिन मनवर के नेतृत्व में मंडी समिति के सभापति रवि ढोक से भेंट कर किसानों की समस्याओं से अवगत कराया गया. सभापति रवि ढोक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मंडी परिसर में कपास पंजीकरण के लिए तीन स्वतंत्र निजी टेबल शुरू करने की तत्काल व्यवस्था की.

राष्ट्रबाण विदर्भ VISION
|| धर्मो रक्षति रक्षितः ||
नागपुर, शनिवार, 27 दिसंबर 2025

कर्तव्य की वर्दी में संवेदना का साहसिक चेहरा : डीसीपी रश्मिता राव

नागपुर, चेतन शर्मा. आज जब समाज को केवल कानून के रक्षक नहीं, बल्कि भरोसे के प्रहरी चाहिए, ऐसे समय में रश्मिता राव जैसी अधिकारी उम्मीद की एक सशक्त किरण बनकर सामने आती हैं. डीसीपी रश्मिता राव ने यह सिद्ध किया है कि वर्दी के भीतर भी एक संवेदनशील हृदय धड़कता है, जो हर पीड़ित की पीड़ा को समझता है और हर नागरिक को न्याय का भरोसा देता है. उनका कार्य केवल आदेशों और फाइलों तक सीमित नहीं है. वे ज़मीनी हकीकत से जुड़कर समस्याओं को देखती, समझती और समाधान तक पहुँचाती हैं. महिला सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और जनसंवाद के क्षेत्र में उनकी सक्रियता ने पुलिस और आम जनता के बीच की दूरी को कम किया है. डीसीपी रश्मिता राव की सबसे बड़ी ताकत उनका मानवीय दृष्टिकोण है. वे सख़्ती को संवेदना के साथ संतुलित करती हैं, जिससे न केवल अपराध पर नियंत्रण होता है, बल्कि समाज में विश्वास भी पैदा होता है. अधीनस्थों के लिए वे एक मार्गदर्शक हैं और जनता के लिए एक भरोसेमंद सहारा. आज आवश्यकता ऐसे ही अधिकारियों की है, जो वर्दी को केवल अधिकार नहीं, बल्कि सेवा का प्रतीक मानते हों. डीसीपी रश्मिता राव का समर्पण, साहस और संवेदना उन्हें एक असाधारण अधिकारी बनाते हैं-ऐसी अधिकारी जिन पर समाज गर्व कर सकता है.

दिग्गज नेताओं की निष्क्रियता से आगामी चुनावों पर हार का साया

यवतमाल ज़िले में कांग्रेस का गढ़ ढहता हुआ

राष्ट्रबाण प्रतिनिधि

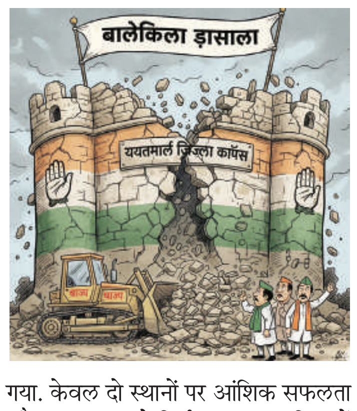

यवतमाल. यवतमाल ज़िला कभी कांग्रेस का मज़बूत 'गढ़' माना जाता था. दिवंगत सांसद उत्तमराव पाटील के नेतृत्व में यहाँ कांग्रेस की नींव पड़ी और उसके बाद लंबे समय तक पार्टी ने ज़िले में मज़बूत पकड़ बनाए रखी. इसी ज़िले ने कांग्रेस को दो मुख्यमंत्री, कई मंत्री और अनेक सांसद-विधायक दिए. लेकिन अब यह स्वर्णिम दौर इतिहास बनता नज़र आ रहा है. वरिष्ठ नेताओं की निष्क्रियता और संगठनात्मक शिथिलता के कारण कांग्रेस ज़िले में हाशिए पर जाती दिख रही है. वर्तमान में ज़िले में कांग्रेस का केवल एक ही विधायक बचना, पार्टी के लिए गंभीर चेतावनी माना जा रहा है. हाल ही में संपन्न 9 नगर परिषदों और 1 नगर पंचायत के चुनाव नतीजों ने ज़िले की राजनीति में हलचल मचा दी है. इन चुनावों में कांग्रेस को जनता द्वारा लगभग नकार दिया गया. केवल दो स्थानों पर आंशिक सफलता और प्रत्यक्ष रूप से सिर्फ एक नगर परिषद में सत्ता मिलने से यह साफ हो गया है कि ज़िले पर कांग्रेस की पकड़ ढीली पड़ चुकी है. इस करारी हार के बाद आगामी ज़िला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में कांग्रेस का भविष्य अधर में लटका हुआ माना जा रहा है, और पार्टी के अस्तित्व पर ही सवाल उठने लगे हैं.

हालाँकि पूर्व मंत्री मोघे के गृह क्षेत्र में दूसरी पंक्ति के नेताओं की कड़ी मेहनत के चलते आर्णी और घाटंजी में कांग्रेस के किले कुछ हद तक सुरक्षित रहे, जिससे पार्टी की थोड़ी बहुत साख बच पाई. लेकिन पांढरकवड़ा में भाजपा ने कांग्रेस से बदला लेते हुए नगराध्यक्ष पद अपने नाम कर लिया. वणी में भी भाजपा ने पूर्व विधायक के विकास कार्यों के बल पर एकतरफा सत्ता हासिल कर महाविकास आघाड़ी को करारी शिकस्त दी. वहीं ढाणकी नगर पंचायत में उद्धव सेना ने जीत दर्ज कर अपना वर्चस्व कायम किया. कुल मिलाकर, चुनाव नतीजों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की सुस्ती और कार्यकर्ताओं से टूटा हुआ संपर्क पार्टी की हार की मुख्य वजह बना है. यदि यही स्थिति बनी रही, तो आगामी ज़िला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में कांग्रेस को एक बार फिर भारी पराजय का सामना करना पड़ेगा और ज़िले की राजनीति में कांग्रेस केवल इतिहास के पन्नों तक सिमट कर रह जाएगी.

> ज़िले के मुख्य केंद्र यवतमाल नगर परिषद के नतीजों ने कांग्रेस के ज़ख्मों पर नमक छिड़क दिया. यहाँ कांग्रेस के दिग्गज नेता व पूर्व मंत्री एडवोकेट शिवाजीराव मोघे की बहू प्रियंका जितेंद्र मोघे को मौजूदा आदिवासी विकास मंत्री अशोक उईके की बेटी एडवोकेट प्रियदर्शनी उईके ने भारी अंतर से पराजित किया. इस प्रतिष्ठित मुकाबले के लिए कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी थी. राज्यसभा सांसद, विधान परिषद के पूर्व उपसभापति, ज़िले से बाहर के पूर्व मंत्री तथा वर्तमान-पूर्व विधायकों की फौज मैदान में उतरी थी. यहाँ तक कि स्थानीय शिवसेना के एक बड़े नेता और प्रशासन की एक पूर्व दबंग महिला अधिकारी का समर्थन भी कांग्रेस को जीत नहीं दिला सका. इस हार के पीछे वरिष्ठ नेताओं के बीच समन्वय की कमी और चुनाव के ऐन पहले ज़िला बैंक प्रकरण की चर्चा को प्रमुख कारण माना जा रहा है.दूसरी ओर, पुसद में डॉ. नदीम के रूप में सत्ताधारी 'बंगले' को चुनौती देने का प्रयास किया गया, लेकिन कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाज़ी और स्थानीय नेताओं की निष्क्रियता पार्टी के लिए घातक साबित हुई. पालकमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र में भी कांग्रेस पैठ बनाने में नाकाम रही और पूर्व उपसभापति के खाते में एक और हार दर्ज हो गई. उमरखेड़ में कांग्रेस ने अपने चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ने के बजाय 'जनशक्ति' प्रयोग अपनाया. इस प्रयोग से भले ही सत्ता मिली हो, लेकिन भाजपा की रणनीति के सामने इस सत्ता को बनाए रखना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती रहने वाली है.

धान खरीद केंद्र का उद्घाटन

कसनसुर क्षेत्र के किसानों को बड़ी राहत

राष्ट्रबाण प्रतिनिधि

एटापल्ली. TDC सेंटर और ट्राइबल वेरियस एग्जीक्यूटिव कोऑपरेटिव सोसाइटी, कसनसुर धान खरीद केंद्र का उद्घाटन ट्राइबल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन नासिक के डायरेक्टर और पूर्व ZP सदस्य सैनुजी गोटा ने बड़े उत्साह के साथ किया. TDC के तहत कसनसुर इलाके में आदिवासियों और किसानों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, धान खरीद केंद्र के तुरंत खुलने से किसानों को बड़ी राहत मिली है. किसानों ने कहा कि इससे धान बेचने में होने वाली देरी, दलालों की परेशानी और पैसे के नुकसान से बचा जा सकेगा. इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता प्रज्वल नागुलवार, ट्राइबल वेरियस एग्जीक्यूटिव कोऑपरेटिव सोसाइटी के चेयरमैन लालसुजी नरोटे, सुधाकर गोटा, सुनील मडावी, चित्तरंजन दास, नरेश गावड़े, बारसु उसेंडी, TDC कर्मचारी, गांव पाटिल भूमिया के साथ कसनसुर सेंटर के सैकड़ों किसान मौजूद थे. इस मौके पर, अपने करीबी दोस्त धर्मराव बाबा आत्राम को हराकर बहुमत से ट्राइबल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन नासिक के डायरेक्टर चुने गए सोनूजी गोटा को चेयरमैन लालसुजी नरोटे ने शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया.

फास्ट ट्रैक

'विकसित भारत-जी राम जी' योजना के तहत दी रोजगार की जानकारी

लोही. लोही ग्राम पंचायत में 'विकसित भारत–जी राम जी' योजना के अंतर्गत 125 दिनों की रोजगार गारंटी को लेकर एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया. इस ग्राम सभा में गांव के नागरिकों को योजना के उद्देश्य, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा योजना के अंतर्गत उपलब्ध कार्यों के स्वरूप की विस्तृत और कानूनी जानकारी दी गई. इस अवसर पर सरपंच संजय शिंदे, उपसरपंच राजूभाऊ हलदे, ग्राम सेवक एवं ग्राम विकास अधिकारी विद्याधर चौधरी, आशीष ढोले, पुलिस पाटील रामबाबू बुडे, संदेश शिरसाट सहित सुनंदा बावणे, मीना अभय वाणी, सुनंदा रामदास उजवणे, उषाताई भीमराव जरे, छाया दीपक डेरे, मंगला पुंडलिक वानखडे, दुर्गा विठ्ठल इंगोले, राजू सुखदेव गुल्हाने, सहजाद शेख गुलाब, रोशना अविनाश ढोले, सुषमा अशोक गुल्हाने तथा ग्राम पंचायत कर्मचारी अमोल डेरे, संतोष काटकर और रोजगार सेवक उपस्थित थे.

गड़चिरोली फेस्टिवल और महामैराथन 2025" का आयोजन

गड़चिरोली पुलिस फोर्स का उपक्रम

राष्ट्रबाण प्रतिनिधि

गड़चिरोली. गड़चिरोली जिला बहुत दूर, माओवाद प्रभावित, बहुत संवेदनशील और आदिवासी बहुल है और इस जिले के आदिवासी नागरिकों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए, गढ़चिरौली पुलिस फोर्स 'पुलिस दादलोरा खिड़की और प्रोजेक्ट उड़ान' के ज़रिए अलग-अलग सरकारी स्कीमें देकर विकास के मौके दे रही है. गढ़चिरौली जिले के आदिवासी भाइयों के टैलेंट को मौका देने और आदिवासी संस्कृति को बचाने के लिए एक प्लेटफॉर्म देने के मकसद से, गढ़चिरौली पुलिस फोर्स 25 दिसंबर 2025 से 27 दिसंबर 2025 तक गवर्नमेंट एग्रीकल्चरल कॉलेज, गढ़चिरौली में एक शानदार "गढ़चिरौली फेस्टिवल" का आयोजन करेगी और 28 दिसंबर 2025 को, सुपरिटेंडेंट ऑफ़िस के सामने ज़िला परिषद ऑफिस के परिसर में "महामैराथन 2025 सीज़न-3" का आयोजन किया जाएगा. गढ़चिरौली पुलिस फोर्स का बड़ा गढ़चिरौली फेस्टिवल तीन दिन तक चलेगा, और इस फेस्टिवल के खास आकर्षण हैं आदिवासी ग्रुप डांस कॉम्पिटिशन, वीर बाबूराव शेडमाके कबड्डी कॉम्पिटिशन और बिरसा मुंडा वॉलीबॉल कॉम्पिटिशन, और दूर-दराज के इलाकों से आने वाली टीमों के बीच मुकाबला बहुत कड़ा होगा. साथ ही, गढ़चिरौली जिले के अलग-अलग सेल्फ-हेल्प ग्रुप और अलग-अलग ऑर्गनाइज़ेशन अपने प्रोडक्ट्स और सामान के स्टॉल लगाएंगे. इसके साथ ही, मौजूद लोगों के लिए हैंडीक्राफ्ट के स्टॉल भी मिलेंगे. साथ ही, 26 और 27 दिसंबर को शाम 06 से 10 बजे तक एक कल्चरल प्रोग्राम भी रखा गया है. इस प्रोग्राम में महाराष्ट्र के मशहूर कलाकार हिस्सा लेंगे. इसमें सुरेश वाडकर (प्रसिद्ध गायक), भरत गणेशपुरे (चला हवा येउ द्या फेम), कुशल बद्रीके (चला हवा येउ द्या फेम), हेमांगी कवि (चला हवा येउ द्या फेम), ममता उइके ('ओ सांगो' गोंडी गीत फेम), निरंजन बोबड़े (जी मराठी सारे गाम विजेता), माधुरी पवार (मराठी सिने अभिनेत्री), पद्मनाभन गायकवाड़ (प्रसिद्ध मराठी गायक) और अर्जुन धोपटे ('ओ सांगो' गोंडी गीत फेम) अपनी कला प्रस्तुत करेंगे. गढ़चिरौली जिले के स्थानीय कलाकारों ने भी भाग लिया है, और जिले के 14000 से अधिक प्रतियोगी महामैराथन 2025 प्रतियोगिता में भाग लेंगे. प्रतियोगिता में विभिन्न आयु समूहों के लिए अलग-अलग दूरी है, जिसमें 21 किमी, 10 किमी, 05 किमी, 03 किमी शामिल हैं.

कॉन्ट्रैक्टर पर तुरंत क्रिमिनल केस दर्ज हो

CPI की गरांजी ग्राम सभा से 10 लाख वसूलने की अपील!

राष्ट्रबाण प्रतिनिधि

मुलचेरा. तालुका की गरांजी ग्राम सभा के हक और आदिवासियों की खून-पसीने की कमाई पर एक कॉन्ट्रैक्टर के 10 लाख 23 हजार रुपये हड़पने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. इस लूटने वाले कॉन्ट्रैक्टर पर तुरंत क्रिमिनल केस दर्ज किया जाए और बकाया रकम वसूल की जाए, इसकी मांग को लेकर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (CPI) के जिला जॉइंट सेक्रेटरी कॉमरेड सचिन मोटकुरवार के नेतृत्व में आज मुलचेरा तहसीलदार को कड़ा बयान देकर विरोध प्रदर्शन किया गया.

असल मामला क्या है? : ग्राम सभा गरांजी (तालिबान मुलचेरा) ने 'हेवन ट्रेडिंग कंपनी' के मालिक सागर चंद्रशेखर माने के साथ साल 2024-25 में कमरा नंबर 393, 395 और 396 में बांस काटने और बेचने का ऑफिशियल एग्रीमेंट किया था. कॉन्ट्रैक्ट के हिसाब से काटे गए बांस की कुल कीमत 15,73,360 रुपये थी. लेकिन, कॉन्ट्रैक्टर ने अब तक ग्राम सभा के अकाउंट में सिर्फ़ 5,50,000 रुपये जमा किए हैं. बाकी 10,23,360 रुपये पिछले कई महीनों से रोके हुए हैं. गांववालों में बहुत गुस्सा है क्योंकि बार-बार मांगने के बाद भी कॉन्ट्रैक्टर पैसे देने में आनाकानी कर रहा है.

यह आदिवासियों की मेहनत पर डकैती है! - कॉमरेड सचिन मोटकुरवार : इस मौके पर कड़ा रुख अपनाते हुए CPI के ज़िला जॉइंट सेक्रेटरी कॉमरेड सचिन मोटकुरवार ने कहा, संवैधानिक ग्राम स्वराज्य में ग्राम सभा का पैसा रोकना बहुत गंभीर मामला है. यह सिर्फ़ पैसे का लेन-देन नहीं है, बल्कि आदिवासी ग्राम सभा के साथ लुटेरे कॉन्ट्रैक्टर का किया गया धोखा है. प्रशासन को सिर्फ़ नोटिस नहीं भेजने चाहिए, बल्कि इस कॉन्ट्रैक्टर के ख़िलाफ़ तुरंत क्रिमिनल केस दर्ज करना चाहिए. अगर गरांजी के लोगों का पैसा वापस नहीं मिला, तो CPI पूरे ज़िले में ज़ोरदार आंदोलन करेगी.

प्रशासन को कड़ी चेतावनी

> CPI की तरफ से दिए गए बयान में साफ कहा गया है कि ठेकेदार के पैसे न देने की वजह से गांव वालों का पैसे का हिसाब-किताब रुक गया है और बांस के काम करने वाले लोग पैसे की तंगी में हैं. इसलिए प्रशासन को इस मामले पर खास ध्यान देना चाहिए और ठेकेदार से पूरी रकम वसूल करनी चाहिए और उसे ब्लैकलिस्ट करके सख्त कार्रवाई करनी चाहिए. बयान देते समय CPI के जिला जॉइंट सेक्रेटरी कामरेड सचिन मोटकुरवार, जिला सदस्य कामरेड सूरज जक्कुलवार, गरांजी ग्राम सभा के अध्यक्ष लालाजी हिचामी, सचिव संजय हिचामी और बड़ी संख्या में ग्राम सभा के सदस्य और नागरिक मौजूद थे.

16 को अटलजी, फुंडकर, आमदार शर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि देनी है : सांसद धोत्रे

राष्ट्रबाण प्रतिनिधि

अकोला. पूरे देश में भारतरत्न अटलबिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सांसद अनूप धोत्रे ने कहा कि 16 जनवरी को हमें वाजपेयी जी, भाऊसाहेब फुंडकर और आमदार गोवर्धन शर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि देनी है.कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष जयंत मसणे ने की. विधायक रणधीर सावरकर सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे. प्रास्ताविक विजय अग्रवाल ने किया सांसद अनूप धोत्रे ने वाजपेयी जी को 'नवभारत की नींव रखने वाला' और 'राष्ट्र चेतना का प्रहरी' बताते हुए कहा कि उन्होंने विपरीत समय में पार्टी को दिशा दी और हिंदुत्व के विचारों से कभी समझौता नहीं किया.सांसद धोत्रे ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे 'पहले राष्ट्र, फिर दल और फिर स्वयं' के विचार पर चलकर मनपा में भाजपा की सत्ता लाएँ और अटलजी, भाऊसाहेब फुंडकर तथा आमदार शर्मा के कार्य को आगे बढ़ाएँ. हमें महायुति के नेतृत्व में आगामी चुनाव जीतकर महानगरपालिका पर भगवा फहराना है.

हिंदी विवि के विद्यार्थियों का अभिलेखागार एवं संग्रहालय में इंटर्नशिप हेतु हुआ चयन

राष्ट्रबाण प्रतिनिधि

वर्धा. संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, लखनऊ उत्तर प्रदेश के संग्रहालय में नृजातीय कलाकृतियों के संग्रहण, प्रदर्शन, प्रलेखन और संरक्षण प्रविधियां पर 26 दिसम्बर से 09 जनवरी को आयोजित 15 दिवसीय इंटर्नशिप में शामिल होने के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के स्नातक अष्टम छमाही के विद्यार्थी हर्ष गुप्ता, अमृतेश, सोनू और सोहेल का चयन किया गया है. विद्यार्थी अपने प्रशिक्षण के दौरान पुरास्थलों से प्राप्त संग्रहालय में नृजातीय कलाकृतियों के संग्रहण और स्मारकों के अभिलेखन के प्रशिक्षण के साथ-साथ मिट्टी के बर्तनों की पहचान, वर्गीकरण, अभिलेखन और रेखाचित्रण तकनीक तथा पुरावशेषों के रसायनिक संरक्षण की विधियों का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे.

> उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित राज्य अभिलेखागार एवं संग्रहालय में इस इंटर्नशिप का आयोजन किया गया है . कार्यशाला में छात्रों को संग्रहालय में नृजातीय कलाकृतियों के संग्रहण, प्रदर्शन, प्रलेखन और संरक्षण प्रविधियां बताई जाएंगी. उत्खनन में मिले सिक्के और स्ट्रक्चर के काल की जांच और संरक्षण की तकनीकों को भी समझाया जाएगा. साथ ही स्मारकों, पुरावस्तुओं के अनुरक्षण और रसायनिक परिक्षण के संबंध में व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा. विवि के इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. बालाजी चिरडे व अध्यापक डॉ. परिमल प्रियदर्शी, डॉ. राकेश कुमार मिश्र और डॉ. मुन्नालाल गुप्ता ने चयन होने पर विद्यार्थियों को बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है.

बच्चों, माता-पिता और भारतमाता को कभी मत भूलन : कांचन गडकरी

दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान संचालित विवेकानंद छात्रावास का अभिभावक सम्मेलन संपन्न

राष्ट्रबाण प्रतिनिधि

यवतमाल. दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान द्वारा संचालित विवेकानंद छात्रावास का अभिभावक सम्मेलन अत्यंत उत्साह और प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ. इस अवसर पर संस्कार भारती की विदर्भ प्रांत अध्यक्ष कंचनताई गडकरी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि, "जिन माता-पिता ने हमें जन्म दिया, जिन गुरुओं ने हम पर संस्कार किए और भारतमाता—इन सबके हम पर अनंत उपकार हैं. पढ़-लिखकर बड़े जरूर बनो, लेकिन माता-पिता की सेवा और समाजसेवा के माध्यम से भारतमाता की पूजा करना कभी मत भूलना." कार्यक्रम की अध्यक्षता रेमंड युको डेनिम के डायरेक्टर वर्क्स नितिन श्रीवास्तव ने की. मंच पर दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान की उपाध्यक्ष ज्योति चव्हाण व डॉ. मनोज पांडे, सचिव विजय कद्रे, विवेकानंद छात्रावास के अध्यक्ष प्रविण किडे तथा सचिव मधुरा वेळूकर प्रमुख रूप से उपस्थित थे. कार्यक्रम की शुरुआत भारतमाता, पं. दीनदयाल उपाध्याय और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाओं पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलन से हुई. इसके बाद छात्रावास के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें नृत्य, देशभक्ति गीत, संस्कृत कथा, योगासन प्रदर्शन तथा पोवाड़ा शामिल था. विशेष बात यह रही कि पूरे कार्यक्रम का संचालन छात्रावास के ही छात्र तेजस बारेकर और हिमांशु उइके ने किया. इस अवसर पर अभिभावक प्रतिनिधि वंदना पोटे और प्रतीक्षा पवार ने अपने मनोगत में बच्चों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया.

सम्मान समारोह में अनेक गणमान्य सम्मानित

> सम्मेलन के दौरान वर्षभर छात्रावास को अनाज उपलब्ध कराने वाले किसानों का सम्मान किया गया . साथ ही विवेकानंद छात्रावास के हितचिंतक एवं यवतमाल नगर परिषद में हाल ही में निर्वाचित नगरसेवक दत्ता कुलकर्णी, माया शेरे, कीर्ती राऊत, शैला मिर्झापुरे, बिपिन चौधरी, सोनाली मडावी, नितिन गिरी और सुनील काले का भी गौरव किया गया . त्रावास के संचालन में सहयोग देने वाले धनश्री ढाकरे, रश्मी परशराम और श्रुति राठोड को भी सम्मानित किया गया . विभिन्न प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए .

> अध्यक्षीय भाषण में नितिन श्रीवास्तव ने अपने हल्के–फुल्के अंदाज में छात्रावास के विद्यार्थियों और उन्हें संस्कारित करने वाले सभी मार्गदर्शकों की सराहना की . कार्यक्रम का स्वागत व परिचय कीर्ती चेटुले, मंजुषा दुधाट, शीतल राठोड और छाया पारवेकर ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रविण किडे ने किया . कार्यक्रम का समापन पसायदान से हुआ . इस अवसर पर यवतमाल अर्बन बैंक के अध्यक्ष डॉ . नितिन खर्चे, जिला संघचालक विलास देशमुख, नगर संघचालक धनंजय पाचघरे, विभाग कार्यवाह अंकुश रामगडे, जिला कार्यवाह महेश धनरे, अजय मुंधडा, डॉ . प्रशांत गावंडे, मंगेश देशपांडे सहित विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे .

आयोजन — सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने जीता दिल

शंकरराव चव्हाण इंग्लिश स्कूल में 'वंदे मातरम' की गूंज

विक्की थापा , राष्ट्रबाण प्रतिनिधि

खापरखेड़ा. स्थानीय बिजली केंद्र की प्रकाशनगर कॉलोनी स्थित शंकरराव चव्हाण इंग्लिश स्कूल में २३ और २४ दिसंबर को वार्षिक स्नेह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया था. इस वर्ष 'वंदे मातरम' गीत के १५० वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम की थीम 'वंदे मातरम' रखी गई थी. विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया. कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ. समारोह का उद्घाटन भाजपा राज्य परिषद सदस्य डॉ. राजीव पोतदार के हाथों किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता मराविम कर्मचारी शिक्षा संस्था के सचिव ईश्वर राउत ने की.

इस अवसर पर मंच पर मुख्य रूप से उपमुख्य अभियंता सचिन डेग्वेकर, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हरीश रुमकर रमेश जैन, सरपंच शालिनी चवरे केंद्र प्रमुख संजय गुंजरकर, प्रशांत जालंदर, संध्या ठाकरे, प्रतिभा खन्नाडे, यामिनी घोरमाडे, गणेश चिखले, किशोर बक्सरिया, सुनील जालंदर, प्रकाश साद, विलास महल्ले, विपीन शर्मा, प्रधानाध्यापिका मोनाली सुरकर आदि उपस्थित थे.

> 'वंदे मातरम' थीम पर आधारित इस स्नेह सम्मेलन में भारत की समृद्ध संस्कृति और राष्ट्रीय एकता के दर्शन हुए. विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य और विविध प्रांतों की कला का प्रदर्शन किया. विशेष रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' और २६/११ के मुंबई हमले पर आधारित जीवंत नाटिकाओं ने दर्शकों की आंखें नम कर दीं. उद्घाटक डॉ. राजीव पोतदार ने स्कूल की शैक्षणिक और सांस्कृतिक प्रगति की सराहना की और छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं. इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया. प्रधानाध्यापिका मोनाली सुरकर ने प्रास्ताविक भाषण दिया. कार्यक्रम का संचालन वेदिका ढगे, प्राजक्ता गोमकाळे, रुबिना शेख और फिरदोष शेख ने किया. समारोह का समापन सामूहिक 'वंदे मातरम' गायन के साथ हुआ. इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक, विद्यार्थी और नागरिक उपस्थित थे.

अकोला में भाजपा का 'नव संकल्पनामा' अभियान

225 पेटियों के माध्यम से जाने जाएंगे मतदाताओं के विचार

राष्ट्रबाण प्रतिनिधि

अकोला. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश महासचिव, विधायक रणधीर सावरकर ने कहा कि राज राजेश्वर नगरी (अकोला) के मतदाता मालिक हैं और हम सेवक की भूमिका में हैं. मतदाताओं के मन के विचार और विकास से संबंधित राय जानने के लिए भाजपा ने अब तक साढ़े चार सौ लोगों से संपर्क किया है. अब प्रत्येक वार्ड में विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों के साथ संवाद साधने के लिए 225 पेटियों के माध्यम से 'नव संकल्पनामा' (नया घोषणा पत्र) से संबंधित राय जानी जाएगी. भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में 'संकल्पनामा' से संबंधित 225 पेटियों के वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महानगर अध्यक्ष जयंत मसणे ने की, जबकि मंच पर जिला भाजपा अध्यक्ष संतोष शिवरकर, विजय अग्रवाल, किशोर पाटील, वैशालीताई शेळके, चंदाताई शर्मा, वसंत बाछुका, कृष्णा शर्मा, और पवन महल्ले उपस्थित थे.

> सांसद अनूप धोत्रे ने जानकारी दी कि विकास में सभी की भागीदारी हो, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विचार है, और राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी 'जनता के मन का कार्यक्रम' बनाकर उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं . अकोला भाजपा ने आठ साल पहले भी शहर के नागरिकों की राय जानकर 90% कार्यों को लागू किया था . अब एक बार फिर मतदाताओं की राय जानकर संकल्पनामा प्रकाशित किया जाएगा . उन्होंने बताया कि अगले तीन दिनों में शहर के 25,000 नागरिकों के साथ संवाद साधा जाएगा और भाजपा कार्यकर्ता पेटी के माध्यम से इस अभियान को चलाएंगे . कार्यक्रम का संचालन गिरीश जोशी ने किया और सिद्धार्थ शर्मा ने आभार प्रदर्शन किया .

राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में रामटेक में प्रदर्शन

रामटेक. बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में रामटेक में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया. हाल ही में बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की जिंदा जलाकर निर्मम हत्या किए जाने की घटना से आक्रोशित सैकड़ों कार्यकर्ता बुधवार शाम गांधी चौक पर एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन किया.इस दौरान बांग्लादेश विरोधी नारे लगाए गए, जिससे पूरा परिसर गूंज उठा. प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा. कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हस्तक्षेप की अपील की.प्रदर्शन में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष रितेश शर्मा सहित मंगल घुगे, समेश तिवारी, महेश सावंत, चेतन चोपकर और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे. प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, हालांकि माहौल पूरी तरह से आक्रोशपूर्ण बना रहा.

नकदी या अवैध शराब मिली तो होगी सख्त कार्रवाई

मनपा चुनाव, प्रशासन सतर्क | SST की कड़ी निगरानी

राष्ट्रबाण

नागपुर. महानगरपालिका की आगामी सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए चुनाव प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है. 15 जनवरी को होने वाले मतदान को देखते हुए राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थिर निगरानी दल (एसएसटी) तैनात किए गए हैं. इन दलों की खास नजर चुनाव के दौरान नकदी, अवैध शराब और प्रतिबंधित सामग्री की आवाजाही पर है.चुनावी आचार संहिता के पालन को सुनिश्चित करने के लिए संदिग्ध वाहनों की सघन जांच की जा रही है. शहर में बनाए गए चेकपोस्टों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को समय रहते रोका जा सके.चुनाव निगरानी के लिए कुल 12 स्थानों पर चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं. इसके तहत स्टैटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) में 57, फ्लाइंग स्क्वॉड टीम (एफएसटी) में 60 और वीडियो सर्विलांस टीम (वीएसटी) में 40 कर्मचारियों की तैनाती की गई है.

तस्कर गिरफ्तार : नारकोटिक्स टीम की कार्रवाई
3 लाख की डोडा पाउडर जब्त

राष्ट्रबाण

नागपुर. एमडी (मेफेड्रोन) और गांजा जैसे मादक पदार्थों के साथ-साथ अब डोडा पाउडर की तस्करी और बिक्री भी धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है. नागपुर ग्रामीण पुलिस की नारकोटिक्स विरोधी टीम ने मौदा थाना क्षेत्र के वडोदा शिवार स्थित एक ढाबे पर कार्रवाई करते हुए डोडा पाउडर बेचने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास से करीब 3 लाख 6 हजार 600 रुपये की डोडा पाउडर सहित कुल 3 लाख 71 हजार 600 रुपये का माल जब्त किया गया है. गिरफ्तार आरोपी का नाम असलम प्यारा खान (21 वर्ष) है, जो मूल रूप से बरहमपुर, लुधियाना (पंजाब) का रहने वाला है. वह पिछले कुछ दिनों से वडोदा (ता. कामठी) शिवार में स्थित मालवा पंजाब नामक ढाबे पर रह रहा था और वहीं से डोडा पाउडर की बिक्री कर रहा था. नारकोटिक्स टीम को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि उक्त ढाबे से डोडा पाउडर की तस्करी हो रही है. सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने एक नकली ग्राहक भेजा. जैसे ही आरोपी ने डोडा पाउडर देने की कोशिश की, टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया और ढाबे की तलाशी ली.

क्या है डोडा पाउडर?

अफीम के फूलों की सूखी पंखुड़ियों से तैयार किए गए पाउडर को डोडा पाउडर कहा जाता है. इसका उपयोग गुटखा, तंबाकू या खर्रा में मिलाकर नशे के लिए किया जाता है. अफीम की तुलना में इसकी नशा शक्ति कम होती है, इसलिए इसकी कीमत भी अपेक्षाकृत कम रहती है. मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अफीम का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है, वहीं से डोडा पाउडर महाराष्ट्र में सप्लाई किया जाता है.

3.71 लाख का माल जब्त

पुलिस ने इस कार्रवाई में 20 किलो 440 ग्राम डोडा पाउडर (कीमत 3,06,600 रुपये), एमएच-40/बीडी-0929 नंबर की मोटरसाइकिल (50 हजार रुपये) और 15 हजार रुपये का मोबाइल फोन जब्त किया है. कुल मिलाकर 3,71,600 रुपये का माल पुलिस के कब्जे में लिया गया.आरोपी के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों के होटल और ढाबों पर यदि डोडा पाउडर या अन्य मादक पदार्थों की बिक्री की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की है.

विवेक भावसार को अदालत का झटका

'राइट वॉटर' मामले में खबरें हटाने का आदेश

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर स्थित 'राइट वॉटर सॉल्यूशंस' कंपनी को लेकर प्रकाशित कथित मानहानि-कारक खबरों के मामले में अदालत ने बड़ी कार्रवाई की है. जॉइंट सिविल जज (सीनियर डिवीजन) न्यायाधीश आनंद करभाजने ने बुधवार को 'द न्यूज़ 21 डॉट कॉम' और 'द राजकारण डॉट कॉम' के संपादक विवेक भावसार को निर्देश दिया कि वे तुरंत संबंधित खबरें अपनी वेबसाइट से हटाएं और भविष्य में कंपनी के खिलाफ कोई भी सामग्री प्रकाशित न करें. इन खबरों में यह आरोप लगाया गया था कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह-मुख्य प्रवक्ता और महावितरण के स्वतंत्र निदेशक विश्वास पाठक के कारण 'राइट वॉटर' कंपनी को लाभ मिला. अदालत के इस आदेश से विश्वास पाठक को राहत मिली है. 'मागेल त्याला सौर कृषिपंप' योजना के तहत कुछ चयनित ठेकेदारों को पंप लगाने के कार्य मिले थे. इन्हीं में 'राइट वॉटर' कंपनी का नाम शामिल होने को लेकर विवेक भावसार द्वारा कथित रूप से भ्रामक और असत्य खबरें प्रकाशित की गई थीं, जिन्हें ट्विटर और व्हाट्सऐप पर भी प्रसारित किया गया. इसके खिलाफ 'राइट वॉटर' कंपनी ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था.

- अदालत में यह पक्ष रखा गया कि विश्वास पाठक की कंपनी में केवल अल्प हिस्सेदारी है और उनका कंपनी के दैनिक कार्यों से कोई संबंध नहीं है. साथ ही, महावितरण की टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह प्रतिस्प-र्धात्मक और पारदर्शी रही है. कंपनी से जुड़े किसी भी निर्णय के समय विश्वास पाठक ने स्वयं को निर्णय प्रक्रिया से अलग रखा था.
- मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने विवेक भावसार के खिलाफ मनाई आदेश जारी किया. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए विश्वास पाठक ने कहा कि वे न्यायालय के आदेश से संतुष्ट हैं और उन्हें उम्मीद है कि मानहानि करने वालों को उचित सजा मिलेगी.

ग्रामायण उद्यम एक्सपो 2025 का भव्य उद्घाटन संपन्न

राष्ट्रबाण

नागपुर. ग्रामीण एवं स्थानीय उद्यमों को सशक्त मंच प्रदान करने वाले बहुप्रतीक्षित 7वें ग्रामायण उद्यम एक्सपो 2025 का भव्य उद्घाटन शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025 को सायंकाल 5 बजे नागपुर में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ. यह आयोजन ग्रामायण प्रतिष्ठान, नागपुर की ओर से कुसुमताई वानखेडे सभागृह, उत्तर अंबाझरी मार्ग, धरमपेठ में आयोजित किया गया. "उद्यमी बनें – आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ें!" तथा "स्वदेशी – लोकल से वोकल" की थीम पर आधारित इस एक्सपो का उद्घाटन पूर्व महापौर सौ. कुंदाताई विजयकर के शुभहस्ते किया गया. उद्घाटन समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में प्रसिद्ध उद्योगपति एवं वीआईए के पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेश राठी, महाराष्ट्र राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की क्षेत्रीय अधिकारी सौ. हेमा देशपांडे तथा ग्लोबल अलायंस फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप (GAME) के अंतर्गत महाराष्ट्र उद्यमिता मिशन के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल योगेश भावसार, अनिल सांबरे विशेष रूप से उपस्थित रहे.

- अपने संबोधन में वक्ताओं ने ग्रामीण व स्थानीय उद्यमों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे मंच आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त बनाते हैं. इस वर्ष के एक्सपो की विशेषता यह है कि इसमें सीधे उत्पादन करने वाले उद्यमियों पर विशेष फोकस किया गया है तथा B2B और B2C के प्रभावी समन्वय के माध्यम से उद्यमियों, व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा.
- इस एक्सपो में विदर्भ क्षेत्र के लघु उत्पादक, ग्रामीण उद्यमी, कुटीर उद्योग, हस्तशिल्पकार एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा निर्मित विविध उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें दर्शकों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है. ग्रामायण उद्यम एक्सपो 2025 आम जनता के लिए 26 से 30 दिसंबर 2025 तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा.
- इस आयोजन को VIA एग्रो रूरल डेवलपमेंट एंड फूड प्रोसेसिंग फोरम तथा सैटरडे क्लब, विदर्भ का सहयोग प्राप्त है. आयोजक ग्रामायण प्रतिष्ठान, नागपुर ने नागरिकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर स्थानीय एवं ग्रामीण उद्यमियों को प्रोत्साहन दें.

फास्ट ट्रैक

आपसी रंजिश के चलते युवक की मौत

नागपुर. सोनेगाव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले डॉ हेडगेवार चौक, हॉटेल प्राईड के सामने आज सुबह तड़के ४.३५ मिनिटपर एक हत्या कि वारदात सामने आयी है जहां आपसी रंजिश के चलते दो युवकों को चाकु मारकर घायल किया गया जिसमे एक कि मौत हो गयी तो वहीं दूसरे कि हालत नाजूक बतायी जा रही है. जहां प्रणय रन्नावरे नामक यूवक कि मौत हूई है वहीं गौरव कारडा कि हालत नाज़ुक बताई जा रही है .

नागपुर के एक ग्राहक ने इस साल ही एक ही बार में स्मार्टफोन, सोने के सिक्के और बिल्लियों का
खाना खरीदकर 4.9 लाख रुपये खर्च किए

2025 में 'इंस्टामार्ट' को कैसे अपनाया'

राष्ट्रबाण

नागपुर. 'ऑरेंज सिटी' के नाम से प्रसिद्ध नागपुर अब आधिकारिक रूप से भारत के तेजी से बढ़ते कंविनियंस-कॉमर्स शहरों में शामिल हो गया है. भारत के अग्रणी क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म इंस्टामार्ट ने अपना वार्षिक ग्राहक ट्रेंड रिपोर्ट का पाँचवां संस्करण 'हाऊ इंडिया इंस्टामार्टेड 2025' जारी किया है, जिसमें नागपुर के ऑर्डर्स में पूरे साल लगभग 84% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. इसके चलते नागपुर भारत के सबसे तेजी से बढ़ते टियर-II बाजारों में शामिल हो गया है. यह बढ़त केवल किराने के सामान तक सीमित नहीं रही, बल्कि शहर में जीवनशैली में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला है. इसी साल नागपुर के एक निवासी ने एक ही बार में स्मार्टफोन, सोने के सिक्के और बिल्लियों का खाना खरीदकर 4.9 लाख रुपये खर्च किए, जो इस रिपोर्ट की खास बात रही. इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरणों की बिक्री में 502% की जबरदस्त वृद्धि देखी गई, जिससे यह साफ़ होता है कि नागपुर शहर के ग्राहक प्रीमियम टेक्नोलॉजी की ओर अधिक झुकाव रखते हैं. साथ ही, स्पोर्ट्स और फिटनेस श्रेणी में 513% की बढ़ोतरी हुई है. रेसिस्टेंस बैंड्स, डम्बल और योग सामग्री नए समय की जरूरी चीज़ें बन गई हैं. हेल्थ और वेलनेस सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है और नागपुर इस ट्रेंड का हिस्सा बन रहा है. नागपुर के ग्राहकों का आत्मविश्वास उनके शॉपिंग कार्ट से भी देखा जा सकता है. पूरे साल कई ग्राहकों ने 4 लाख रुपये से अधिक खर्च किया, जिससे यह साबित होता है कि नागपुर के ग्राहक महंगे प्रोडक्ट्स पर भी खर्च करने में पीछे नहीं हैं.

रेत की अवैध ढुलाई पर हुई कार्रवाई

टिप्पर सहित 25.15 लाख का माल जब्त

राष्ट्रबाण

बेला. बेला (तहसील उमरेड) पुलिस ने अवैध रेत परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चंद्रपुर–नागपुर मार्ग पर आष्टा शिवार से एक टिप्पर को पकड़ लिया. इस कार्रवाई में टिप्पर चालक और वाहन मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर कुल 25 लाख 15 हजार रुपये का माल जब्त किया गया है. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आष्टा (ता. उमरेड) शिवार से रेत की चोरी कर उसका परिवहन किया जा रहा है. सूचना के आधार पर बेला पुलिस ने आष्टा फाटा परिसर में नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की. इसी दौरान एमएच 40-सीएम 1614 क्रमांक के टिप्पर को रोका गया. तलाशी लेने पर टिप्पर में रेत भरी हुई पाई गई. रेत के संबंध में वैध दस्तावेजों की जांच की गई, लेकिन कोई अधिकृत कागजात प्रस्तुत नहीं किए जा सके. पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि रेत की अवैध ढुलाई की जा रही थी. इसके बाद पुलिस ने पंचनामा कर टिप्पर जब्त किया और चालक व मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया.

इस कार्रवाई में करीब 25 लाख रुपये कीमत का टिप्पर और लगभग 15 हजार रुपये मूल्य की तीन ब्रास काली रेत, कुल 25 लाख 15 हजार रुपये का मुद्देमाल जब्त किया गया है. पुलिस के अनुसार जब्त की गई रेत अवैध रूप से निकाली गई थी. इस प्रकरण में टिप्पर चालक प्रशिक प्रमोद नराजे (25) और टिप्पर मालिक सुमित गजानन दवंडे (25, दोनों निवासी बेला, ता. उमरेड) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2), महाराष्ट्र भूमि राजस्व संहिता की धारा 48(7), 48(8), खान एवं खनिज अधिनियम की धारा 4 व 21 तथा सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की धारा 3 के तहत अपराध दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है.

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान शुरू

गौतम अदाणी ने किया यात्रियों का स्वागत

राष्ट्रबाण

नागपुर. नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) ने आज औपचारिक रूप से कमर्शियल उड़ानों की शुरुआत हो गई है. इसके साथ ही मुंबई की एविएशन क्षमता में बड़ा विस्तार हुआ है और भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में एक नया अध्याय जुड़ गया है. नवी मुंबई इंट-रनेशनल एयरपोर्ट के शुरु होने के साथ ही मुंबई अब उन वैश्विक महानगरों की श्रेणी में शामिल हो गया है जहाँ यात्रियों की बढ़ती संख्या को संभालने के लिए एक से अधिक एयरपोर्ट काम कर रहे हैं. लंदन, न्यूयॉर्क, टोक्यो और शंघाई की तरह अब मुंबई महानगर क्षेत्र (एमए-मआर) को भी एक मजबूत मल्टी-एयरपोर्ट सिस्टम मिला है, जो भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार है. अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल), जो कि अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, द्वारा विकसित और संचालित नवी मुंबई इंटरने-शनल एयरपोर्ट भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में से एक है. यह एयरपोर्ट, छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बढ़ते दबाव को कम करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है और यह अदाणी समूह की तेज़ और प्रभावी परियोजना निष्पादन क्षमता को दर्शाता है.

स्कूल ऑफ़ स्कॉलर्स में 'दशावतार' थीम पर वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन

राष्ट्रबाण

नागपुर. स्कूल ऑफ स्कॉलर्स द्वारा दिनांक १२ दिसंबर २०२५ को सुरेश भट्ट सभागृह में वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव का भव्य आयोजन 'दशावतार' थीम पर किया गया. इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भगवान विष्णु के दस अवतारों मत्स्य, कूर्म, वराह, नरसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध और कल्कि को नृत्य, नाट्य, संगीत एवं सजीव झांकियों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया. कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों एवं नैतिक शिक्षाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना था. विद्यार्थियों की वेशभूषा, मंच सज्जा और भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्तिथ डॉ अंनत सोनटके जी ने आयोजकों को बहुत-बहुत बधाई दी और छात्रों का मनोबल बढ़ाया. विद्यालय के chief advisor श्रीमति देविका मैघे जी, CEO श्रीमति आभा मेघे जी ने अति उत्साहित होकर छात्रों की उत्तम प्रस्तुति पर बधाई दी. कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. अतिथियों ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं अनुशासन की सराहना की. विद्यालय की प्राचार्या Dr. शिल्पा नेवास्कर जी ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में सहायक होते हैं.

एनिमोरा के कॉन्सेप्ट पर आधारित स्कूल ऑफ़ स्कॉलर्स का
प्री-प्राइमरी कल्चरल प्रोग्राम

राष्ट्रबाण

नागपुर. स्कूल ऑफ़ स्कॉलर्स ने 12 दिसंबर, 2025 को नागपुर के सुरेश भट ऑडिटोरियम में प्री-प्राइमरी और क्लास I और II के स्टूडेंट्स के लिए एक शानदार कल्चरल प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया. इस प्रोग्राम का कॉन्सेप्ट "एनिमोरा" था. इसके तहत, छोटे स्टूडेंट्स ने रंग-बिरंगे प्रेज़ेंटेशन के ज़रिए जानवरों, पक्षियों और प्रकृति से जुड़े अलग-अलग रूपों को ज़िंदा कर दिया. चेहरे के एक्सप्रेशन और हाव-भाव से दिखाए गए डांस, म्यूज़िक, इमोशन और हाव-भाव की परफॉर्मेंस ने दर्शकों का मन मोह लिया. बच्चों के मासूम हाव-भाव, रंग-बिरंगे कॉस्ट्यूम और कॉन्फिडेंट प्रेज़ेंटेशन ने पेरेंट्स और मेहमानों को इमोशनल कर दिया. इस प्रोग्राम के चीफ गेस्ट के तौर पर डॉ. सतीश देवपुजारी और CEO श्रीमती आभा मेघे मौजूद थीं. उन्होंने स्टूडेंट्स के यूनिक प्रेज़ेंटेशन के लिए ऑर्गनाइज़र को बधाई दी और उन्हें शुभकामनाएं दीं. इस मौके पर प्रिंसिपल डॉ. शिल्पा नेवासकर ने कहा कि इस तरह की कल्चरल एक्टिविटी बच्चों के ओवरऑल डेवलपमेंट, कॉन्फिडेंस और क्रिएटिविटी को बढ़ाती हैं. प्रोग्राम के सफल आयोजन के लिए टीचरों की कड़ी मेहनत और माता-पिता के सहयोग की भी खास तौर पर तारीफ़ की गई.

दौरा | मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने किया
आमला-नागपुर खंड पर सुरक्षा का निरीक्षण

राष्ट्रबाण

नागपुर. विवेक कुमार गुप्ता, महाप्र-बंधक, मध्य रेल ने दिनांक 24.12.2025 को नागपुर मंडल के आमला–नागपुर खंड का व्यापक संरक्षा निरीक्षण किया. इस निरीक्षण के दौरान परिचालन दक्षता, सुरक्षा मानकों तथा चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई. आमला में निरीक्षण के दौरान, महा-प्रबंधक ने प्रमुख परिचालन और यात्री संबंधी सुविधाओं का निरीक्षण किया, जिनमें शामिल हैंः आमला में, महाप्रबंधक ने क्रू बुकिंग लॉबी में ट्रेन मैनेजर और लोको पायलटों से बातचीत की और टिकट चेकिंग स्टाफ के कामकाज की समीक्षा की. उन्होंने आरपीएफ द्वारा की गई पहलों और अपराधों का पता लगाने और सुरक्षा के लिए अपनाए गए नवीन तरीकों की समीक्षा की. इसके पश्चात जौलखेड़ा-मुलताई खंड पर 889.45 किलोमीटर पर स्थित लिमिटेड हाइट सबवे (एलएचएस) संख्या 264 का निरीक्षण किया गया. मुलताई में, महाप्रबंधक ने सिग्नल और दूरसंचार विभाग द्वारा प्रस्तुत जानकारी के साथ स्टेशन सर्कुलेटिंग एरिया, बुकिंग कार्यालय, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग रिले रूम और पावर रूम का निरीक्षण किया.

हितधारकों और कर्मचारियों से बातचीत

निरीक्षण के दौरान, श्री विवेक कुमार गुप्ता ने स्वच्छता मानकों, रेल परिचालन की समयबद्धता और खंड में चल रहे रखरखाव और अवसंरचना उन्नयन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की. श्री गुप्ता ने माल ढुलाई (फ्रेट) ग्राहकों से बातचीत कर लोडिंग क्षमता बढ़ाने और गैर-किराया राजस्व को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा की. महाप्रबंधक ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी बातचीत की और उन्हें संरक्षा और विश्वसनीयता के उच्चतम मानकों के प्रति सतर्क और प्रतिबद्ध रहने की सलाह दी, साथ ही मजबूत अंतर-विभागीय समन्वय और संरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया.

पावरअप मनी ने सीरीज़-ए राउंड में 12 मिलियन डॉलर जुटाए

देशभर में उच्च गुणवत्ता वाली म्यूचुअल फंड सलाह का विस्तार करेगा

राष्ट्रबाण

नागपुर. म्यूचुअल फंड सलाह देने वाली वेल्थटेक प्लेटफॉर्म पावरअप मनी ने आज घोषणा की कि उसने सीरीज़-ए फंडिंग राउंड में 12 मिलियन डॉलर जुटाए हैं. इस राउंड का नेतृत्व पीक एक्सवी ने किया, जबकि मौजूदा निवेशकों एक्सेल, ब्लूम वेंचर्स और केएई कैपिटल ने अपने पहले के निवेश पर भरोसा जताते हुए दोबारा निवेश किया. इसके अलावा 8आई वेंचर्स और डेवसी का समर्थन भी इस राउंड में जारी रहा. यह फंडिंग कंपनी द्वारा 7.2 मिलियन डॉलर की सीड फंडिंग जुटाने के महज छह महीने बाद आई है. पिछले एक दशक में भारत में म्यूचुअल फंड को अपनाने में तेज़ बढ़ोतरी देखी गई है. अब करीब 6 करोड़ निवेशक म्यूचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं और एसआईपी निवेश रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है.हालांकि, उच्च गुणवत्ता वाली और निष्पक्ष निवेश सलाह तक पहुंच इसी रफ्तार से नहीं बढ़ पाई है. कई निवेशक आज भी अनौपचारिक सलाह या अल्पकालिक प्रदर्शन के आधार पर फैसले लेते हैं, जिसका नतीजा अक्सर लंबे समय में कमज़ोर रिटर्न के रूप में सामने आता है. 2024 में प्रतीक जिंदल द्वारा स्थापित पावरअप मनी एक रिसर्च-आधारित, ज़ीरो-कमीशन म्यूचुअल फंड सलाहकार प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जिसका मकसद पारंपरिक लागत के मुकाबले बेहद कम खर्च में लाखों भारतीयों तक उच्च गुणवत्ता वाली और निष्पक्ष निवेश सलाह पहुंचाना है.